@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 23 फरवरी 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 84 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

स्वामी प्रसाद मौर्य ने नई पार्टी का किया एलान

लखनऊ, 22 फरवरी। समाजवादी पार्टी में उपेक्षा की बात कहकर सभी पदों से और विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा देने के बाद स्वामी प्रसाद मौर्य ने बृहस्पतिवार को दिल्ली के तालकटोरा में नई पार्टी राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी (आरएसएसपी) का एलान कर दिया है। इस मौके पर उन्होंने भाजपा व आरएसएस पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार इस देश की संपत्तियों को बेचने का पाप कर रही है। उन्होंने कहा कि धर्म की दुहाई देकर सत्ता में बैठे ये भूखे भेड़िए आज इंसानियत का कत्लेआम कर रहे हैं। हिंदू मुसलमानों को बांटने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा और आरएसएस का जो इतिहास है, इस बात का गवाह है कि इस देश की आज़ादी में उनके परिवार और कुनबे का कोई व्यक्ति हिस्सेदार नहीं रहा है इसलिए देश से उन्हें कोई लगाव नहीं है। ये देश की पहली सरकार है जो कि देश की संपत्तियों को बेचने का पाप कर रही है। सपा में रहते हुए स्वामी प्रसाद मौर्य लगातार अपने बयानों से चर्चा में रहे हैं। उनके बयानों के कारण सपा नेतृत्व भी कई बार परेशानी में नजर आया और उन्हें पार्टी में ही विरोध का भी सामना करना पड़ा है। बीते दिनों उन्होंने पहले सपा के राष्ट्रीय महासचिव और फिर पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद दिल्ली में नई पार्टी का एलान कर दिया। उन्होंने विपक्षी गठबंधन इंडिया को मजबूत करने की बात कही थी।

मोदी ने जो कह दिया वो कर के दिखाता है: प्रधानमंत्री मोदी

सिम्मी कौर बब्बर

नवसारी, 22 फरवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवसारी में काकरापार परमाणु ऊर्जा परियोजना सहित अन्य विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इससे पहले गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सीआर पाटिल ने प्रधानमंत्री का अभिनंदन किया गया। इसके बाद पीएम मोदी ने एक जनसभा को संबोधित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि थोड़ी देर पहले वडोदरा, नवसारी, भरूच, सूरत और दूसरे क्षेत्रों को हजारों करोड़ रुपये के नए प्रोजेक्ट्स मिले हैं। टेक्सटाइल बिजली और शहरी विकास से जुड़े 40 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की परियोजनाओं के लिए सभी को बधाई। आजकल पूरे देश में एक चर्चा जोरो पर चल रही है। वह चर्चा है मोदी की गारंटी। देश का बच्चा-बच्चा कह रहा है मोदी ने जो कह दिया वे करके दिखाता है। उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी वहां से शुरू होती है, जहां दूसरों से उम्मीद खत्म होती है। देश के गरीब को पहली बार ये भरोसा हुआ है कि उसे पक्का घर मिलेगा, क्योंकि मोदी की गारंटी है। गरीब को पहली बार ये भरोसा हुआ है कि उसे कभी भूखा नहीं सोना पड़ेगा, उसे दर्द नहीं सहना पड़ेगा क्योंकि मोदी की गारंटी है। उन्होंने कहा कि जब मैं गुजरात में था तो 5स्न

की बात करता था। इसका मतलब था- फॉर्म, फॉर्म टू फाइबर, फाइबर टू फैक्ट्री, फैक्ट्री टू फैशन, फैशन टू फॉरेन। यानी किसान कपास उगाएगा, कपास फैक्ट्री में जाएगा, फैक्ट्री में बने धागे से परिधान बनेंगे, यही परिधान विदेशों के लिए निर्यात होंगे। उन्होंने कहा कि पीएम मित्र पार्क भी इसी अभियान का हिस्सा है। नवसारी में जिस पीएम मित्र पार्क का काम शुरू हुआ है, वो टेक्स्टाइल सेक्टर के लिए देश का पहला ऐसा पार्क है। इससे कपड़ा उद्योग को बल मिलेगा। कपड़ा निर्यात में भारत की हिस्सेदारी बढ़ेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज सूरत के लोगों के लिए एक और अहम प्रोजेक्ट पर काम शुरू हो रहा है। 800 करोड़ रुपये से ज्यादा राशि से बनने वाले तापी रिवर बैराज का आज शिलान्यास हुआ है। ये बनने से सूरत में आने वाले कई वर्षों तक वाटर सप्लाई की समास्या का समाधान हो जाएगा। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी के भारत में बिजली पैदा करने में हमारे परमाणु बिजली घरों की भूमिका और बढ़ने जा रही है। आज तापी के काकरापार परमाणु ऊर्जा प्लांट में दो नए रिएक्टर राष्ट्र को समर्पित किए गए हैं और ये दोनों रिएक्टर मेड इन इंडिया टेक्नोलॉजी से तैयार किए हैं। ये दिखाता है कि आज भारत कैसे हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने लंबे समय तक देश में और गुजरात में सरकार चलाई, लेकिन कभी आदिवासी क्षेत्रों, समंदर के तट पर बस गांवों की सुध नहीं ली।

गजवा-ए-हिंद को वैध करार देने पर दारुल उलूम पर जांच करने के आदेश

सहारनपुर, 22 फरवरी। गजवा-ए-हिंद (भारत पर आक्रमण) को वैध करार के जवाब पर इस्लामी शिक्षण संस्था दारुल उलूम दस वर्ष बाद सवालों के घेरे में आ गया है। वेबसाइट के माध्यम से दिए गए फतवे को आधार बनाकर राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने इसे राष्ट्र विरोधी बताते हुए डीएम सहारनपुर और एसएसपी को जांच कर कार्रवाई के आदेश दिए हैं। बृहस्पतिवार को देवबंद एसडीएम अंकुर वर्मा और सीओ अशोक सिसोदिया ने दारुल उलूम प्रबंधन से इस संबंध में पूछताछ भी की। दरअसल, वर्ष 2015 में दारुल उलूम की वेबसाइट पर किसी व्यक्ति ने गजवा-ए-हिंद को लेकर जानकारी मांगी थी। जिस पर दारुल उलूम ने अपने जवाब में पुस्तक सुन्नत-अल-नसाई का हवाला दिया था। कहा था कि गजवा-ए-हिंद को लेकर इसमें पूरा एक अध्याय है। बाल संरक्षण आयोग ने कहा कि यह देश विरोधी है, क्योंकि इसमें गजवा-ए-हिंद को इस्लाम के नजरिए से जायज बताया गया है। मामले में आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने डीएम और एसएसपी को पत्र लिखकर कार्रवाई करने को कहा। जिस पर बृहस्पतिवार को एसडीएम अंकुर वर्मा और सीओ अशोक सिसोदिया उच्चाधिकारियों के निर्देश पर दारुल उलूम पहुंचे। यहां उन्होंने संस्था के मोहतमिम मौलाना अबुल कासिम नौमानी और नायब मोहतमिम मौलाना अब्दुल खालिक मद्रासी से पूछताछ की। संस्था के दोनों जिम्मेदारों ने अधिकारियों के सामने अपना पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि वर्ष 2015 में पूछे गए सवाल पर हदीस में जो लिखा है वही नकल कर बताया गया।

मौलिक अधिकार में बाधक नहीं न्यायिक फैसला: सुप्रीम कोर्ट

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 22 फरवरी। सुप्रीम कोर्ट ने फिर दोहराया है कि न्यायिक फैसले को मौलिक अधिकार में बाधक मानते हुए चुनौती नहीं दी जा सकती। शीर्ष कोर्ट ने कहा, पहले एक मामले की सुनवाई के दौरान शीर्ष कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा है कि उपयुक्त न्यायाधिकार वाले किसी जज के सामने सुनवाई के लिए पेश मामले में न्यायाधीश की ओर से सुनाया गया न्यायिक फैसला मौलिक अधिकारों में बाधक नहीं होता है। जस्टिस दीपांकर दत्ता व जस्टिस ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की पीठ ने हाल में एक मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से दायर आपराधिक अपील पर तेजी से फैसला करने के लिए उच्च न्यायालय को निर्देश देने से इन्कार करते हुए यह टिप्पणी की। याचिकाकर्ता ने अपील की सुनवाई में देरी से व्यथित होकर संविधान के अनुच्छेद-32 के तहत यह रिट याचिका दायर की है। अदालत ने कहा कि मामले को सूचीबद्ध करने के संबंध में उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ संविधान के अनुच्छेद-32 के तहत दायर रिट याचिका सुनवाई

योग्य नहीं है। पीठ ने कहा, यदि उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ता की आपराधिक अपील (2016 में दायर) को जल्दी सुनवाई के लिए प्राथमिकता नहीं दी है, भले ही किसी भी कारण से हो, यह न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा है और अनुच्छेद-21 (जीवन की सुरक्षा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का मौलिक अधिकार) के उल्लंघन का हवाला देते हुए अनुच्छेद-32 के तहत रिट याचिका नहीं दायर की जा सकती। पीठ ने कहा, यदि याचिकाकर्ता अपनी अपील लंबित रहने तक जमानत पर रिहा होना चाहता है तो उसे रिट याचिका के बदले अपराध प्रक्रिया संहिता की धारा-389 (1) के तहत आवेदन करना चाहिए। अदालत ने रिट याचिका को गलत अवधारणा मानते हुए खारिज कर दिया। याचिकाकर्ता की रिट याचिका को खारिज करते हुए पीठ ने कहा, संविधान के भाग-5 (संघ) के तहत अध्याय-4 (शीर्ष केंद्रीय न्यायपालिका) में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, जो संविधान के अनुच्छेद-227 (उच्च न्यायालय द्वारा सभी न्यायालयों पर अधीक्षण की शक्ति) के समान हो। दूसरे शब्दों में शीर्ष कोर्ट को हाईकोर्टों के अधीक्षण या निगरानी की शक्ति नहीं है। हमारी सांविधानिक योजना में दो संस्थाओं (उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों) के बीच क्षेत्राधिकार का स्पष्ट विभाजन है और दोनों संस्थाओं को एक दूसरे के लिए परस्पर सम्मान की आवश्यकता है।

संदेशखाली हिंसा पर विपक्ष और राज्य सरकार पर भड़के रविशंकर

कोलकाता, 22 फरवरी। पश्चिम बंगाल में संदेशखाली हिंसा को लेकर भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने राज्य सरकार के साथ इंडिया गठबंधन को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने संदेशखाली हिंसा को गंभीर मुद्दा बताया है। संदेशखाली की महिलाओं पर हुए अत्याचार पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की चुप्पी पर भी निशाना साधा है। रविशंकर प्रसाद ने कहा, महिलाओं के साथ होने वाले अपमानजनक व्यवहार और यौन उत्पीड़न के बारे में जो बाते सामने आई है, वह हमारे समाज और लोकतंत्र के लिए शर्मनाक है। ममता बनर्जी अब भी इसका बचाव क्यों कर रही हैं? इस मामले में एक पत्रकार को भी गिरफ्तार किया गया है। ममता बनर्जी आखिर क्या छिपाना चाहती हैं और क्यों? वह खुद एक महिला है और अपनी प्रतिष्ठा बचाने के लिए वह अन्य महिलाओं के सम्मान को खतरे में डाल रही है। क्या उनका जमीर मर गया है? उन्होंने अन्य पार्टियों पर निशाना साधते हुए कहा, अन्य पार्टियां चुप क्यों हैं? मैंने सुना है कि सीपीआई(एम) की एक महिला नेता ने हिंसाग्रस्त क्षेत्र का दौरा किया, लेकिन उन्होंने इसका कोई औपचारिक विरोध नहीं किया। पार्टी भी इस मामले में चुप है। राहुल गांधी भी इस मुद्दे पर चुप है। इंडिया गठबंधन पार्टियों पर भड़कते हुए भाजपा नेता ने कहा, देश की बहनों, बेटियों की आबरू लूटी गई फिर भी वे (इंडिया गठबंधन) खामोश हैं, यह उनका नारी सम्मान को लेकर स्तर दिखाता है। सङ्खुञ्ञ्ष्ट॥ दिल्ली- संदेशखाली घटना को लेकर ढ्ढहृष्ठढ्ढ गठबंधन पर भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा, ...देश की बहनों, बेटियों की आबरू लूटी गई फिर भी वे(ढ्ढहृष्ठढ्ढ गठबंधन) खामोश हैं, यह उनका नारी सम्मान को लेकर स्तर दिखाता है।

आप-कांग्रेस के बीच गठबंधन तय, 4-3 के फॉर्मूले पर बनी बात

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 22 फरवरी। आगामी लोकसभा चुनाव में दिल्ली में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस मिलकर चुनाव लड़ सकते हैं। आम आदमी पार्टी चार और कांग्रेस तीन सीटों पर चुनाव लड़ सकती है। दिल्ली में

आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को लोकसभा चुनाव में गठबंधन के लिए तीन सीटों की पेशकश की है। इसपर लगभग सहमति बन गई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कांग्रेस को आम आदमी पार्टी ने चांदनी चौक सीट देने का प्रस्ताव दिया है। इसके अलावा पूर्वी दिल्ली और नॉर्थ ईस्ट सीट कांग्रेस को देने का प्रस्ताव भी दिया है। आप की तीन सीटों की पेशकश पर दोनों दल सहमत हो गए हैं। ऐसे में कांग्रेस तीन सीटों पर चुनाव लड़ सकती है। वहीं, आम आदमी पार्टी नई दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली और नॉर्थ वेस्ट दिल्ली सीट से चुनाव लड़ सकती है। इसका औपचारिक एलान होना बाकी है। जो आज हो सकता है।

किसान आंदोलन: 26 फरवरी को देशभर में ट्रैक्टर मार्च, 14 मार्च को दिल्ली में महापंचायत

चंडीगढ़, 22 फरवरी। चंडीगढ़ में गुरुवार को संयुक्त किसान मोर्चा की अहम बैठक हुई। इसमें देशभर के कई राज्यों से पहुंचे किसान नेताओं ने हिस्सा लिया। 14 मार्च को किसान दिल्ली के रामलीला मैदान में महापंचायत करेंगे। वहीं 26 फरवरी को देशभर में किसानों ने ट्रैक्टर मार्च करने का फैसला लिया है। किसान नेता जोगिंदर सिंह उग्रराहां ने बताया कि 23 फरवरी को किसान पूरे देश में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, हरियाणा के सीएम मनोहर लाल और गृह मंत्री अनिल विज के पुतले फूकेंगे। खनौरी बॉर्डर पर जान गंवाने वाले युवा किसान शुभकरण सिंह की मौत पर किसान नेताओं ने दुख जताया और श्रद्धाजंलि अर्पित की। किसान नेताओं ने कहा कि किसान संगठन पूरे देश में रोष और काला दिन के रूप में प्रदर्शन करेंगे। किसान नेता बलबीर सिंह राजेवाल ने कहा कि हरियाणा पुलिस ने पंजाब की सीमा पर कार्रवाई की है। उन्होंने हरियाणा पुलिस के खिलाफ 302 के तहत केस दर्ज करने की मांग की। उन्होंने कहा कि मामले की न्यायिक जांच की जाए। हरियाणा के सीएम व गृह मंत्री के खिलाफ भी केस दर्ज करने की मांग उन्होंने की। पीड़ित परिवार को एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता की मांग भी संयुक्त किसान मोर्चा ने की। 14 मार्च को देशभर के किसान दिल्ली के रामलीला मैदान में किसान महापंचायत करेंगे। यह फैसला बैठक में लिया है। वहीं 26 फरवरी को किसानों ने ट्रैक्टर मार्च का एलान किया है। किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि 26 फरवरी को देशभर में किसान हाइवे पर ट्रैक्टर मार्च करेंगे। एक तरफ की सड़क खुली रहेगी। इसी दिन शाम को विश्व व्यापार संगठन का पुतला भी फूंका जाएगा।

पीएम मोदी की गारंटी के बावजूद किसान कर रहे हैं आत्महत्या: शरद पवार

पुणे, 22 फरवरी। एक ओर दिल्ली बॉर्डर पर किसानों का प्रदर्शन चल रहा है। वहीं, दूसरी ओर किसानों के मुद्दे पर राकांपा नेता शरद पवार ने किसानों की आत्महत्या की घटनाओं को लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर तंज कसा है। उन्होंने बुधवार को केंद्र पर हमला बोलते हुए कहा कि एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसानों को तरह-तरह की गारंटी दे रहे हैं, लेकिन दूसरी तरफ किसान बढ़ते कर्ज के कारण आत्महत्या कर रहे हैं। पुणे में राकांपा (शरदचंद्र पवार) कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि आज, देश में किसानों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वे कड़ी मेहनत करते हैं लेकिन इसके बावजूद उन्हें अपने उत्पादों के लिए लाभकारी मूल्य नहीं मिलता है। यदि इनपुट लागत अधिक है और उत्पादन कम है, तो ऐसे में किसान कर्ज में डूब जाते हैं। और जब वे कर्ज नहीं चुका पाते तो किसान आत्महत्या जैसे कदम उठाते हैं। वर्तमान में पूरे देश में ऐसा ही माहौल व्याप्त है। प्रधानमंत्री मोदी पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि आज अखबार और टेलीविजन चैनल विज्ञापनों से भरे हुए हैं। इनमें प्रधानमंत्री किसानों को उनकी उपज के लिए अच्छी कीमत और बाजार जैसी विभिन्न गारंटियों की पेशकश करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक तरफ, मोदी की गारंटी है, लेकिन दूसरी तरफ, कहीं न कहीं कोई किसान आत्महत्या कर रहा है। इस दौरान उन्होंने राकांपा के बागी विधायकों में से एक रहे वाल्से पाटिल पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के नेताओं की पिछली पीढ़ियां अपनी पार्टी के प्रति वफादार थीं और विचारधारा से समझौता नहीं करती थीं, लेकिन अब ऐसा नहीं है।

रेपो रेट पर जल्दबाजी में लिया गया फैसला महंगाई कम करने में मिली सफलता को करेगा कमजोर: गवर्नर शक्तिकांत दास

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 22 फरवरी। रिजर्व बैंक की ओर से गुरुवार को इस महीने हुई एमपीसी की बैठक के मिनट्स जारी किए गए। यह बैठक 6 से 8 फरवरी के बीच हुई थी। बैठक के दौरान रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने का भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का काम अभी खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि नीतिगत मोर्चे पर जल्दबाजी में उठाया गया कोई भी कदम महंगाई के मामले में अब तक मिली सफलता को कमजोर कर सकता है। फरवरी में हुई मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के ब्योरे के अनुसार, दास ने कहा कि इस मोड़ पर मौद्रिक नीति समिति को सतर्क रहना चाहिए और यह नहीं मानना चाहिए कि मुद्रास्फीति के मोर्चे पर हमारा काम खत्म हो गया है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने इस महीने की शुरुआत में प्रमुख ब्याज दर में यथास्थिति बनाए रखने के लिए मतदान करते हुए यह टिप्पणी की थी। बैठक के ब्योरे के अनुसार, गवर्नर ने कहा, चूंकि बाजार नीतिगत दरों में कटौती की प्रत्याशा में केंद्रीय बैंक आगे चल रहे हैं, ऐसे में समय से पहले उठाया गया कोई भी कदम अब तक हासिल सफलता को कमजोर कर सकता है। उन्होंने कहा, लंबे समय तक

ऊंची विकास दर बनाए रखने के लिये महंगाई पर नियंत्रण और वित्तीय स्थिरता जरूरी है। मौजूदा समय में नीतिगत रूप से अनिवार्य यह है कि वृद्धि के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए टिकाऊ आधार पर 4 प्रतिशत मुद्रास्फीति लक्ष्य प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित किया जाए। एमपीसी के छह में से पांच सदस्यों ने अल्पकालिक बेंचमार्क ऋण दर को 6.5 प्रतिशत पर रखने के पक्ष में मतदान किया था। एमपीसी में बाहरी सदस्य जयंत आर वर्मा ने रेपो दर में 25 आधार अंकों की कमी करने और रुख को तटस्थ में बदलने का पक्ष रखा था। हालांकि एमपीसी मेंबर जयंत वर्मा ने दावा किया किया कि महंगाई के लक्ष्य से छेड़छाड़ किए बिना ब्याज दरो में कटौती की संभावना तलाशी जा सकती है। वर्मा ने कहा, इस बात का समय आ गया है कि एमपीसी यह संदेश दे कि वह महंगाई और विकास दोनों को गंभीरता से लेता है। वर्मा ने ब्याज दरों में 25 आधार अंकों की कटौती के पक्ष में वोट दिया। बैठक के ब्योरे के अनुसार रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर और एमपीसी के सदस्य माइकल देवव्रत पात्रा ने कहा कि मौद्रिक नीति को प्रतिबंधात्मक रहना चाहिए और मुद्रास्फीति में गिरावट का दबाव बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा था कि जब मुद्रास्फीति कम होगी और स्थायी रूप से लक्ष्य के करीब रहेगी, तभी किसी कटौती के बारे में सोचना चाहिए।

एप के माध्यम से अवैध ऋण का प्रसार रोकने के लिए नियामक और कदम उठाएं: वित्त मंत्री

नई दिल्ली, 22 फरवरी। ऑनलाइन एप के माध्यम से अनधिकृत (अवैध) ऋण के प्रसार को रोकने के लिए सरकार ने वित्तीय क्षेत्र के नियामकों से और उपाय करने को कहा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) समेत

वित्तीय क्षेत्र के नियामकों से कहा है कि एप के जरिए गलत तरीके से दिए जा रहे ऋणों का प्रसार रोकने के लिए अतरिक्त कदम उठाए जाएं। वित्तीय स्थिरता व विकास परिषद (एफएसडीसी) की 28वीं बैठक को संबोधित करते हुए सीतारमण ने नियामकों से सर्तक रहने को कहा है। उन्होंने कहा है कि घरेलू और वैश्विक वित्तीय स्थिति को देखते हुए वित्तीय स्थिरता के जोखिम का पता लगाने सक्रिय रहना जरूरी है। बैठक के बाद एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि एफएसडीसी ने वृहद वित्तीय स्थिरता और उससे निपटने के लिए भारत की तैयारियों से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। दुनिया के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय वित्तीय केंद्रों में से एक बनने और घरेलू अर्थव्यवस्था के लिए विदेशी पूंजी और वित्तीय सेवाओं की सुविधा मुहैया कराने के उद्देश्य से गिफ्ट आईएफएससी को मदद देने से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की गई। एफएसडीसी ने अपने फैसलों और केंद्रीय बजट घोषणाओं को लागू करने के लिए रणनीति तैयार करने से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इनमें समान केवाईसी मानदंडों को निर्धारित करना, वित्तीय क्षेत्र में केवाईसी रिकॉर्ड की अंतर-उपयोगिता और केवाईसी प्रक्रिया का सरलीकरण और डिजिटलीकरण; सोशल स्टॉक एक्सचेंजों के माध्यम से सामाजिक उद्यमों द्वारा धन जुटाने की शुरुआत करना और ऑनलाइन एप के जरिए अनधिकृत ऋण देने के हानिकारक प्रभावों को रोकना और उनके प्रसार को रोकने से जुड़े मुद्दे शामिल रहे।

ममता बनर्जी से बातचीत कर सकती हैं सोनिया गांधी

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 22 फरवरी। पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लोकसभा चुनाव में एकला चलो रे का नारा दे चुकी हैं, लेकिन अभी कांग्रेस के साथ ढ्ढ.हृ.ष्ठ.ढ्ढ गठबंधन के बैनर तले तालमेल के रास्ते बंद नहीं हुए हैं। यह रास्ता कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी आसान बना सकती हैं। 24, अकबर रोड के विश्वसनीय सूत्र बताते हैं कि जल्द ही सोनिया गांधी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से कुशलक्षेम पूछ सकती हैं। तृणमूल कांग्रेस के एक बड़े नेता ने भी कहा कि इंडिया गठबंधन सबके हित में है। लेकिन फैसला मुख्यमंत्री और पार्टी की प्रमुख ममता बनर्जी को लेना है। हो जाए तो अच्छा है। ममता बनर्जी की एक बड़ी शिकायत कांग्रेस के लोकसभा में नेता अधीर रंजन चौधरी से है। चौधरी तो कहते हैं कि ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल से तालमेल हुआ, तो वह निर्दलीय चुनाव लड़ जाएंगे। अधीर रंजन चौधरी के जहरबुझे तीरों को लेकर राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव भी कांग्रेस के नेताओं को ताकीद कर चुके हैं। माना जा रहा है कि कांग्रेस पार्टी जल्द ही इस तरह के तमाम गतिरोधों को दूर करने का रास्ता निकालेगी। ममता बनर्जी के निर्देश पर राज्यसभा सदस्य डीरेक ओ ब्रायन हाल में मेघालय और गोवाहाटी गए थे। तृणमूल कांग्रेस असम के करीमगंज और कोकराझार लोकसभा सीट पर अपना प्रत्याशी उतारना चाहती है। इसके अलावा मुकुल संगमा के लिए मेघालय में लोकसभा की एक सीट से प्रत्याशी उतारने की मंशा है। तृणमूल के सूत्र बताते हैं कि ममता बनर्जी ने पहले कांग्रेस को पश्चिम बंगाल में 5 सीटों पर लोकसभा प्रत्याशी उतारने का प्रस्ताव दिया था। वह असम में दो और मेघालय में एक सीट कांग्रेस से भी चाहती थीं। असम में एक बराक घाटी से और एक अपर असम में। ममता बनर्जी इसमें से एक सीट पर सुष्मिता देव को प्रत्याशी बनाना चाहती थीं। लेकिन बात न बनने पर सुष्मिता को राज्यसभा भेज दिया है। इन दोनों सीटों पर बंगाली संख्या ठीक-ठीक है। जबकि कांग्रेस पश्चिम बंगाल में 10 सीटों पर चुनाव लड़ने की इच्छुक थी। असम और मेघालय पर पत्ते बाद में खोलने की योजना थी। बताते हैं ममता बनर्जी को कांग्रेस के साथ तालमेल की बातचीत में माध्यम से चर्चा पर भी थोड़ा एतराज था। लेकिन समाजवादी पार्टी से गठबंधन, आम आदमी पार्टी के साथ तालमेल के अंतिम मोड़ पर पहुंचने के बाद अब पश्चिम बंगाल में भी सब साधने की योजना है। कांग्रेस पार्टी के एक पूर्व महासचिव ने कहा कि यह ठीक नहीं होगा कि कांग्रेस पार्टी पश्चिम बंगाल में तृणमूल से सहयोग नहीं चाहती। तृणमूल कांग्रेस विपक्षी गठबंधन की रूपरेखा में शामिल रहा है। तालमेल को लेकर बातचीत भी हुई है। लेकिन हमें सीटें कम मिल रही थीं। सूत्र का कहना है कि अभी दरवाजे बंद होने की बात करना जल्दबाजी होगी। तृणमूल सांसद का भी कहना है कि ढ्ढ.हृ.ष्ठ.ढ्ढ गठबंधन से एक सकारात्मक संदेश जाएगा। इससे चुनाव का माहौल बनेगा। जैसे उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के साथ तालमेल की खबर आने के बाद माहौल बदला है। सूत्र का कहना है कि इंडिया गठबंधन के दल मिलकर लड़ेंगे, तो सत्ता पक्ष को न केवल मजबूत चुनौती दी जा सकती है, बल्कि उसे सत्ता से हटाने की पूरी संभावना बनेगी। तृणमूल के नेता का दावा है कि कांग्रेस पश्चिम बंगाल में अकेले लड़ती है, तो वह केवल अधीर रंजन चौधरी की ही सीट जीत सकती है। इसलिए जरूरत दोनों की है। कांग्रेस के सांसद गौरव गगोई 2024 में नौगांव लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने के इच्छुक हैं। माना जा रहा है कि कांग्रेस अपने नेताओं से समग्र बातचीत के बाद तृणमूल कांग्रेस की नेता से अंतिम बातचीत की पहल कर सकता है। सबकुछ ठीक रहा तो तृममूल कांग्रेस को असम में एक सीट देने पर कांग्रेस सहमत हो सकती है। मेघालय में केवल दो लोकसभा सीटें ही हैं।

लुधियाना की सिख महिला ने पाकिस्तान जाकर किया निकाह,जसप्रीत से बन गई अब ज़ैनब

इस्लामाबाद. एक सिख महिला द्वारा पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के एक व्यक्ति से निकाह का समाचार है । बृहस्पतिवार को एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। समाचारपत्र 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की खबर के अनुसार जर्मनी से ताल्लुक रखने वाली भारतीय मूल की जसप्रीत कौर, जो पंजाब के लुधियाना से हैं, का नाम अब ज़ैनब हो गया है और उसे अली अर्सलान के साथ विवाह किया है। इसकी पुष्टि जामिया हनफिया, सियालकोट द्वारा जारी किए गए इस्लाम स्वीकार करने के प्रमाणपत्र से हुई है।कौर और उन्होंने विवाह

से पहले जामिया हनफिया सियालकोट में इस्लाम अपनाया और यहीं उन्हें नया नाम भी दिया गया। खबर के अनुसार विदेश में रहने के दौरान दोनों के बीच जान-पहचान हुई, और फिर प्रेम हो गया। अर्सलान ने जसप्रीत कौर को पाकिस्तान आने का निमंत्रण दिया और वहीं उनका विवाह हुआ। जसप्रीत कौर 16 जनवरी को धार्मिक यात्रा पर पाकिस्तान गई थीं और उसी दौरान दोनों ने विवाह किया। कौर के पास भारतीय पासपोर्ट भी है, उन्हें 15 अप्रैल तक एकल प्रवेश वीजा दिया गया था। जामिया हनफिया के अधिकारियों ने बताया कि उनके संस्थान में कौर सहित 2,000 से अधिक लोगों ने इस्लाम अपनाया है।

वेनेजुएला में अवैध सोने की खदान ढही, हादसे में 14 लोगों की मौत; दर्जनों के फंसे होने की आशंका

वेनेजुएला. वेनेजुएला में अवैध रूप से संचालित सोने की खदान ढहने से करीब 14 लोगों की मौत होने की खबर सामने आई है। साथ ही बताया जा रहा है कि हादसे में कई लोग गंभीर रूप से घायल हैं। आधिकारिक बयानों के मुताबिक खदान के अंदर कितने लोग अभी दबे हुए हैं, इसके बारे में सटीक जानकारी देना अभी संभव नहीं है।

मौके से 14 शव बरामद

घटना को लेकर दिए गए आधिकारिक बयान में बताया गया है कि मौके से अब तक करीब 14 शवों को बाहर निकाला गया है। वहीं करीब 11 लोग घायल हैं। हादसे के तुरंत बाद से राहत एंव बचाव कार्य शुरू कर दिया गया था, जो अभी भी जारी है।

दीवार गिरने के कारण हुआ हादसा

यह दुर्घटना बुल्ला लोका नाम की अवैध खदान में एक दीवार गिरने के कारण हुई है। यह खदान एक ऐसे दुर्गम इलाके में हैं, जहां केवल घंटों की नाव की सवारी से पहुंचा जा सकता था। अंगोस्टूरा के मेयर योर्गी अर्सिनेगा ने देर रात बताया कि हादसे में मारे जाने वालों की संख्या दर्जनों में हो सकती है। हादसे का शिकार लोगों के परिजन आस-पास के इलाकों में लगातार जमा हो रहे हैं।गौरतलब है कि वेनेजुएला की सरकार ने 2016 में अपने तेल उद्योग के साथ-साथ नए राजस्व जोड़ने के लिए देश के मध्य तक फैले एक विशाल खनन विकास क्षेत्र की स्थापना की। तब से, उस क्षेत्र के भीतर और बाहर सोने, हीरे, तांबे और अन्य खनिजों के खनन कार्य तेजी से बढ़े हैं।कई खदानें कानून को हाशिये पर रखकर संचालित होती हैं। वे आम वेनेजुएलावासियों को नौकरियां देते हैं, लेकिन स्थितियां गंभीर हैं।

ग्रीक PM किरियाकोस ने की भारत और प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ, कहा- मुझे दूरदर्शी नेता और एक सच्चा दोस्त मिला

भारत दौरे पर आए ग्रीस के प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोटाकिस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ नौवें रायसीना डायलॉग में मुख्यातिथि और

इंटरनेशनल डेस्क. भारत दौरे पर आए ग्रीस के प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोटाकिस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ नौवें रायसीना डायलॉग में मुख्यातिथि और मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने किरियाकोस के साथ द्विपक्षीय वार्ता करने के बाद प्रेस को संबोधित किया। वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका के महत्व पर जोर देते हुए, ग्रीक प्रधानमंत्री क्यारीकोस ने बुधवार को कहा कि जब वैश्विक बहस या चुनौतियों के समाधान की दिशा तय करने की बात आती है तो आज भारत को सर्वसम्मति निर्माता के रूप में माना जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि भौगोलिक, सांस्कृतिक और रणनीतिक निकटता को देखते हुए ग्रीस भारत और यूरोप के बीच वार्ताकार के रूप में कार्य कर सकता है।

मित्सोटाकिस ने की प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा

मित्सोटाकिस ने प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्हें उनमें एक दूरदर्शी नेता और एक सच्चा दोस्त मिला है, उन्होंने कहा कि भारत-ग्रीस संबंध द्विपक्षीय संपर्कों से परे हैं। उन्होंने कहा, ÷प्रधानमंत्री मोदी में मुझे एक दूरदर्शी, एक प्रमुख नेता और, मैं साहसपूर्वक कह सकता हूं, एक सच्चा मित्र मिला है। और हम भारत के साथ अपने संबंधों को जो महत्व देते हैं, वह न केवल हमारे द्विपक्षीय संपर्कों में वृद्धि से स्पष्ट है।÷ ग्रीक पीएम ने पीएम मोदी के साथ एक संयुक्त बयान देते हुए कहा, %%पिछले साल मने कृषि और रक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।%%रायसीना डायलॉग के उद्घाटन दिवस पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा, मैंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की भूमिका के बढ़ते महत्व पर थोड़ा पहले बात की थी। यह वैश्विक दक्षिण में अग्रणी लोकतंत्र है। जब दिशा तय करने की बात आती है वैश्विक बहस

और बड़ी चुनौतियों से निपटने के लिए, भारत को अक्सर आम सहमति निर्माता के रूप में माना जाता है, और यह सही भी है।

भारत और ग्रीस के बीच द्विपक्षीय संबंधों पर डाला प्रकाश

दोनों देशों में उच्च विकास दर पर प्रकाश डालते हुए, पीएम मित्सोटाकिस ने कहा कि आपसी निवेश भारत और ग्रीस के बीच द्विपक्षीय संबंधों का एक प्रमुख लक्ष्य है। उन्होंने कहा, भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। ग्रीस ने पिछले कुछ वर्षों में किसी भी यूरोपीय देश की तुलना में सबसे तेज विकास दर का आनंद लिया है। आपसी निवेश हमारे द्विपक्षीय संबंधों का एक प्रमुख लक्ष्य है और मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि हम पहले से ही ऐसा कर चुके हैं। भारत में खाद्य प्रसंस्करण, समुद्री और हवाई परिवहन, रसद सहित कई क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण यूनानी निवेश हैं।

ग्रीक पीएम को मिला गार्ड ऑफ ऑनर सम्मान

इससे पहले ग्रीक पीएम को मंगलवार राष्ट्रपति भवन में गार्ड ऑफ ऑनर सम्मान से भी नवाज़ा गया। कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि भारत पहले से ही ग्रीस के बुनियादी ढांचे में भारी निवेश कर रहा है। उन्होंने कहा, हमारे द्विपक्षीय व्यापार की मात्रा बढ़ रही है, लेकिन हम प्रधानमंत्री मोदी से सहमत हैं कि हमें और भी बहुत कुछ करने की जरूरत है और हमें 2030 तक इसे दोगुना करने का लक्ष्य निर्धारित करने की जरूरत है। इससे पहले, पीएम मोदी ने बुधवार को यहां यात्रा पर आए ग्रीक प्रधान मंत्री किरियाकोस मित्सोटाकिस के साथ एक सार्थक बैठक की। कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में हुई चर्चाओं ने भारत और ग्रीस के बीच द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने की साझा प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। बता दें कि भारत की दो दिवसीय यात्रा पर आए मित्सोटाकिस मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे और केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने उनका स्वागत किया।

विशेष रूप से, यह 15 वर्षों के बाद ग्रीस से भारत की पहली द्विपक्षीय राष्ट्र प्रमुख या सरकारी स्तर की यात्रा है। ग्रीस से भारत की आखिरी प्रधानमंत्री यात्रा 2008 में हुई थी। पीएम मोदी ने भी पिछले साल 25 अगस्त को एथेंस का दौरा किया था।

भारतीय छात्रा की हत्या करने वाले US के पुलिस अधिकारी पर नहीं चलेगा मुकदमा, नहीं मिला पर्याप्त सबूत

वाशिंगटन. भारतीय छात्रा जाह्नवी कंडुला को कार से टक्कर मारने वाले सिएटल पुलिस के अधिकारी पर पर्याप्त सबूतों के अभाव में कोई आपराधिक मुकदमा नहीं चलेगा। प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी है। फॉक्स13 सिएटल की खबर के मुताबिक किंग काउंटी के अभियोजक कार्यालय से बुधवार को बताया कि वे सिएटल के पुलिस अधिकारी केविन डेव के खिलाफ आपराधिक आरोप नहीं लगाएंगे।कंडुला (23) को पिछले साल जनवरी में सिएटल में सड़क पार करते हुए पुलिस के एक वाहन ने टक्कर मार दी थी जिससे उसकी मौत हो गयी थी। पुलिस की यह

गाड़ी डेव चला रहा था। वह अत्यधिक मादक पदार्थ के सेवन के मामले की एक सूचना मिलने के बाद घटनास्थल की ओर 119 किलोमीटर प्रति घंटे से भी अधिक रफ्तार से गाड़ी चलाकर जा रहा था। कंडुला को कार ने इतनी जोर से टक्कर मारी कि वह 100 फुट दूर जाकर गिरी थी।

सिएटल पुलिस विभाग द्वारा जारी 'बॉडीकैम' फुटेज में अधिकारी डेनियर ऑडरर को इस भीषण दुर्घटना को लेकर हंसते हुए देखा गया और उसने इसमें डेव की गलती होने की बात खारिज कर दी थी।

खबर में बताया गया है कि किंग काउंटी की अभियोजक अटॉर्नी लीसा मैनियन ने कहा कि उन्हें लगता है कि उनके पास आपराधिक मामले को साबित करने के लिए सबूतों का अभाव है।

बयान में यह भी कहा गया है कि अभियोजक कार्यालय ने यह भी पाया कि सिएटल के पुलिस अधिकारी ऑडरर द्वारा की गयी टिप्पणियां ''घटिया और काफी चिंताजनक'' हैं।

पाकिस्तान चुनाव में गड़बड़ी पर अमेरिका ने भी दी प्रतिक्रिया, कहा-पारदर्शी ढंग जांच होनी चाहिए

वाशिंगटन. पाकिस्तान के आम चुनाव में गड़बड़ी के आरोपों पर अमेरिका की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। अमेरिका ने कहा है कि पाकिस्तान में हाल में संपन्न आम चुनावों में ÷हस्तक्षेप या गड़बड़ी÷ के आरोपों की देश के कानूनों के तहत पारदर्शी तरीके से व्यापक जांच की जानी चाहिए। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने मंगलवार को यह टिप्पणी की।मिलर चुनाव में धांधली के संबंध में रावलपिंडी के पूर्व आयुक्त लियाकत अली चट्ठा द्वारा लगाए गए आरोपों से जुड़े एक सवाल का जवाब दे रहे थे। वरिष्ठ पाकिस्तानी नौकरशाह ने 17 फरवरी को आरोप लगाया था कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त और प्रधान न्यायाधीश आठ फरवरी को हुए चुनावों में गड़बड़ी में शामिल थे। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संसद में सबसे बड़े समूह के रूप में उभरने और सामने आए जनादेश के बारे में पूछे गए एक अन्य सवाल के जवाब में मिलर ने कहा, मैं पाकिस्तान के आंतरिक मामले में नहीं पड़ना चाहता...

US के डेनवर में मार्टिन लूथर किंग जूनियर के बड़े स्मारक में तोड़फोड़ व चोरी

वॉशिंगटन. अमेरिका में डेनवर शहर के सिटी पार्क में मार्टिन लूथर किंग जूनियर के एक बड़े स्मारक में तोड़फोड़ की गयी। पुलिस इस घटना की नस्लीय भेदभाव के पहलू से जांच कर रही है। 'द डेनवर पोस्ट ने एक खबर में बताया कि ''आई हैव ए ड्रीम स्मारक से संगमरमर और कांसे के कई सामान मंगलवार को चोरी कर लिए गए। चोरी किए गए सामान में कांसे की एक मशाल और देवदूत की आकृति तथा अश्वेत पूर्व सैन्यकर्मियों को दर्शाने वाला कांसे का पैनल शामिल है।'डॉ. मार्टिन लूथर किंग जूनियर कोलराडो होलीडे कमीशन के अध्यक्ष वर्न होवार्ड ने अखबार को बताया कि समुदाय के एक सदस्य ने बुधवार को उन्हें तोड़फोड़ की सूचना दी। उन्होंने कहा, ''आप चुरा सकते है। आप अपने साथ ले जा सकते हैं। आप उखाड़ सकते हैं। आप नफरत कर सकते हैं। आप डॉ. किंग और कमीशन के संदेश को विकृत करने के लिए हर वो चीज कर सकते हैं जो आपको जरूरी लगे।

होवार्ड ने कहा, ''हम सम्मान, काम करने, स्वतंत्रता, न्याय तथा नस्लवाद, घृणा और भेदभाव को खत्म करने की ओर आगे बढ़ना जारी रखेंगे। कलाकार एड ड्वाइट ने 2002 में यह स्मारक बनाया था।

इसमें मार्टिन लूथर किंग जूनियर की कांसे एक प्रतिमा और महात्मा गांधी, रोजा पार्क्स, सोजर्नर ट्रुथ और फ्रेडरिक डगलस की छोटी प्रतिमाएं हैं। डेनवर पुलिस इस घटना की जांच कर रही है।

नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान में वित मंत्री के नाम पर शुरू हुईं चर्चाएं, नवाज शरीफ तय करेंगे किसे मिलेगा कौन विभाग

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में मंगलवार देर रात सरकार बनाने के लिए नवाज शरीफ की पार्टी पीएमएल एन और बिलावल भुट्टो जरदारी की पार्टी पीपीपी के बीच समझौता हो गया। समझौते के तहत शहबाज शरीफ प्रधानमंत्री बनेंगे, जबकि बिलावल के पिता आसिफ अली जरदारी एक बार फिर से राष्ट्रपति बनेंगे। पीएमएल एन ने सरकार बनाने से पहले छोटे दलों के साथ बातचीत शुरू कर दी है ताकि जब जरूरत पड़े तो उनको भी साथ ले लिया जाए। वहीं वित्तमंत्री पद की जिम्मेदारी कौन संभालेगा इसे लेकर तरह - तरह की चर्चाएं शुरू हो गई है।

पाकिस्तान नकदी संकट से जूझ रहा है। देश को आइएमएफ से मौजूदा बेलआउट योजना की अंतिम किस्त प्राप्त नहीं हुई है। ऐसे में जो भी वित्त मंत्री बनेगा उसका सबसे पहली जिम्मेदारी इस काम को अंजाम देने की होगी।

यही कारण है पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज पार्टी के सामने वित्त मंत्री की नियुक्ति सबसे बड़ी चुनौती है। एक बेहद अनुभवी पूर्व बैंकर इशाक डार को वित्त मंत्री के रूप में नियुक्त करने और नया चेहरा लाने के बीच कठिन निर्णय का सामना करना पड़ रहा है। पीपीपी ने सार्वजनिक रूप से डार की उम्मीदवारी का विरोध किया है। हालांकि, अंतिम निर्णय पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ द्वारा किया जाएगा, जिन्होंने अभी तक अपनी पसंद के बारे में अपने विचार साझा नहीं किए हैं।29 फरवरी से शुरू होने वाले नेशनल असेंबली के सत्र में 133 सदस्यों के समर्थन वाला गठबंधन ही सरकार बना सकेगा। सबसे बड़े दल के रूप में पीएमएल एन सरकार बनाने के दावे के साथ सबसे आगे है और उसने शहबाज शरीफ को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया है।

अमेरिका दूसरी बार नाइट्रोजन गैस से तड़पा-तड़पा कर देगा मौत की सजा, पूरी दुनिया जता चुकी विरोध

अलबामा में मौत की सजा पाए एक दोषी को नाइट्रोजन गैस सुंघाकर सजा की तामील करने की तैयारी की जा रही है। राज्य में मौत की सजा की तामील के...

न्यूयार्कः अलबामा में मौत की सजा पाए एक दोषी को नाइट्रोजन गैस सुंघाकर सजा की तामील करने की तैयारी की जा रही है। राज्य में मौत की सजा की तामील के लिए नाइट्रोजन गैस का इस्तेमाल करने का पहला मामला एक माह पहले ही सामने आया था और इस प्रक्रिया से मृत्युदंड देने की काफी अलोचना भी हुई थी। अलबामा के अटॉर्नी जनरल स्टीव मार्शल के कार्यालय ने बुधवार को अलबामा के उच्चतम न्यायायल से दोषी एलन यूजीन मिलर के लिए सजा की तारीख तय करने का अनुरोध किया। अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने कहा कि मिलर को मौत की सजा नाइट्रोजन हाइपॉक्सिया के जरिए दी जाएगी।मिलर (59) को 1999 में बर्मिंघम में तीन लोगों की हत्या का दोषी ठहराया गया है। सजा के लिए तारीख तय करने का अनुरोध ऐसे वक्त में किया जा रहा है जब राज्य में इस तरीके से सजा-ए-मौत देने को लेकर अलग-अलग राय व्यक्त की जा रही हैं। दरअसल 25 जनवरी को पहली बार नाइट्रोजन गैस के जरिए केनेथ स्मिथ को मौत की सजा दी गई थी और वहां मौजूद लोगों का कहना था कि स्मिथ को कई मिनट तक झटके आते रहे और वह छटपटा रहा था। अटॉर्नी जनरल स्टीव मार्शल के कार्यालय ने कहा कि यह तरीका उपयुक्त है और कहा कि राज्य आगे भी मौत की सजा की तामील में नाइट्रोजन गैस का इस्तेमाल करेगा।उन्होंने स्मिथ को सजा दिए जाने के अगले दिन अन्य राज्यों को भी इस तरीके पर विचार करने का अनुरोध किया था। लेकिन मौत की सजा पाए एक अन्य दोषी की ओर से दायर वाद में नाइट्रोजन गैस का इस्तेमाल बंद करने का अनुरोध किया गया है। इसमें कहा गया कि मौके पर मौजूद लोगों का कहना है कि यह ''इंसान पर किए गए प्रयोग जैसा था और इसे सफल नहीं माना जा सकता। इस याचिका में कहा गया, ''पहले मानव प्रयोग के नतीजे अब आ गए हैं और वे दर्शाते हैं कि नाइट्रोजन गैस से न तो जल्दी दम घुटता है और न ही यह प्रक्रिया दर्द रहित है बल्कि यह अधिक पीड़ादायक और दर्दनाक है।

सिंध उच्च न्यायालय ने जताई नाराजगी, चुनाव के दिन इंटरनेट सेवाएं निलंबित करने का पूछा कारण

सिंध (पाकिस्तान)। सिंध उच्च न्यायालय (एसएचसी) ने 8 फरवरी को चुनाव के दिन इंटरनेट सेवाओं के निलंबन पर नाराजगी व्यक्त की है और संघीय सरकार से व्यवधान के कारण बताने को कहा है। इसकी जानकारी डॉन की रिपोर्ट में सामने आई है।एसएचसी के मुख्य न्यायाधीश अकील अहमद अब्बासी ने अधिकारियों को देश भर में इंटरनेट सेवाओं और सोशल मीडिया को बहाल करने का निर्देश देते हुए पूछा, ÷तुम दुनिया के सामने अपना तमाशा क्यों बना रहे हो?

इंटरनेट सेवाओं के निलंबन के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई

रिपोर्ट के मुताबिक, यह टिप्पणी तब आई जब अदालत ने बुधवार को इंटरनेट सेवाओं के निलंबन के खिलाफ तीन याचिकाओं पर सुनवाई फिर से शुरू की।वकील जिब्रान नासिर और हैदर रजा के साथ-साथ पाकिस्तान के पब्लिक इंटरेस्ट लॉ एसोसिएशन ने 8 फरवरी चुनाव तक सोशल मीडिया प्लेटफार्मों तक पहुंच में बाधा उत्पन्न करने और मोबाइल इंटरनेट और ब्रॉडबैंड सेवाओं में बाधा डालने के लिए मंत्रियों और पाकिस्तान दूरसंचार प्राधिकरण के खिलाफ याचिका दायर की थी।कार्यवाही शुरू होते ही जस्टिस अब्बासी ने कहा, जिस तरह से आपने चुनाव कराए, दुनिया भर में सभी ने इसे देखा। यहां तक कि अंतरराष्ट्रीय मीडिया भी दुनिया को बता रहा है कि चुनाव कैसे हुए।जनता समझती है कि कौन क्या कर रहा- जस्टिस अब्बासीउन्होंने कहा कि इंटरनेट यहाँ, वहाँ या कहीं भी काम नहीं कर रहा था और यह भी कहा कि सेवाएँ हर जगह बाधित थीं।न्यायाधीश ने टिप्पणी की, ऐसा मत करो, जनता समझती है कि कौन क्या कर रहा है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, ÷प्रेशर कुकर की सीटी को हल्के से बजने दें, जितना अधिक आप इसे दबाने की कोशिश करेंगे, विस्फोट उतना ही बड़ा होगा।जस्टिस अब्बासी ने पूछा, कौन राष्ट्रपति बनेगा, कौन प्रधानमंत्री बनेगा, किसे राज्यपाल पद मिलेगा; अगर ऐसा होना ही था तो चुनाव क्यों कराये गये?सुनवाई 5 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी गई।24 जनवरी को, एसएचसी ने एक अंतरिम निरोधक आदेश जारी किया,

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

दिल्ली मेट्रो फेज-4 पर बड़ा अपडेट, DMRC ने बनाया नया कमांड सेंटर; कैसे यात्रा को बनाएगा आसान

दिल्ली मेट्रो फेज-4 पर बड़ा अपडेट आया है। डीएमआरसी ने मेट्रो फेज चार के कॉरिडोर पर परिचालन सेवा की निगरानी और नियंत्रण के लिए नए परिचालन नियंत्रण कक्ष तैयार कर लिया है। इससे परिचालन पर नियंत्रण होगा।

नई दिल्ली. दिल्ली मेट्रो फेज चार का पहला चरण जुलाई से शुरू हो सकता है। जनकपुरी पश्चिम से आरके आश्रम कॉरिडोर पर करीब तीन किलोमीटर का हिस्सा खोला जाएगा। डीएमआरसी ने मेट्रो फेज चार के कॉरिडोर पर परिचालन सेवा की निगरानी और नियंत्रण के लिए नए परिचालन नियंत्रण कक्ष (ओसीसी) तैयार कर लिया है। मेट्रो प्रबंध निदेशक डॉ. विकास कुमार ने बुधवार को इसका उद्घाटन किया। इससे तीन कॉरिडोर के अलावा रेड लाइन (रिठाला से नया बस अड्डा गाजियाबाद) और येलो लाइन (गुरुग्राम से समयपुर बादली) कॉरिडोर पर परिचालन का भी नियंत्रण होगा। दिल्ली मेट्रो फेज चार में कुल 65.20 किलोमीटर के कुल तीन कॉरिडोर मौजपुर से मजलिस पार्क, एयरोसिटी से तुगलकाबाद और जनकपुरी पश्चिम से आरके आश्रम का निर्माण हो रहा है। इनमें अभी तक कुल 42 फीसदी से ज्यादा काम पूरा हो चुका है। तीनों कॉरिडोर को 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

पांच कॉरिडोर पर निगरानी होगी

मेट्रो फेज चार के लिए मेट्रो भवन में तीसरे तल पर बने नए ओसीसी से येलो और रेड लाइन का परिचालन किया जाएगा। अभी तक इसका परिचालन छठे तल पर बने ओसीसी से किया जाता था। इसके अलावा नए ओसीसी से मेट्रो फेज चार के तीन निर्माणाधीन कॉरिडोर की निगरानी होगी। इसके अलावा भविष्य में फेज चार के तीन कॉरिडोर जिन्हें मंजूरी नहीं मिली है, उसका काम पूरा होने के बाद भी उसकी निगरानी भी इसी से होगी।

ओसीसी से ऐसे काम होता है

एक एकीकृत ओसीसी स्थापित करने का मकसद केंद्रीकृत निगरानी और नियंत्रण सुनिश्चित करना है। मेट्रो नेटवर्क के 40 इंटरचेंज स्टेशनों के साथ, लाइन में खराबी के समय त्वरित निर्णय लेने में भी मदद करती है। किसी घटना के त्वरित समाधान की सुविधा प्रदान करती है। ओसीसी में मुख्य नियंत्रक, यातायात नियंत्रक, ट्रैक्शन पावर नियंत्रक, सिग्नलिंग नियंत्रक और सहायक प्रणाली नियंत्रक कार्यरत है, जो 24 घंटे काम करेगा।

मजलिस पार्क तक 44 फीसदी काम हुआ

दिल्ली मेट्रो फेज चार में कुल 65.20 किलोमीटर के कुल तीन कॉरिडोर मौजपुर से मजलिस पार्क, एयरोसिटी से तुगलकाबाद और जनकपुरी पश्चिम से आरके आश्रम का निर्माण हो रहा है।

इनमें अभी तक कुल 42 फीसदी से ज्यादा काम पूरा हो चुका है। मौजपुर से मजलिस पार्क के 12 किलोमीटर कॉरिडोर का 44 फीसदी से अधिक काम पूरा हो चुका है। तीनों कॉरिडोर को 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

चोरी करना था कार, पर नींद हो गई सवार; गाड़ी में सोते हुए पकड़ा गया चोर

फरीदाबाद. फरीदाबाद में कार चोरी करने आया एक चोर नींद की वजह से पकड़ा गया। एक स्कूल वैन को चोरी करने के लिए वह पूरा इंतजाम कर चुका था। लॉक तोड़कर ड्राइविंग सीट तक पहुंच गया था। लेकिन ऐन वक्त उसे ऐसी नींद लगी कि वहीं सो गया। सुबह वैन मालिक जब आया तो उसने सोते हुए चोर को पकड़ लिया।

मामला फरीदाबाद के कल्याणपुरी का है। यहां एक घर के बाहर खड़ी वैन के गेट का लॉक तोड़कर चोर अंदर दाखिल हो गया। लेकिन इससे पहले की वह कार को स्टार्ट करता और कहीं ले जाता उसकी आंखों पर इस कदर नींद हावी हुआ कि वह वहीं सो गया। सुबह वैन मालिक ने उसे देखा तो पकड़ लिया और पुलिस के हवाले किया।

पुलिस के अनुसार कल्याणपुरी में रहने वाला रवि ने स्कूल के लिए वैन चलाता है। वह बच्चों को रोज स्कूल से लेकर आता-जाता है। रात को वैन घर के सामने खड़ी की थी। सुबह जब वह वैन लेकर जाने की तैयारी कर रहा था तो अंदर देखा एक युवक को सीट पर लेटा देखा। गाड़ी के अंदर पार्ट्स खुले हैं। शक था कि युवक चोरी करने आया था। अत्यधिक नशा होने की वजह से वह अंदर सीट पर ही सो गया। पुलिस ने चोर को गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ करके यह पता लगाया जा रहा है कि क्या उसने पहले भी कार चोरी को अंजाम दिया है।

सरकारी स्कूलों में कब शुरू होंगे एडमिशन? कौन से दस्तावेज जरूरी

नई दिल्ली. सरकारी सर्वोदय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए नर्सरी से पहली कक्षा में दाखिले की प्रक्रिया एक मार्च से शुरू होगी। इसको लेकर शिक्षा निदेशालय की स्कूल शाखा की उप शिक्षा निदेशक डॉ. अनीता वत्स ने सर्कुलर जारी किया है। दिल्ली में रहने वाले बच्चे ही आवेदन के पात्र होंगे। सर्कुलर के अनुसार, दाखिले के लिए आवेदन फॉर्म स्कूल से मिलेंगे। इसे जमा करने के अंतिम तिथि 15 मार्च है। सुबह और सामान्य पाली के स्कूलों में सुबह साढ़े आठ से साढ़े 11 बजे और शाम की पाली वाले स्कूलों में दोपहर ढाई से शाम साढ़े पांच बजे तक आवेदन फॉर्म मिलेंगे।

ड्रॉप बॉक्स में फॉर्म डालना होगा

अभिभावकों को आवेदन फॉर्म भरकर और संबंधित दस्तावेज को स्कूल में लगे ड्रॉप बॉक्स में डालना होगा। आवेदन में कमी होने पर उसकी सूचना 19 मार्च को नोटिस बोर्ड पर दी जाएगी। इन कमियों को दूर करने के लिए अभिभावक 19 और 20 मार्च को स्कूल में संपर्क कर सकेंगे।

चयनित छात्रों की सूची 22 मार्च को चस्पा होगी

जरूरत पड़ने पर स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्य और अभिभावकों की उपस्थिति में 21 मार्च को ड्रॉ का आयोजन होगा। चयनित छात्रों की सूची नोटिस बोर्ड पर सुबह के स्कूलों में 22 मार्च को सुबह 11 बजे और शाम की पाली वाले स्कूलों में दोपहर तीन बजे चस्पा की जाएगी। चयनित उम्मीदवारों के दाखिले 23 मार्च से एक अप्रैल तक होंगे। अगर कोई सीट खाली बचेगी तो प्रतीक्षा सूची के दाखिले दो से लेकर छह अप्रैल के बीच होंगे।

ये दस्तावेज जरूरी

दिल्ली नगर निगम और स्थानीय निकाय द्वारा जारी जन्म प्रमाणपत्र, आंगनवाड़ी रिकॉर्ड

बच्चे का पासपोर्ट साइज का एक फोटो

निवास प्रमाण पत्र के लिए कोई भी दस्तावेज (राशन कार्ड, अभिभावक वोटर कार्ड, बिजली बिल, पानी बिल, फोन बिल, अभिभावक या बच्चे के नाम पर बैंक पासबुक, बच्चे या अभिभावक में किसी का आधार कार्ड)

जाति प्रमाणपत्र, यदि लागू हो

दाखिले के छह माह के अंदर बच्चे का टीकाकरण प्रमाण पत्र देना होगा

एलिवेटेड रोड पर रैश ड्राइविंग, पुलिस को देख बैक गियर में दौड़ाई कार, बॉलीवुड स्टाइल में ड्राइवर फरार

गाजियाबाद के एलिवेटेड रोड पर एक कार चालक ने बैक गियर में कार दौड़ाई। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में पुलिसकर्मियों को पीसीआर से पीछा करते हुए देखा जा सकता है।

ट्रांस हिंडन. गाजियाबाद के एलिवेटेड रोड पर बैक गियर में कार दौड़ाने और पुलिसकर्मियों द्वारा पीसीआर से पीछा करते हुए का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। हालांकि इस दौरान आरोपी कार चालक मौका देखकर फरार हो गया। पुलिस आरोपी चालक की तलाश कर रही है। हालांकि हिंदुस्तान वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता।

इंदिरापुरम पुलिस के मुताबिक रात 9.30 बजे पुलिस को सूचना मिली कि एलिवेटेड रोड पर एक कार चालक गलत तरीके से ड्राइविंग कर रहा है। मामला संज्ञान में आते ही पुलिस लाइन की पीसीआर पर तैनात पुलिसकर्मियों ने कनावनी कट के पास कार चालक को रोकने का प्रयास किया, लेकिन वह बैक गियर डालकर वाहन को पीछे की तरफ तेजी से ले भागा। पीसीआर पर तैनात पुलिसकर्मी भी उसे पकड़ने के लिए उलटी दिशा में उसका पीछा करने लगे, लेकिन कार चालक ने बहुत ही ज्यादा गलत तरीके से कार को ड्राइव किया, जिससे हादसा होते-होते टला।

आरोपी कार चालक की लापरवाही से कोई बड़ा हादसा ना हो इसी बात को ध्यान में रखते हुए पुलिसकर्मियों ने जैसे ही थोड़ी सी ढील दी, वैसे ही आरोपी कार चालक फरार हो गया। इंदिरापुरम पुलिस का कहना है कि पीसीआर पर तैनात पुलिसकर्मियों से उपरोक्त कार और चालक के बारे में बारे में पूछताछ की जा रही है। पहचान होने पर आरोपी चालक को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा।

एलिवेटेड रोड के सीसीटीवी खराब

इंदिरापुरम पुलिस का कहना है कि एलिवेटेड रोड पर लगे सीसीटीवी कैमरे खराब पड़े हैं। जिसके चलते उपरोक्त कार चालक किसी भी कमरे में कैद नहीं हुआ।

सिंघु बॉर्डर पर सबसे ज्यादा सख्ती, रोज मॉक ड्रिल कर रही दिल्ली पुलिस; किसान आंदोलन के चलते कड़े बंदोबस्त

नई दिल्ली. शंभू बॉर्डर के बाद सिंघु बॉर्डर पर बुधवार को सबसे ज्यादा सख्ती दिखाई दी। किसानों का दिल्ली में प्रवेश रोकने के लिए सीमा पर अर्धसैनिक बलों की भारी संख्या में तैनाती की गई है। सीमावर्ती इलाकों में भी मुस्तैदी बढ़ा दी गई है। पुलिस सिंघु बॉर्डर पर लगातार मॉक ड्रिल कर रही है। इसके साथ ही सुरक्षा तैयारियों को भी परखा जा रहा है ताकि यह पता लगाया जा सके कि किसानों को रोकने के लिए बनाया गया सुरक्षा घेरा कितना कारगर है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि दिल्ली-हरियाणा सीमा पर कई लेयर का सुरक्षा घेरा बनाया गया है।

दिल्ली पुलिस किसानों को सीमाओं पर ही रोकने के लिए तैयार है। सुरक्षा कर्मियों को एक भी प्रदर्शनकारी को राजधानी में प्रवेश करने की अनुमति नहीं देने का निर्देश दिया गया है। इसके मद्देनजर ही पुलिस लगातार सीमावर्ती इलाकों खासतौर से सिंघु बॉर्डर वाले इलाके में मॉक ड्रिल कर रही है। यहां पर आंसू गैस के 30 हजार गोलों का भंडारण किया गया है।

राहगीरों को दिक्कत

सुरक्षा बंदोबस्त के कारण सुबह सात बजे से करीब 11 बजे तक रजोकरी सीमा, सरहौल सीमा, दिल्ली-गुरुग्राम राजमार्ग (एनएच-48) और दिल्ली-बहादुरगढ़ राजमार्ग जैसे स्थानों पर लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। वाहनों की आवाजाही पर पाबंदी होने के कारण दिल्ली-गुरुग्राम और दिल्ली-बहादुरगढ़ सड़कों पर लोग काफी परेशानी हुई। बैरिकेडिंग से भी सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं।

'एक के लायक नहीं' तो कांग्रेस को AAP ने कैसे दीं 3 सीटें, बदले में क्या मिला

नई दिल्ली. लोकसभा चुनाव नजदीक आने के साथ 'इंडिया' गठबंधन में सीट शेयरिंग पर बात बनती दिख रही है। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस और सपा के बीच सीट बंटवारे के बाद अब आम आदमी पार्टी के साथ भी डील फाइनल होती दिख रही है। सूत्रों के मुताबिक, दोनों दलों के बीच दिल्ली में 4-3 फॉर्मूले पर बात बन गई है। कांग्रेस और आप की दोस्ती पंजाब को छोड़कर तीन राज्यों में दिखेगी।

कांग्रेस और आप के बीच सीट बंटवारे की औपचारिक घोषणा गुरुवार शाम या शुक्रवार तक होने की संभावना है। सूत्रों की मानें तो दिल्ली में कांग्रेस और आप के बीच चार-तीन पर सहमति बन गई है। आप चार सीट पर लड़ेगी तो कांग्रेस को 3 सीटें देने का फैसला लिया गया है। कांग्रेस पूर्वी दिल्ली, उत्तर-पूर्वी दिल्ली और चांदनी चौक से चुनाव लड़ेगी तो 'आप' पश्चिमी दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली, नई दिल्ली और दक्षिणी पश्चिमी सीट पर उम्मीदवार उतारेगी।

कैसे आप ने बदला अपना ऑफर

इससे पहले आम आदमी पार्टी ने ऐलान कर दिया था कि वह दिल्ली में कांग्रेस को महज एक सीट दे सकती है। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संदीप पाठक ने तो प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए यहां तक कह दिया था कि आंकड़े कांग्रेस को एक भी सीट देने लायक नहीं हैं, लेकिन गठबंधन धर्म का पालन करते हुए एक सीट दी जाएगी। उन्होंने विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को मिली शून्य सीट का भी जिक्र किया था। हालांकि, आप के इस तेवर के बाद भी कांग्रेस के नेता चुप्पी साधे रहे और बातचीत का क्रम आगे बढ़ाया गया। माना गया कि 'आप' ने 'प्रेशर गेम' के तहत इस तरह का ऐलान किया था। दिल्ली में तीन सीट के बदले क्या मिला

आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में कांग्रेस को तीन सीटें देने का फैसला किया है तो बदले में गुजरात से हरियाणा तक हिस्सेदारी हासिल की है। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस गुजरात में आम आदमी पार्टी को 2 सीट देने पर राजी हुई है। हरियाणा में भी उसे एक सीट पर लड़ने का मौका दिया जाएगा। पंजाब में भले ही दोनों दल अलग लड़ेंगे, लेकिन चंडीगढ़ में कांग्रेस के उम्मीदवार को 'आप' समर्थन देगी। इससे पहले दोनों दल के साथ आने से चंडीगढ़ में'आप' का मेयर बन चुका है। खबर है कि साउथ गोवा सीट से आम आदमी पार्टी ने अपनी उम्मीदवारी पीछे लेने का फैसला किया है।

कांग्रेस का गढ़ रही है दिल्ली

पिछले एक दशक में भले ही दिल्ली में कांग्रेस को बेहद मुश्किल परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा हो। लेकिन देश की सबसे पुरानी पार्टी का यह बेहद मजबूत गढ़ रहा है। 2014 और 2019 में भले ही कांग्रेस एक भी सीट जीतने में कामयाब नहीं रही, लेकिन 2009 में उसने सातों सीटों पर कब्जा जमाया था। राजनीति में 'आप' की एंट्री से पहले विधानसभा में भी लगातार 15 सालों तक कांग्रेस की सरकार रही। पिछले लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस वोट शेयर के मामले में 'आप' से आगे रही थी। कांग्रेस ने 22.50 फीसदी वोट पर कब्जा जमाया था तो आप को 18.10 फीसदी वोट मिले थे। भाजपा ने 56 फीसदी वोट लेकर सभी सीटों पर कब्जा कर लिया था।

द्वारका की हाईराइज बिल्डिंग में भीषण आग, चौथी मंजिल से कूदीं दादी-पोती

नई दिल्ली. द्वारका सेक्टर-10 स्थित छह मंजिला इमारत की चौथी मंजिल में बुधवार दोपहर को भीषण आग लग गई। बचने के लिए 82 वर्षीय बुजुर्ग महिला अपनी पोती के साथ चौथी मंजिल से कूद गई। इसमें वृद्धा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 30 वर्षीय पोती की हालत स्थिर बनी हुई है। द्वारका साउथ थाना पुलिस के अनुसार फ्रिज में विस्फोट होने से आग लगने की बात सामने आई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पैसिफिक सोसायटी की चौथी मंजिल पर 65 वर्षीय महेश आनंद अपनी बुजुर्ग मां जसुली देवी के साथ रहते हैं। आईडीबीआई बैंक से रिटायर महेश आनंद की पत्नी की पहले ही मौत हो चुकी है। उनकी बेटी पूजा पंत सॉफ्टवेयर इंजीनियर है और जापान में रहती है। दादी और पिता से मिलने के लिए वह जनवरी में दिल्ली आई और यहीं से वर्क फ्रॉम होम कर रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि दोपहर 11 बजे महेश आनंद पार्क में धूप सेकने चले गए। वह जाने से पहले दरवाजे का सेंट्रल लाक लगाकर गए थे। इसकी एक चाबी उनकी बुजुर्ग मां के पास रहती है। इसी दौरान फ्रिज के कम्प्रेसर में शॉर्ट सर्किट के कारण विस्फोट हो गया और तीन कमरों के फ्लैट में आग लग गई। जांच में सामने आया कि घबराहट में बुजुर्ग को चाबी नहीं मिली। वह पोती के साथ बालकनी पर पहुंच गईं और लोगों से जान बचाने की गुहार लगाने लगीं। परिजनों ने बताया कि पूजा पंत की हालत स्थिर बनी हुई है। उनकी सॉफ्टवेयर इंजीनियर योगेश भट्ट से शादी हुई है। वे दोनों जापान में रहते हैं। कोविड के दौरान पूजा की मां की मौत हो चुकी थी। एक दुर्घटना में पूजा की बहन की भी मौत हो गई थी। अब इस हादसे में उन्होंने दादी को खो दिया। दमकल के अधिकारी ने बताया कि करीब 1222 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। दमकल की छह गाड़ियां रवाना की गईं। करीब 15 मिनट में दमकल के वाहन मौके पर पहुंच गए

NAME CHANGE
I, SHABDDITA W/O Wg. Cdr SANDEEP SINGH (Service No. 28951-L) R/o P-22/12, TARAPORE ENCLAVE, NANGAL DEWAT, VASANT KUNJ, NEW DELHI-110070 have changed my name to SHABDDITA SINGH for all purposes.

NAME CHANGE
I, bhawna d/O GOPAL SINGH BISHT residing at C-266, DEFENCE COLONY, NEW DELHI-110024 have changed my name to BHAWNA BISHT for all future purposes

NAME CHANGE
I, K REDDEPPA REDDY father of NO-15330078L Rank- HAV Name- K KRUPAKAR REDDY R/O HOUSE NO. 1-21, VILL- JARAVARIPALLI, POST-KURMAI, TEH-PALAMANER, DIST-CHITTOOR, ANDHRA PRADESH-517408, have changed my name from K REDDEPPA REDDY to KOTHAPALLI REDDEPPA REDDY for all future purposes vide Affidavit Dated 04/11/2023 before Notary Public, Andhra Pradesh.

NAME CHANGE
I SHAMIM AKHTAR W/O MASHHOOD ALAM R/O B-31, STREET NO.7, KALINDI KUNJ ROAD, SHAHEEN BAGH, JAMIA NAGAR, DELHI-110025, HAVE CHANGED MY NAME TO SHEEBA MASHHOOD ALAM FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
I, hitherto known as ATUL S/o RAMESH YADAV residing at House No. RZ A-97, Gali No. 2, Sita Puri Part 2 , VTC -Dabri, Palam Village , Najafgarh, South West, Delhi - 110045 have changed my name and shall hereafter be known as ATUL YADAV.

NAME CHANGE
It is for general information that I, GAURAV RAUTELA S/o BHOPAL SINGH RAUTELA, R/o 1/222, Second Floor, Golden Colony, Near Morden School, Sector-1, Vaishali, I.E. Sahibabad, Ghaziabad-201010, Uttar Pradesh declare that name of mine and my father has been wrongly written as GAURAV and BHOPAL SINGH in my 10th and 12th educational Documents. The actual name of mine and my father are GAURAV RAUTELA and BHOPAL SINGH RAUTELA, respectively which may be amended accordingly

NAME CHANGE
I, NO-16019592M Rank-(TS) NK Name- RAJ KUMAR SINGH S/O VIRENDRA SINGH residing at VILL-PURE JORAWAR (RAMPUR KALAN), PO-RAMPUR KALAN, DISTT-RAEBARELI, U.P-229216 have changed my minor daughter's name from SACHI to SACHI SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 22/02/2024 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, SAKTI PADA RAUL Father of No. 15750870M Rank-SIGMN Name-JOYDEV RAUL presently residing at VILL-KIRTTIPUR, PO-ERENDA, TEH-EGRA-II, DIST-EAST MIDNAPORE, WEST BENGAL-721429 have changed my name from SAKTI PADA RAUL to SHAKTIPADA RAUL for all future purposes vide affidavit dated 22/02/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Bhuwan Rawat S/o Sh. Jeet Singh Rawat R/o A-16B, Street No.3, East Vinod Nagar, Delhi- 110091, That I hereby declare that Bhuwan Chander Singh and Bhuwan Rawat both are names belong the same and one person.That my actual and correct name is Bhuwan Rawat.

NAME CHANGE
I, PASI RAMSHANKAR father of No-18022748W Rank-NK, Name-PASI ARVIND RAMSHANKAR residing at SA-35, SHUBHAS NAGAR, NEAR NOBAL NAGAR, AHMEDABAD, GUJARAT-382340 have changed my name from PASI RAMSHANKAR to RAMASHANKAR VISHWANATH PASVAN for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 12/05/1956 instead of my correct date of birth as 10/09/1970 Vide Affidavit dated 22/02/2024 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, D REVATHI Wife of No. 15324441A Rank-HAV Name-M DURAI MURUGAN presently residing at 25/5, INDHIRA NAGAR, VILL-VELLAIKULAM, PO-PUNGANUR, TEH-ARCOT, DIST-VELLORE, TAMIL NADU-632507 have changed my name from D REVATHI to REVATHI S for all future purposes vide affidavit dated 22/02/2024 before Notary Public, Delhi.

Name correction
I, Service No.15712267A Rank HAV, RAMAKANT KATARE S/O Late MAHESH KUMAR R/O VILL. MEHADA POST.MEHADA DIST.BHIND STATE.MADHYA PRADESH PIN.477335 presently posting at FORCE SIGNAL UNIT (UNMISS) 274 T/CAMP, KHANPUR C/O 56APO NEW DELHI-110062 declare that in my service record my Wife name has been previously mentioned wrongly as RADHA SHARMA which is incorrect. That my Wife correct name is RADHA KATARE as per Aadhar Card No. 285033620764 .That I declare that RADHA SHARMA & RADHA KATARE both are same one person.

NAME CHANGE
I Himani Sharma W/o Shri Prateek Mehta R/o D-074 New Town Heights Sector 9 Meoka(121) Gurgaon, Haryana 122505 Have Changed My Name from Himani Shamra to Himani Sharma for All Future Purpose.

NAME CHANGE
I PARHLAD SINGH S/O CHHATTAR SINGH R/O H.N0-59, POLICE LINE, SECTOR-30, FARIDABAD HARYANA-121003 HAVE CHANGE MY NAME TO PARHLAD KUMAR FOR ALL PURPOSE.

NAME CHANGE
I, VIKAS CHAND JAIN S/O SURESH CHAND JAIN residing at H NO-4B/49, SECOND FLOOR, OLD RAJENDER NAGAR, DELHI-110060 have changed my name to VIKAS JAIN for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Meenu W/o Anoop Bharti Residing at H. No 378, Gali No. 14, Laxmi Nagar, Shakarpur, Delhi-110092 Have Changed My Name to Madhvi Bharti for All Future Purposes.

NAME CHANGE
I GEETA, W/O SH. RAMESH KUMAR R/O BLOCK NO. 1,HOUSE NO. 93,AMBEDKAR NAGAR, DAKSHIN PURI, NEW DELHI-110062, HAVE CHANGE MY NAME TO GEETA DEVI FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I, ALTAF MOHAMMAD S/O ABDUL HAMID Residing at H NO-S-26 STREET NO-23 BRAHAMPURI DELHI 110053 have changed my name to ALTAF MOHD for all future purpose.

NAME CHANGE
I RAJ KUMAR s/O GORDHAN DAS VERMA residing at C-5/155 YAMUNA VIHAR DELHI-110053 have changed my name to RAJ KUMAR VERMA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, KHUSHBU KUMARI W/O RANDHIR KUMAR SINGH residing at 11/48, 2ND FLOOR, SEC-3, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201001 have changed my name to KHUSHBOO SINGH for all future purposes

PUBLIC NOTICE
MY CLIENT, UDAIBHAN, S/O SH. RAMAN PRASAD, R/O WZ-E-932, GALI NO.14, A/3, SADH NAGAR, PALAM COLONY, SOUTH-WEST DELHI, NEW DELHI-110045, DO HEREBY DISOWNS HIS WIFE-SMT. SHEELA DEVI AND SON-ASHISH KUMAR AND SON-MANISH KUMAR WITH IMMEDIATE EFFECT, FROM HIS ALL MOVEABLE AND IMMOVEABLE PROPERTIES AND HE HAS ALSO SEVERED HIS ALL RELATIONS FROM THEM WITH IMMEDIATE EFFECT BECAUSE OF MISBEHAVIOUR, HARASSMENT, THREATS, COERCION, ILLEGAL DEMANDS AND CRUELTY ON THE PART OF ABOVE NAMED SMT. SHEELA DEVI, ASHISH KUMAR AND MANISH KUMAR TOWARDS MY CLIENT. THEY WILL HAVE NO RIGHT TO ENTER IN THE PROPERTIES OWNED BY MY ABOVE NAMED CLIENT. IF ANY PERSON DEALS WITH THEM, SHALL DO AT THEIR OWN RISK AND MY ABOVE NAMED CLIENT WILL NOT BE RESPONSIBLE, IN ANY MANNER, WHATSOEVER, WITH THE SAID DEAL
SUSHEEL KUMAR TIWARI
ADVOCATE
CH. NO.835, 8TH FLOOR,
DWARKA DISTRICT COURTS,
SECTOR-10,
NEW DELHI-110075.

सूचना
व्यापक रूप से जनता को सूचित किया जाता है कि मेरी ग्राहक श्रीमती आशा देवी दुकान नंबर 145, क्षेत्रफल 8.66 वर्ग गज, वार्ड नंबर 6, पुरानी सब्जी मंडी जो ओल्ड फरीदाबाद, जिला फरीदाबाद की राजस्व संपत्ति के भीतर स्थित है हरियाणा की मालिक हैं। बिक्री विलेख दिनांक 29.12.2023 के माध्यम से (1) श्री मनोज कुमार (2) श्री साधना द्वारा श्रीमती आशा देवी के पक्ष में निष्पादित किया गया। ष्ठश्ष. ह्श. 10974, दिनांक 29.12.2023. (SRO-फरीदाबाद), प्रारंभ में, श्री बलदेव राज को डिक्री के आधार पर ओल्ड सब्जीमंडी, ओल्ड फरीदाबाद में स्थित दुकान नंबर 144/145 के विशिष्ट नंबर 145 के BCDEGH द्वारा चिह्नित लाल हिस्से के मालिक के रूप में बताया गया था (दिनांक 21.09.2006 को मुकदमा संख्या 445) दिनांक 08.09.2006 श्री अनुभव शर्मा, एचसीएस, सिविल जज, जूनियर डिवीजन, फरीदाबाद के माननीय न्यायालय द्वारा श्रीमती उषा ढींगरा बनाम श्री बलदेव राज के रूप में पारित किया गया था। जिनकी और उनकी पत्नी श्रीमती शीला देवी की मृत्यु कानूनी उत्तराधिकारियों (1) श्री मनोज कुमार, (2) श्रीमती साधना और (3) श्रीमती भावना को छोड़कर हुई, इसके बाद मौखिक समझौता हुआ सभी कानूनी उत्तराधिकारी के बिच और दुकान नंबर 144 श्रीमती भावना के हिस्से में आई और दुकान नंबर 145 (1) श्री मनोज कुमार (2) श्रीमती साधना के हिस्से में आई। अंत में, (1) श्री मनोज कुमार (2) श्रीमती साधना ने उक्त दुकान को बिक्री विलेख दिनांक 29.12.2023 द्वारा मेरे उपरोक्त ग्राहक को बेच दिया, जो अपनी वास्तविक आवश्यकताओं के लिए उक्त अचल संपत्ति को आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के पास गिरवी रखना चाहते हैं। जिस किसी को भी उक्त बंधक पर कोई आपत्ति है या किसी का उक्त संपत्ति पर दावा या अधिकार या हित है, तो वह 7 दिनों के भीतर आपत्ति के साथ अधोहस्ताक्षरी से संपर्क करेगा, ऐसा न करने पर यह माना जाएगा कि इस संपत्ति पर कोई आपत्ति या दावा नहीं है।
नई दिल्ली
दिनांक: 22/2/2024
प्रज्ञा भूषण वकील
Enrl No. D/721/02
कार्यालय: L-27,GF, कैलाश कालोनी,
नई दिल्ली-48 Mob: 9968006418

NOTICE
Public at large is hereby informed that AS Hosiery is the owner of Entire Second Floor Without Roof Rights, Property No.97, Block-2, (known as Prop. No.2/97) bearing Municipal No.11105, area measuring 215.83 sq.yds., situated in the layout plan of Northern City/ Extension Scheme No.II, Subzimandi, presently known as Roop Nagar, Delhi vide Sale Deed dated 30/04/2015 executed by (1) Sh. Dinesh Suri & (2) Sh. Manish Suri Ss/o Late Sh. M.P. Suri in favour of Sh. Ajay Gupta S/o Sh. Chander Bhan Gupta (Doc No. 3561, Book No. 1, Vol No. 5732, Pages 109-117, SR- I, Delhi) (Entire Second Floor without roof rights of Plot No. 2/97, area measuring 215.83 sq.yds.) Initially, Letter dated 06/04/1946 issued by Delhi Improvement Trust in favour of Sh. Man Singh in respect of Land area measuring 26813.8 sq. yds. and Conveyance Deed by POI in favour of Sh. Man Singh in respect of Land area measuring 26813.8 sq. yds., who executed Sale Deed dated 23/05/1956 in favour of Smt. Radha Devi w/o Sh. Nanak Chand, who died leaving behind WILL dated 05/12/1977 in favour of Sh. Nanak Chand Gupta Thereafter, Sh. Nanak Chand Gupta adopted a boy Sh. Mahesh Kumar vide Deed of Adoption dated 04/06/1979, Later Sh. Nanak Chand Gupta also died leaving behind his last WILL dated 14/06/1979 executed by Sh. Nanak Chand Gupta in favour of his adopted son Sh. Mahesh Kumar, who executed Sale Deed dated 05/08/2014 in favour of (1) Sh. Dinesh Suri & (2) Sh. Manish Suri Ss/o Late Sh. M.P. Suri in respect of said floor (Doc No. 7030), who finally executed Sale Deed dated 30/04/2015 in favour of our abovementioned client who intends to mortgage the said immovable property for bonafide requirements to HDFC BANK LTD. Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections.
NEW DELHI
DATE: 22/2/2024
PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE
Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी श्रीमती सरिता पत्नी श्री भीम सिंह, फ्रीहोल्ड आवासीय प्लॉट नंबर 29 की मालिक हैं, क्षेत्रफल 85 वर्ग गज, खसरा नंबर 995, ग्राम अच्छेजा परगना और तहसील दादरी जिले में एक्सोटिका कॉलोनी चरण- II में स्थित है। गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश। सेल डीड के आधार पर दिनांक 05.12.2020 को दस्तावेज़ संख्या 23691, खंड संख्या 16408 पृष्ठ संख्या 355-378 एसआर-दादरी, श्रृंखला में नीचे उल्लिखित दस्तावेज़ उपलब्ध नहीं हैं यानी स्वर्गीय श्री खड़क सिंह की एसएमसी, अब हमारा ग्राहक यह घोषणा कर रहा है कि उक्त संपत्ति पर किसी अन्य व्यक्ति का कोई अधिकार नहीं है, और संपत्ति श्री स्वराज चौधरी के नाम से बिकने जा रही है और इसे पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखा शाहदरा, दिल्ली 110095 द्वारा वित्तपोषित किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकारझ्स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010,
Contact at-09958871432

ठेकेदार ने स्टेडियम की मिट्टी बेची, करोड़ों का घोटाला!

चंडीगढ. बादली से कांग्रेस विधायक कुलदीप वत्स वे प्रश्नकाल के दौरान सिलाना गांव में बनाए जा रहे स्टेडियम पर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि ठेकेदार द्वारा स्टेडियम की मिट्टी को बेच दिया गया। 8 से 10 करोड़ रुपए की मिट्टी बेची है। स्टेडियम से 20 से 25 फुट गहराई तक मिट्टी निकाली गई है। सीएम की ओर से जवाब देते हुए प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी राज्य मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि दो महीने में स्टेडियम का निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा। कुलदीप वत्स द्वारा ठेकेदार पर लगाए गए आरोपों की लिखित में शिकायत करने की बात संदीप सिंह ने कही। उन्होंने कहा, शिकायत आने के बाद सरकार इस पूरे मामले की जांच करवाएगी। उन्होंने कहा कि 8 खेलों के लिए कोर्ट तैयार हो चुके हैं। तीन तरह की चारदीवारी की जा चुकी है। एक साइट में काफी गहराई होने की वजह से विभाग ने दीवार की बजाय वहां तारें लगवाने का निर्णय लिया है।

अम्बाला में बनेगा हॉकी का सिंथेटिक टर्फ : हरियाणा सरकार द्वारा अम्बाला सिटी स्थित राजीव गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में हॉकी के लिए सिंथेटिक टर्फ बिछाया जाएगा। पिछले दिनों मुख्यमंत्री के जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान इसकी मांग उठी थी। अंबाला सिटी विधायक असीम गोयल नन्योला ने विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान यह मामला उठाया। सीएम ने बताया कि खेल विभाग के पास यह प्रोजेक्ट विचाराधीन है।

प्रदेश के 662 निजी अस्पतालों में उपचार करवा सकेंगे गरीब

चंडीगढ़. हरियाणा सरकार ने प्रदेशभर में 662 प्राइवेट अस्पतालों को अपने पैनल पर लिया हुआ है। ये वे अस्पताल हैं, जिनमें आयुष्मान भारत-हरियाणा तथा 'चिरायु' योजना के लाभार्थियों को मुफ्त उपचार की सुविधा मिलती है। आयुष्मान भारत योजना में कवर परिवारों को सालाना पांच लाख रुपए तक मुफ्त उपचार की सुविधा है। 1 लाख 80 हजार तक सालाना आय वाले सभी परिवारों को सरकार न इसमें शामिल किया है। वहीं 1 लाख 80 हजार से 3 लाख रुपए तक सालाना आय वाले परिवारों 1500 रुपये प्रीमियम लेकर चिरायु योजना में कवर हो सकते हैं। एनआईटी विधायक नीरज शर्मा के सवाल पर स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार ने अम्बाला में 43, भिवानी में 31, दादरी में 21, फरीदाबाद में 20, फतेहाबाद में 19, गुरुग्राम में 27, हिसार मं 77, झज्जर में 28, जींद में 18, कैथल में 16, करनाल में 45, कुरुक्षेत्र में 32, महेंद्रगढ़ में 26, मेवात में 2, पलवल में 12, पंचकूला में 13, पानीपत में 54, रेवाड़ी में 22, रोहतक में 36, सिरसा में 52, सोनीत में 35 तथा यमुनानगर में 35 प्राइवेट अस्पतालों को सूचीबद्ध किया है, जिनमें आयुष्मान व चिरायु लाभार्थियों का उपचार हो सकता है।

12 लाख किसानों के खाते में जमा करवाए 88 हजार करोड़ : नायब सैनी

कुरुक्षेत्र. भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं सांसद नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने मेरी फसल-मेरा ब्योरा पोर्टल के तहत 12 लाख किसानों के खातों में पिछले 8 सीजन में सीधे 88 हजार करोड़ रुपए की राशि जमा करवाई है। प्रदेश के किसानों की एमएसपी पर 14 फसलों की खरीद करने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हमेशा किसानों के हित की बात की है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सम्मान किसान निधि योजना के तहत हरियाणा में 19 लाख 95 हजार किसानों के खातों में 4970 करोड़ रुपए की राशि जमा करवाई जा चुकी है। इसके अलावा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 29 लाख 45 हजार किसानों को 7670 करोड़ रुपए का बीमा क्लेम भी दिया जा चुका है। सरकार की मेरा पानी-मेरी विरासत योजना के तहत 1 लाख 74 हजार 464 एकड़ क्षेत्र में धान की जगह वैकल्पिक फसल उगाई, 7 हजार रुपए प्रति एकड़ की दर से 133 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता भी उपलब्ध करवाई है। प्रदेश सरकार ने किसानों के हित

को जहन में रखते हुए शाहबाद शुगर मिल में 99 करोड़ रुपए से इथनॉल प्लांट स्थापित किया है। सरकार ने 19 करोड़ 60 लाख की लागत से लाडवा में इंडोर-इस्राइल प्रोजेक्ट के तहत सब-ट्रॉपिकल फल केंद्र की स्थापना की है। बाबैन व शाहाबाद अनाज मंडी में 2 करोड़ की से किसान विश्राम गृह बनाए हैं।

बागवानी किसानों को 38 करोड़ 99 लाख का अनुदान

सैनी ने कहा कि बागवानी करने वाले किसानों को 38 करोड़ 99 लाख रुपए की राशि अनुदान के रूप में जारी की जा चुकी है। इतना ही नहीं भूमिगत पाइप लाइन व जिप्सम के लिए 11.45 करोड़ की राशि अनुदान के रूप में दी गई है, पिहोवा में 5 करोड़ 42 लाख रुपए की लागत से किसान सेवा सदन का निर्माण, नयी अनाज मंडी इस्माईलाबाद की 6 करोड़ 35 लाख रुपए की लागत से विशेष मरम्मत व अपग्रेड का कार्य किया गया।

पिहोवा में 32 लाख 88 हजार रुपए की लागत से पशु अस्पताल के नए भवन के निर्माण को मंजूरी भी दी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने किसानों को फसलों का उचित भाव देने और फसल खराबे का मुआवजा देने के लिए अनेक योजनाओं को अमलीजामा पहनाने का काम किया। सरकार ने प्राकृतिक आपदा से फसलें नष्ट होने पर प्रति एकड़ 15 हजार रुपए का मुआवजा देने का काम किया है।

कौशल रोजगार निगम में अब जिले से बाहर नौकरी नहीं

चंडीगढ. हरियाणा कौशल रोजगार निगम द्वारा कांट्रेक्ट पर की जा रही भर्तियों में अब सरकार ने बड़ा बदलाव किया है। निगम के जरिये नौकरियों में आने वाले युवाओं को गृह जिला से बाहर पोस्टिंग नहीं दी जाएगी। इतना ही नहीं, कोई भी युवा अगर अपने जिले से बाहर जाकर नौकरी करना चाहेगा तो उसे इसका मौका नहीं मिलेगा। अन्य जिलों में कांट्रेक्ट की नौकरी लेने के बाद बदली की कोशिशों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने यह कदम उठाया है।

निगम के जरिये दी जा रही भर्तियों पर विपक्ष के सवालों का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बुधवार को विधानसभा में इसका खुलासा किया। उन्होंने कहा, सेम ब्लाक में नौकरी के लिए युवाओं को 10 और साथ लगते ब्लाक में नौकरी के लिए पांच अंकों का लाभ मिलेगा। उसी जिले में नौकरी में किसी तरह के अतिरिक्त अंक नहीं दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि विपक्ष द्वारा इन नौकरियों का लेकर भ्रम फैलाया जा रहा है। सरकार ने वेतन के लिए चार लेवल तय किए हैं। लेवल-1 से 4 तक के हिसाब से वेतन तय होता है। उन्होंने कहा कि ठेकेदारी प्रथा को खत्म करने के लिए निगम का गठन किया गया। विभिन्न विभागों व बोर्ड-निगमों में ठेकेदारों के माध्यम से लगे 1 लाख 8 हजार युवाओं को निगम के अधीन लाया जा चुका है। 18 हजार के करीब नई भर्तियां सरकार ने निगम के माध्यम से की है।

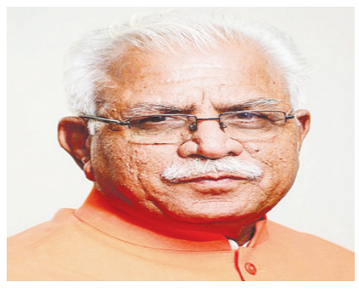

निगम में आने के बाद उनका वेतन समय पर मिलता है। ईपीएफ और ईएसआई के लिए श्रम बोर्ड के लाभ उन्हें दिए जाते हैं। आकस्मिक और मेडिकल अवकाश का भी प्रबंध किया है। उन्होंने कहा कि अगर भर्ती प्रक्रिया में किसी तरह का बदलाव भी करना है तो निगम अथॉरिटी तीन महीने पहले बदलाव करेगी। बदलाव करके उसे पब्लिक किया जाएगा। लोगों के सुझाव और आपत्तियों को दूर किया जाएगा। इसके बाद नये नियम लागू होंगे। रोहतक विधायक बीबी बत्तरा ने निगम की नौकरियों में एससी-बीसी को आरक्षण नहीं देने का आरोप लगाया। सीएम ने कहा, पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण मिलता है, जबकि वर्तमान में निगम के जरिये लगे कर्मियों में पिछड़ा वर्ग की संख्या 30 प्रतिशत से अधिक है। इसी तरह अनुसूचित जाति के लिए बीस प्रतिशत आरक्षण होता है। वहीं निगम में वर्तमान 21 प्रतिशत से अधिक आरक्षण मिला हुआ है। गोहाना विधायक जगबीर सिंह मलिक ने कहा कि ठेकेदारों ने कई विभागों से कर्मचारियों को हटाकर नये रख लिए हैं। इस पर सीएम ने कहा, इसकी जांच करवाई जाएगी। पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा, अब तो सरकार ही ठेकेदार बन गई है। कांट्रेक्ट की नौकरी की मतलब ठेकेदारी ही है। वहीं सीएम ने कहा कि सरकार ने प्राइवेट कंपनियों को भी निगम के साथ कनेक्ट किया है।

प्रोफेशनल पदों के लिए अलग वेतन

पिछले दिनों प्रदेश में हुई पटवारियों की हड़ताल के बीच सरकार ने 1200 पटवारियों की भर्ती निगम के जरिये करने का ऐलान कर दिया था। इस पर सवाल उठाते हुए बीबी बतरा ने कहा, अगर सरकार तकनीकी पदों पर भी ऐसी ही भर्ती करेगी तो विभागों का भट्ठा बैठ जाएगा। मनोहर लाल ने कहा, प्रोफेशनल पोस्ट अगर कोई है तो उसके लिए वेतन स्ट्रक्चर भी अलग है। विभाग डिमांड के साथ वेतन की पेशकश करता है। उसी हिसाब से भर्ती की जाती है। सीएम ने कहा, दुबई दौरे के दौरान वहां कई कंपनियों के प्रतिनिधियों से बात हुई।

उन्होंने बताया कि दुबई में हर साल विभिन्न पदों के लिए एक लाख युवाओं की जरूरत पड़ती है। हरियाणा सरकार ने वहां 12-13 कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करके एमओयू साइन किए हैं।

नौ शहरों में विकसित किए जाएंगे नये सेक्टर

चंडीगढ़. प्रदेश के नौ शहरों के लोगों के लिए यह अच्छी खबर हो सकती है। सरकार इन शहरों में नये रिहायशी सेक्टर विकसित करेगी। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा इन सेक्टरों को विकसित किया जाएगा। सरकार ने फरीदाबाद, रेवाड़ी, हिसार, फतेहाबाद, कुरुक्षेत्र, जगाधरी, पानीपत, रोहतक और सोनीपत में सेक्टर विकसित करने का निर्णय लिया है। इंद्री से भाजपा विधायक रामकुमार कश्यप के जवाब में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बुधवार को विधानसभा में इसका खुलासा किया।

सरकार द्वारा फरीदाबाद में कुल पांच सेक्टर विकसित किए जाएंगे। इनमें सेक्टर – 75, 76, 77, 78 और 80 शामिल होंगे। रेवाड़ी में कुल तीन सेक्टर विकसित होंगे। इनमें सेक्टर -7 (भाग) तथा सेक्टर 20 और 24 (भाग) होंगे। रोहतक में सेक्टर-18/18ए (ट्रांसपोर्ट नगर), सेक्टर 21 तथा 21ए विकसित होंगे। इसी तरह हिसार में सेक्टर-1 (पार्ट-II), फतेहाबाद में सेक्टर 9पी, कुरुक्षेत्र में सेक्टर-28, जगाधरी में सेक्टर-23, पानीपत में सेक्टर-19 तथा सोनीपत में सेक्टर-6 स्थापित किया जाएगा। यहां बता दें कि प्रदेश में पिछले कई बरसों से एचएसवीपी का कोई नया सेक्टर विकसित नहीं हुआ है। प्रदेशभर के विभिन्न शहरों में विकसित किए गए सेक्टरों में प्लॉटों का आवंटन ड्रा की बजाय अब ई-ऑक्शन के माध्यम से किया जा रहा है। नये सेक्टरों में भी ड्रा सिस्टम होगा या नहीं, इसका खुलासा सरकार ने नहीं किया है

दादरी में घटा लिंगानुपात, नैना चौटाला ने सदन में जताई चिंता

चंडीगढ़. बाढड़ा से जजपा विधायक नैना सिंह चौटाला ने विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलते हुए कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए। उन्होंने दादरी जिले में लिंगानुपात की कम दर पर चिंता व्यक्त करते हुए सरकार से इस अंतर को कम करने के लिए विशेष योजना चलाने की मांग की। नैना ने बिजली मंत्री से वर्ष 2018 से पूर्व आवेदक सोलर ट्यूबवेल कनेक्शन धारकों को बिजली आधारित ट्यूबवेल कनेक्शन देने की मांग रखी और कहा कि पूरे जिले में केवल 43 किसान बिजली ट्यूबवेल कनेक्शन से वंचित हैं। ऐसे में उन सभी किसानों को शीघ्र ही बिजली आधारित ट्यूबवेल कनेक्शन आवंटित किया जाए। उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण, जी 20 आयोजन, चंद्रयान की सफलता, हरियाणा में पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण, पढ़ी लिखी पंचायतें, डिपो संचालन में 33 प्रतिशत हिस्सेदारी देने जैसे अनेक ऐतिहासिक कदमों के लिए केंद्र और राज्य सरकार की सराहना की। नैना बजट सत्र में अपने क्षेत्र के मुद्दों को उठाते हुए गांव पिचौपा कलां में मुख्यमंत्री घोषणा के तहत प्रस्तावित खेल स्टेडियम का निर्माण जल्द शुरू करने की भी मांग उठाई। दादरी जिला मुख्यालय पर जिला पुस्तकालय के निर्माण के लिए वर्ष 2017 में हुई घोषणा को पूरा करवाने के लिए विधायक नैना सिंह चौटाला ने सरकार से जवाब मांगा। नैना चौटाला द्वारा सदन में मांग रखने पर उच्चतर शिक्षा मंत्री ने जवाब दिया कि दादरी जिला उपायुक्त को आदेश दिए जा चुके हैं कि जल्द से जल्द जिला लाइब्रेरी भवन के निर्माण के लिए भूमि चयनित कर रिपोर्ट मुख्यालय भिजवाना सुनिश्चित करें।

नहीं बनी डिजिटल लाइब्रेरी

जजपा विधायक चौटाला ने आगे कहा कि प्रदेश सरकार के विकास एवं पंचायत विभाग ने करोड़ों रुपए खर्च करके दादरी जिले के 68 गांवों में डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना करने के लिए भवनों का नवीनीकरण करवाया था लेकिन लंबा समय बीत जाने के बाद भी गांव में डिजिटल लाइब्रेरियों का संचालन शुरू नहीं हो पाया है।

उन्होंने कहा कि किसी भी गांव की डिजिटल लाइब्रेरी में अभी तक आवश्यक सामान नहीं पहुंच पाया है।

जय 'सिया-राम' के नारों से गूंजी हरियाणा विधानसभा

चंडीगढ. हरियाणा विधानसभा में प्रश्नकाल के बाद सदन का नजारा बदला-बदला नजर आया। पूरी विधानसभा 'राममय' नजर आई। सत्तापक्ष और विपक्ष न मिलकर राम के जयकारे लगाए। दोनों ओर से जय सिया-राम के नारे लगाने की होड़ लगी थी। यह माहौल उस समय बना जब मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सदन में सरकारी संकल्प-पत्र पेश कर अयोध्या में रामंदिर निर्माण और रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस ने इस प्रस्ताव का खुलकर समर्थन किया। अलबत्ता कांग्रेसियों की ओर से कुछ सुझाव भी दिए गए। मुख्यमंत्री द्वारा रखे गए प्रस्ताव का समर्थन करते हुए पूर्व सीएम और विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा, राम ना तेरे हैं, ना मेरे हैं। राम सभी के हैं। अच्छा होता मुख्यमंत्री इस प्रस्ताव में लिखते कि सबसे पहले मंदिर के कपाट किसने ख़ुलवाए थे। वे राजीव गांधी ने खुलवाए थे और उनका नाम का उल्लेख होना चाहिए। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा, हमने प्रस्ताव में लिखा है कि जिन्होंने भी सहयोग किया, उन सभी का धन्यवाद है। ऐसे में सभी का नाम इसमें आ गया है। किसी का विरोध नहीं किया है। आखिर में इस प्रस्ताव को सर्वसम्मति से सदन में पास कर दिया गया।

पूर्व स्पीकर डॉ. रघुबीर सिंह कादियान ने कहा, घर में धर्म पूजा सही है, लेकिन बारह कर्म पूजा महान है। रोहतक विधायक बीबी बतरा ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम में सभी की आस्था है। अपने प्रस्ताव में सीएम ने कहा, अयोध्या में 22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाल स्वरूप भगवान श्रीराम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की है। यह मौका करीब 550 साल के लंबे इंतजार के बाद आया है। लाखों पूर्वजों की कुर्बानी और तप से देशवासियों को यह दिन देखने का मौका मिला है। प्रधानमंत्री के दृढ़ संकल्प और इच्छा शक्ति से यह संभव हो पाया है। इसलिए भव्य मंदिर निर्माण के लिए पूरे सदन को प्रधानमंत्री मोदी का विशेष रूप से धन्यवाद करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने ऐसा ही भारत बनाने का संकल्प लिया है, जैसा भगवान श्रीराम के समय के दौरान था। इस प्रस्ताव पर एनआईटी विधायक नीरज शर्मा ने सदन में एक के बाद एक कई चौपाई सुनाते हुए जब यह कहा कि सरकार को अपने वचन और वादे पूरे करने चाहिएं तो स्पीकर ने उन्हें बोलने से रोक दिया। नीरज शर्मा कहना चाहते थे कि उनकी विधानसभा के लिए 28 करोड़ रुपए मंजूर हुए, मगर वह जारी नहीं किए गए। विधायक बीबी बत्तरा ने जब गीता के संदेश की अनुपालना का उल्लेख किया तो मामला गरमा गया। सत्तापक्ष की ओर से सीधे सवाल दागा कि कांग्रेस या तो समर्थन करे या फिर विरोध। इसके बाद बतरा अपनी सीट पर बैठ गए।

गौतम ने कर दी ऐसी टिप्पणी

नारनौंद से जजपा विधायक रामकुमार गौतम ने अयोध्या में राममंदिर निर्माण का श्रेय पूरी तरह से पीएम नरेंद्र मोदी को देते हुए कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता का नाम लेकर उन्हें घेरा। इन नेताजी के चचेरे भाई का नाम लेते हुए गौतम ने कहा, अगर उनके हाथों में कांग्रेस की कमान होती तो पार्टी की जड़ें नहीं हिलती। पूर्व सीएम हुड्डा ने जब उनका विरोध किया तो स्पीकर ने नेताजी का नाम सदन की कार्यवाही से निकलवा दिया।

मैंने काटी है 15 दिन की जेल - विज

गृह व स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने सीएम के प्रस्ताव का समर्थन करते हुए रामलला की मूर्ति बनाने वाले मूर्तिकार और मंदिर के वास्तुकार का भी धन्यवाद किया। विज ने कहा, राममंदिर के लिए 76 युद्ध हुए हैं।

कई आंदोलन हुए। दो बार मैं खुद उनका हिस्सा राह। लखनऊ से मुझे गिरफ्तार करके पंद्रह दिनों के लिए जेल में भी रखा गया। एक घटना का मैं साक्षी हूं। रेवाड़ी विधायक चिरंजीव राव और अम्बाला सिटी विधायक असीम यादव ने भी प्रस्ताव का समर्थन किया।

सच यह है... राम नाम सत्य है

सदन में जब सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास हो गया तो हुड्डा ने मौजूदा सरकार के चले रहे आखिरी कार्यकाल का उल्लेख कर चुटकी ली। हुड्डा ने अपने संसद के अनुभव भी बताए।

उन्होंने कहा, बेशक, जय श्रीराम के नारे लगा लिए जाएं, लेकिन यह भी सच है कि राम नाम सत्य है। उन्होंने संकेत दिए कि अब भाजपा सरकार की विदाई का समय आ गया है।

प्रदेश के सभी शहरों की होगी लार्ज स्केल मैपिंग

चंडीगढ़. प्रदेश सरकार ने राज्य के सभी शहरों की लार्च स्केल मैपिंग करवाने का निर्णय लिया है। पायलट के तौर पर दो जिलों सोनीपत और करनाल से इसकी शुरुआत होगी। इन जिलों में प्रोजेक्ट कामयाब होने के बाद इसे पूरे प्रदेश में लागू किया जाएगा। लार्ज स्केल मैपिंग के बाद सरकार को यह पता लग सकेगा कि शहरों में मौजूदा प्रॉपर्टी का मालिक कौन है। अभी तक केवल प्रॉपर्टी आईडी ही हैं, लेकिन मलकियत पता लगने के बाद जमीनों की रजिस्ट्री में किसी तरह की परेशानी नहीं आएगी।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान कालोनियों में रजिस्ट्री बंद होने के मुद्दे का जवाब देते हुए यह खुलासा किया। उन्होंने कहा कि मलकियत का पता लगने के बाद इंतकाल की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा कि अभी तक तीन तरह की जमीन राजस्व रिकार्ड में होती थी। पहली रूरल और दूसरी ग्रामीण तथा तीसरी ऑप्शन थी -'अन्य भूमि'। उन्होंने माना कि तहसीलदारों 'अन्य भूमि' के विकल्प का इस्तेमाल करके जमीनों की रजिस्ट्री कर देते थे। अब सरकार ने अन्य भूमि के विकल्प को खत्म कर दिया है। सोनीपत से कांग्रेस विधायक सुरेंद्र पंवार ने कहा कि शहरों में 25 से 50 साल पुरानी ऐसी अनेक कालोनियां हैं, जहां जमीनों की रजिस्ट्री नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने जिन कालोनियों को नियमित किया है, उनमें से अधिकांश में अर्बन एरिया डेवलेपमेंट एक्ट का नियम-7ए लागू था। इस वजह से अभी भी रजिस्ट्री नहीं हो रही है। उन्होंने पैसे लेकर रजिस्ट्री करने के भी आरोप लगाए। इस पर राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री और डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने कहा, वे लिखकर दें इस मामले की जांच करवाई जाएगी। सुरेंद्र पंवार ने कहा कि 25 से 50 साल पुरानी कालोनियों के किला नंबर मौजूद नहीं हैं। इस वजह से शहरी निकायों में ऐसी जमीनों की प्रॉपर्टी आईडी नहीं बन पा रही।

बिना प्रॉपर्टी आईडी के रजिस्ट्री नहीं होती। पटवारियों को एक से दो लाख रुपये देकर ऐसी जमीनों की जुगाड़ के माध्यम से रजिस्ट्रियां कराने का रास्ता निकाला है। भविष्य में यह होना चाहिए कि ऐसी रजिस्ट्रियों में किले नंबर की जरूरत ही नहीं पड़े। सिर्फ प्रापर्टी आइडी और उसके दस्तावेजों के माध्यम से रजिस्ट्रियों का प्रावधान होना चाहिए।

ग्रे मार्केट में तूफान बना यह IPO, इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जर बनाती है कंपनी, प्राइस बैंड 142, निवेश का मौका

नई दिल्ली.इलेक्ट्रिक वाहन (EV) चार्जर बनाने वाली कंपनी एक्सिकॉम टेली-सिस्टम्स लिमिटेड का आईपीओ 27 फरवरी को ओपन हो रहा है। निवेशक इस इश्यू में 29 फरवरी तक दांव लगा सकते हैं। इसके लिए प्राइस बैंड का ऐलान हो गया है। एक्सिकॉम टेली-सिस्टम्स आईपीओ का प्राइस बैंड 135 से 142 प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी की योजना इश्यू से कुल ?429 करोड़ जुटाने की है। रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) के अनुसार, एंकर निवेशकों के लिए यह इश्यू 26 फरवरी को ओपन हो रहा है।

क्या है अन्य डिटेल

आईपीओ में कुल 329 करोड़ तक के इक्विटी शेयरों का एक ताज़ा मुद्दा और प्रमोटर नेक्स्टवेव कम्युनिकेशंस द्वारा 70.42 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश (ओएफएस) कंपोनेंट्स शामिल है। निवेशक न्यूनतम 100 इक्विटी शेयरों और उसके बाद उसके गुणकों के लिए बोली लगा सकते हैं। कंपनी ने 135 प्रति शेयर के इश्यू प्राइस पर 52.59 लाख इक्विटी शेयरों का प्री-आईपीओ प्लेसमेंट शुरू किया है, जो कुल मिलाकर 71 करोड़ है। नेक्स्टवेव कम्युनिकेशंस के पास कंपनी में 76.55त्न की बहुमत हिस्सेदारी है, जबकि एचएफसीएल के पास फर्म में 7.74त्न हिस्सेदारी है। एक्सिकॉम टेली-सिस्टम्स में प्रमोटरों की सामूहिक रूप से 93.28त्न हिस्सेदारी है।मार्केट जानकारों के मुताबिक, एक्सिकॉम टेली-सिस्टम्स लिमिटेड का आईपीओ ग्रे मार्केट में 80 रुपये प्रीमियम पर उपलब्ध है।

अडानी के इस शेयर 1 साल में दिया छप्परफाड़ रिटर्न, क्या आगे भी जारी रहेगी रैली

नई दिल्ली. हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद 132.40 रुपये तक गिर चुका अडानी पावर अब इस निचले स्तर से 4 गुना से अधिक रिटर्न दे चुका है। पिछले एक साल में यह करीब 240 पर्सेंट उछला है। आज अडानी पावर 546.50 रुपये पर खुला और 555.50 रुपये तक पहुंचा। इसका 52 हफ्ते का हाई 589.45 रुपये है।पिछले छह महीने में अडानी पावर ने 58 फीसद से अधिक की उड़ान भरी है। वैसे तो इसने इस साल अबतक केवल 5.42 फीसद ही बढ़त हासिल की है, लेकिन पिछले तीन महीने में 42 फीसद की उछाल दर्ज की है। जबकि, पिछले 5 साल में इसने 1284 फीसद का

छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। अगर केवल तीन साल के इसके प्रदर्शन पर नजर डालें तो इसने 890 पर्सेंट से अधिक का रिटर्न दिया है।टेक्निकल ट्रेंड्स क्या कहता है? टेक्निकल ट्रेंड्स की बात करें तो लॉन्ग टर्म के लिहाज से अडानी पावर बुलिश है। जबकि, शॉर्ट टर्म के लिए बियरिश। ऐसे में अगर इसमें निवेश करना चाहते हैं तो लॉन्ग टर्म के लिए सोचें।अडानी पावर का SWAT एनॉलिसिस SWAT एनॉलिसिस की बात करें तो अडानी पावर का स्ट्रेंथ स्कोर 14 और कमजोरी का 9 है। अपॉर्चुनिटी के लिए इसका स्कोर 10 है। क्योंकि, यह 30 दिन का एसएमए 200 दिन के एसएमए को पार कर रहा है और अभी का भाव ओपन प्राइस से अधिक है। 52 सप्ताह के निचले स्तर से उच्चतम रिकवरी और स्टॉक अच्छे वॉल्यूम के साथ 52 सप्ताह के उच्चतम स्तर के करीब है। स्टॉक के लिए केवल एक बात खतरे का संकेत देती है, और वह है हाई मार्केट कैप और कम पब्लिक होल्डिंग वाली कंपनी।

222 से 26 पर आया इस बैंक का शेयर, खरीदें या रुकने में है भलाई

नई दिल्ली.चार दिन लगातार गिरने के बाद यस बैंक के शेयर आज हरे निशान पर ट्रेड कर रहे हैं। इससे पहले यस बैंक लिमिटेड के शेयरों में बुधवार तक लगातार चौथे सेशन में गिरावट का सिलसिला जारी रहा। पिछले 5 साल में यस बैंक के शेयरों में 88 फीसद से अधिक की गिरावट आई है। पांच साल पहले 22 फरवरी 2019 को ही यह स्टॉक 222 रुपये का था।अगर पिछले एक साल की बात करें तो यह स्टॉक 61 पर्सेंट ऊपर है। हालांकि, यह शेयर अपने एक साल के हाई 32.85 रुपये से 22 फीसद तक गिर गया था। यह अपने 52-सप्ताह के निचले मूल्य 14.40 रुपये से करीब 80 पर्सेंट उछल गया है। 39 करोड़ शेयर बेचे- बीएसई के थोक सौदे के आंकड़ों से पता चलता है कि अमेरिका स्थित कार्लाइल ग्रुप की यूनिट सीए बास्क इन्वेस्टमेंट्स ने 27.10 रुपये प्रति शेयर की औसत कीमत पर यस बैंक के 39 करोड़ शेयर या 1.35 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची है। 31 दिसंबर, 2023 तक कार्लाइल फर्म के पास यस बैंक में 6.43 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। यह आंकड़ा अब घटकर 5.08 प्रतिशत हो गया है।बीएसई के आंकड़ों के अनुसार, मॉर्गन स्टेनली एशिया (सिंगापुर) पीटीई ने 27.10 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से लगभग 30.63 करोड़ शेयर खरीदे हैं। तकनीकी विश्लेषकों का शॉर्ट टर्म में यस बैंक के शेयरों पर मोटे तौर पर मंदी का रुख रहा।

प्रभुदास लीलाधर के तकनीकी अनुसंधान विश्लेषक शिजू कूथुपालक्कल ने कहा, ÷स्टॉक में अपने हाई लेवल से करेक्शन देखा गया है। इसमें भारी मुनाफावसूली देखी गई है। अभी तत्काल सपोर्ट 24.60 रुपये के करीब होगा और अगला प्रमुख सपोर्ट 22 रुपये के करीब है।

ईजीएम से पहले बायजू रवींद्रन पर ईडी का शिकंजा, लुक आउट नोटिस जारी करने की मांग

नई दिल्ली.(एजेंसी)

बायजू रवींद्रन शुक्रवार को हाई-वोल्टेज निवेशक बैठक से पहले लुक आउट नोटिस पर नजर गड़ाए हुए हैं

ईडी ने बायजू रवींद्रन के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी करने पर जोर दिया है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि संकटग्रस्त एडटेक कंपनी के संस्थापक देश न छोड़ें।ईडी ने कहा, कंपनी ने कहा था कि उसने भारत के बाहर महत्वपूर्ण विदेशी धन भेजा और विदेशों में निवेश किया, जो कथित तौर पर फेमा, 1999 के प्रावधानों का उल्लंघन था और इससे भारत सरकार को राजस्व का नुकसान हुआ।कंपनी पर अप्रैल 2023 की छापेमारी के बाद ईडी ने एक बयान में दावा किया था कि बायजू पर फेमा सर्च से पता चला है कि कंपनी को 2011 से 2023 तक लगभग ?28,000 करोड़ का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्राप्त हुआ है। कंपनी ने विभिन्न देशों में ?9,754 करोड़ भेजे हैं। उसने इसी अवधि में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के नाम पर दावा किया था।बायजू रवींद्रन को पहले ही इंटीमेशन पर लुक आउट नोटिस जारी कर दिया गया है। बायजू के कुछ निवेशकों ने उन्हें हटाने की मांग की है। इससे रवींद्रन को इस शुक्रवार को एक हाई-वोल्टेज ईजीएम का सामना करना पड़ेगा। ईटी की रिपोर्ट में कहा गया है कि रवींद्रन पिछले तीन वर्षों से ज्यादातर दिल्ली और दुबई के बीच यात्रा कर रहे हैं।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड (बायजू की मूल कंपनी) द्वारा दायर एक याचिका के जवाब में एक आदेश दिया है।

इस आदेश में कहा गया है कि चुनिंदा निवेशकों द्वारा बुलाई गई 23 फरवरी की ईजीएम में पारित होने के लिए प्रस्तावित कोई भी प्रस्ताव इस याचिका की अंतिम सुनवाई और निपटारे तक अमान्य है। हालांकि, कोर्ट ने ईजीएम को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ने की अनुमति दे दी है।

Zee की बढ़ेगी मुश्किल! सुभाष चंद्रा और पुनीत गोयनका से पूछताछ के मूड में सेबी, 200 करोड़ के ट्रांजैक्शन का मामला

नई दिल्ली. जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज के प्रमोटर्स की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। दरअसल, कंपनी के प्रमोटर सुभाष चंद्रा और मैनेजिंग डायरेक्टर पुनीत गोयनका से भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) पूछताछ करने की योजना बना रहा है। इन पर मीडिया फर्म में फंड डायवर्जन के आरोप हैं। सेबी इन आरोपों की जांच कर रहा है। इसी जांच के सिलसिले में पूछताछ किए जाने की संभावना है।

जून से हो रही जांच

इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से कहा गया कि सुभाष चंद्रा और पुनीत गोयनका से पूछताछ नियामक की जांच का हिस्सा है।

यह जांच अप्रैल के मध्य तक पूरी होने की उम्मीद है। पिछले साल जून में सेबी ने कहा था कि जी एंटरटेनमेंट से ?200 करोड़ संबंधित पार्टी लेनदेन के माध्यम से निकाले गए थे, लेकिन कंपनी ने प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) के समक्ष इसका विरोध किया था। सेबी ने बाद में ट्रिब्यूनल को बताया कि वह व्यापक जांच कर रहा है।

सेबी के मुताबिक उसे पता चला है कि एस्सेल ग्रुप के चेयरमैन के तौर पर सुभाष चंद्रा ने ?4210 करोड़ का लेटर ऑफ कंफर्ट जारी किया था।

कंपनी ने इस रिपोर्ट को किया खारिज

इस बीच, हाल ही में ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में दावा किया गया कि सेबी ने जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज के खातों में 240 मिलियन या लगभग ?2000 करोड़ की गड़बड़ी का पता लगाया है। इस रकम को लेकर पूछताछ के लिए सेबी ने जी एंटरटेनमेंट के प्रमोटर सुभाष चंद्रा, उनके बेटे पुनीत गोयनका और कुछ बोर्ड सदस्यों को बुलाया है। हालांकि, कंपनी ने इस रिपोर्ट को गलत बताया। कंपनी ने कहा कि यह रिपोर्ट झूठी है।

एनपीएस खाते में आधार वेरिफिकेशन होगा अनिवार्य, 1 अप्रैल से लागू होगी नई व्यवस्था

नई दिल्ली.(एजेंसी)

पेंशन फंड नियामक पीएफआरडीए ने बड़ा फैसला लेते हुए राष्ट्रीय पेंशन योजना (NPS) के खाते का आधार आधारित सत्यापन (Verification) निवार्य कर दिया है। अब दोहरे सत्यापन यानी टू-फैक्टर ऑथिंटिकेशन के बाद ही खाते से निकासी संभव हो सकेगा। नई व्यवस्था एक अप्रैल से लागू होगी।इस संबंध में नियामक ने हाल ही में सर्कुलर जारी किया है। इसके मुताबिक, सेंट्रल रिकॉर्ड कीपिंग एजेंसी (सीआरए) सिस्टम में लॉग-इन करने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा उपाय किए गए हैं। ऐसा एनपीएस सदस्यों और दूसरे पक्षों के हितों को ध्यान में रख किया गया है।अब सीआरए सिस्टम में लॉग-इन करने के लिए दो सत्यायन (टू-फैक्टर ऑथिंटिकेशन) का इस्तेमाल होगा। सीआरए सिस्टम एक वेब आधारित प्लेटफॉर्म है, जिसे एनपीएस से संबंधित कामों के लिए तैयार किया गया है।अभी यह है व्यवस्था वर्तमान में एनपीएस सदस्यों को खाते में लॉगइन करने के लिए उपयोगकर्ता आईडी और पासवर्ड की जरूरत होती है। इनके माध्यम से ही खाते में बदलाव और निकासी संभव होती है।

अभी केंद्र और राज्य सरकारों के नोडल अधिकारी सीआरए सिस्टम में लॉग-इन करने के लिए पासवर्ड आधारित व्यवस्था पर निर्भर हैं। इसे और अधिक सुरक्षित बनाने के लिए इसे आधार आधारित सत्यापन से जोड़ा जाएगा।

2027 तक तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी बनेगा भारत, विदेशी ब्रोकरेज का अनुमान, सरकार के फैसलों पर फिदा

नई दिल्ली. अगर सबकुछ ठीक रहा तो 2027 तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। विदेशी ब्रोकरेज जेफरीज ने यह अनुमान लगाया है। ब्रोकरेज को उम्मीद है कि भारत की जीडीपी अगले चार वर्षों में 5 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकती है। इसी के साथ देश की अर्थव्यवस्था जापान और जर्मनी से ज्यादा मजबूत हो जाएगी।

क्या कहा जेफरीज ने

जेफरीज की रिपोर्ट के मुताबिक भारत 2030 तक लगभग 10 ट्रिलियन डॉलर का मार्केट बन जाएगा। ऐसे में बड़े वैश्विक निवेशकों के लिए देश को नजरअंदाज करना ÷असंभव÷ होगा। जेफरीज ने कहा- भारत एक दशक पहले नौवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश था, जो अब 3.4 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन गया है।

सरकार के फैसलों से लॉन्ग टर्म में फायदा

ब्रोकरेज के मुताबिक कई बड़े रिफॉर्म की वजह से देश की इकोनॉमी ने रफ्तार पकड़ी है। ब्रोकरेज ने कहा कि बैंकरप्सी लॉ, जीएसटी स्ट्रक्चर, रियल एस्टेट के लिए रेरा एक्ट और नोटबंदी जैसे रिफॉर्म लॉन्ग टर्म के लिए अच्छे थे। हालांकि, शॉर्ट टर्म में इसका सही इम्पैक्ट नहीं रहा।

जेफरीज ने कहा- अगले पांच वर्षों में भारत की जीडीपी के न केवल 6त्न की दर से वृद्धि होने का अनुमान है बल्कि देश लीडर की भूमिका में भी होगा क्योंकि अधिकांश बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश की विकास दर में गिरावट आ सकती है।

मोदी सरकार ने बढ़ाया गन्ने का दाम तो गिर गए चीनी कंपनियों के शेयर

मोदी सरकार ने बुधवार को 2024-25 सत्र के लिए गन्ने का एफआरपी 25 रुपये बढ़ाकर 340 रुपये प्रति क्विंटल करने की मंजूरी दे दी थी दी। आज शुगर स्टॉक्स पर इसका असर देखने को मिल रहा है।

नई दिल्ली. केंद्र सरकार के 2024-25 सत्र के लिए गन्ने का उचित व लाभकारी मूल्य (**FRP**) 25 रुपये बढ़ाकर 340 रुपये प्रति क्विंटल करने के एक दिन बाद गुरुवार को सुबह के कारोबार में चीनी कंपनियों के शेयर तीन पर्सेंट तक गिर गए। बीएसई पर लिस्टेड राणा शुगर्स का शेयर 3.21 पर्सेंट गिरकर 25.35 रुपये पर, मवाना शुगर्स का शेयर 2.81 पर्सेंट गिरकर 101.70 रुपये पर, राजश्री शुगर्स एंड केमिकल्स का शेयर 2.50 पर्सेंट गिरकर 72.62 रुपये पर आ गया।श्री रेणुका शुगर्स का शेयर 2.41 पर्सेंट गिरकर 48.50 रुपये पर, केसीपी शुगर एंड इंडस्ट्रीज का शेयर 2.20 पर्सेंट गिरकर 40.87 रुपये पर और ईआईडी पैरी (इंडिया) का शेयर 1.57 पर्सेंट गिरकर 629.20 रुपये पर आ गया। डालमिया भारत शुगर एंड इंडस्ट्रीज का शेयर 1.15 पर्सेंट की गिरावट के साथ 403.15 रुपये प्रति शेयर पर, बलरामपुर चीनी मिल्स का शेयर 1.12 पर्सेंट गिरकर 376.50 रुपये पर, धामपुर शुगर मिल्स 0.96 पर्सेंट की गिरावट के साथ 248 रुपये पर और त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज 0.76 पर्सेंट की गिरावट के साथ 347.80 रुपये प्रति शेयर पर आ गया।अब तक की सबसे बड़ी एफआरपी- मोदी सरकार ने बुधवार को 2024-25 सत्र के लिए गन्ने का एफआरपी 25 रुपये बढ़ाकर 340 रुपये प्रति क्विंटल करने की मंजूरी दे दी थी दी। गन्ने का नया सत्र अक्टूबर से शुरू होता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के 2014 में सत्ता में आने के बाद यह अब तक की सबसे बड़ी एफआरपी है।

मात्रा के संदर्भ में यह दूसरी बार है, जब मोदी सरकार ने एफआरपी में एक बार में 25 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की है। गन्ने की एफआरपी बढ़ाने का फैसला प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) की बैठक में लिया गया। संशोधित एफआरपी एक अक्टूबर 2024 से लागू होगी। आधिकारिक बयान के मुताबिक,%% केंद्र सरकार के इस फैसले से पांच करोड़ से अधिक गन्ना किसानों (परिवार के सदस्यों सहित) और चीनी क्षेत्र से जुड़े लाखों अन्य लोगों को फायदा होगा.

पुराने वाहनों को स्क्रैप कराने के नियमों में बड़े बदलाव की तैयारी

नई दिल्ली. पुराने वाहनों को स्क्रैप कराने के नियमों में बड़ा बदलाव हो सकता है। इसके तहत सरकार ऐसे वाहन मालिकों को अधिक फायदा दे सकती है, जो अपने पुराने और प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को बेचने के बजाए स्क्रैप कराएंगे। इसके लिए सरकार मौजूदा स्क्रैपेज नीति की समीक्षा कर रही है। मामलों से जुड़े दो अधिकारियों ने यह जानकारी दी।दरअसल, वाहन मालिकों को स्क्रैपिंग के लिए ज्यादा से ज्यादा प्रोत्साहित करने के लिए सड़क परिवहन मंत्रालय उन्हें अतिरिक्त लाभ देने को लेकर चर्चा कर रहा है।

कैबिनेट से इसकी मंजूरी जल्द ली जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि संशोधित नियम मई तक लागू हो सकते हैं।ग्रामीण क्षेत्रों में बेच रहे पुराने वाहन- गौरतलब है कि देश में 2021 में जारी स्क्रैपे नीति में निर्माताओं और राज्य सरकारों की ओर से दिए जाने वाले प्रोत्साहन का प्रस्ताव था। सरकार का अनुमान लगाया था कि स्क्रैपिंग से लगभग 10,000 करोड़ रुपये का निवेश आएगा और 35 हजार नए रोजगार सृजित होंगे, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया है। मालिकों ने पुराने वाहनों को स्क्रैप करने के बजाय ग्रामण क्षेत्रों में बेचना जारी रखा है।वाहन मालिक नहीं ले रहे दिलचस्पी मौजूदा नीति के तहत, पुराने वाहन का स्क्रैप मूल्य नए वाहन की एक्स-शोरूम कीमत का चार से छह प्रतिशत तक होता है।

स्क्रैपिंग के बाद अधिकृत केंद्र वाहन मालिकों को प्रमाणपत्र देता है। इनमें से अधिकांश केंद्रों पर उपयोग का स्तर 20त्न से नीचे बना हुआ है। जानकारों का कहना है कि सीमित वित्तीय लाभ की वजह से वाहन मालिक स्क्रैपिंग में अधिक दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। इसके अलावा नियमित वाहन फिटनेस परीक्षण की कमी भी भारत में कम स्क्रैपेज का एक कारण है।ऐसे हो सकता है फायदा मामले जुड़े दोनों अधिकारियों ने बताया कि नई योजना के तहत सरकार और ऑटोमोबाइल निर्माता दोनों उपभोक्ताओं को प्रोत्साहन राशि उपलब्ध करा सकती है। सरकार की ओर से यह लाभ कर छूट के रूप में मिल सकता है। वहीं, ऑटो निर्माताओं कीमत पर छूट उपलब्ध करा सकते हैं।

इसका खाका तैयार किया जा रहा है।इन देशों में नीति सफल बताया जा रहा है कि सरकार अमेरिका, ब्रिटेन, चीन, कनाडा और जर्मनी जैसे देशों की तर्ज पर वाहन स्क्रैप को बढ़ावा दे सकती है। इन देशों ने स्क्रैपिंग को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार और वाहन निर्माताओं द्वारा प्रोत्साहन राशि उपलब्ध कराई जाती है। हाल के दिनों में अमेरिका में कबाड़ हुए वाहनों के लिए नकद देने का कार्यक्रम शुरू किया गया था, जो बेहद सफल रहा था।

शादी सिर्फ एक व्यक्ति के अच्छे पहलूओं से ही नहीं बल्कि इन पहलुओं से भी होती है, समझें बारीकी

कोई भी शादी अगर जल्दी टूटने के कगार पर आ जाती है, तो इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। जिसमें एब्यूज के अलावा कई दफा एक बड़ा कारण गलतफहमी भी होती है। अगर एब्यूज कारण है, तब तो इस पर विचार करना बहुत सार्थक नहीं है, और ऐसे रिश्ते से दूरी बनाना ही उचित है लेकिन अगर गलतफहमी के कारण रिश्ता टूटने की कगार पर है, तो आपको शादी की बारीकियों को समझने की जरूरत है।

आपके लिए यह समझना जरूरी है कि आपकी शादी जिस व्यक्ति से हुई है वो परफेक्ट नहीं है, ठीक उसी तरह जैसे आप परफेक्ट नहीं हैं। दुनिया में कोई भी परफेक्ट नहीं है। इसीलिए जब आप किसी व्यक्ति से शादी करते हैं तो उसकी अच्छाइयों के साथ उसकी कमियों के साथ भी शादी करते हैं।

नए रिश्ते में जो कमियां अच्छी लगती हैं वही समय के साथ खटकने लगती हैं। और तब हम यह बात भूल जाते हैं कि शादी व्यक्ति की अच्छाई के साथ कमियों के साथ भी होती है जिसे स्वीकार करने के लिए आपको मानसिक रूप से तैयार रहना चाहिए।

आइए जानते हैं कि यहां किस तरह की कमियों की बात की जा रही है, जिसे आप स्वीकार कर लें तो आपके बीच गलतफहमी नहीं होगी उनके दुख से उबरने की प्रक्रिया से आपको वाकिफ रहना बहुत जरूरी है। ऐसे लोगों से दुनिया भरी हुई है जिन्हें यह सरल सी प्रक्रिया का ज्ञान नहीं होता है और इस दौरान वे गलत ढंग से पेश आते हैं जिससे उनके रिश्ते प्रभावित होते हैं। कोई दुख में घंटों घर के बाहर रहना पसंद करता है, तो कोई दुबक के एक कमरे में सोना पसंद करता है। सबके कोपिंग मैकेनिज्म अलग होते हैं और आपके लिए भी अपने पार्टनर की इस आदत को समझना जरूरी है।

आपके और आपके पार्टनर के ट्रिगर प्वाइंट अलग-अलग हो सकते हैं। कुछ लोग अपने बीते हुए जीवन के कुछ हादसों के कारण ट्रिगर स्पॉट बना लेते हैं, और इसी अनुसार व्यवहार करते हैं। अपने पार्टनर के ट्रिगर स्पॉट को पहचानें और इस दौरान उनकी मदद करें न कि उनसे बहस करें। अगर वे स्पेस चाहते हैं तो उन्हें स्पेस दें और दुबारा कुछ समय बाद बात करें।

यह भी पढ़ें- रिलेशनशिप में तालमेल बिठाने में दिक्कत पैदा कर सकती हैं ये सारी चीजें

आप दोनों ही अलग परिवार की परवरिश होते हैं, जिसके कारण आपकी विचारधारा में जमीन आसमान का अंतर संभव है। ऐसे में एक टीम बन कर काम करें और एक दूसरे की विचारधारा का सम्मान करते हुए रिश्ते में आगे बढ़ें।

उनकी ज़रूरतें आप से बहुत अलग हो सकती हैं। हो सकता है कि उन्हें एसी न पसंद हो, महंगे कपड़े और गाड़ी की आदत न हो, समाज में दिखावा और आडंबर न पसंद हो, हो सकता है कि उनकी सरलता आपको परेशान करती है। लेकिन इन बातों पर सामंजस्य स्थापित करने की कोशिश करें। अगर वे दिल से बुरे नहीं हैं और मात्र उनकी ज़रूरतें आपसे अलग हैं, तो इस छोटी सी बात पर मन मुटाव ठीक नहीं है। समझदारी से ऐसी स्थिति को हैंडल करें।

केंद्र को अब पारदर्शी चुनावी फंडिंग प्रणाली पर काम करना चाहिए

भविष्य में चुनावों में धन के प्रभाव को रोकने के लिए, हमें दान, खर्च सीमा, सार्वजनिक धन और प्रकटीकरण के लिए नियमों की आवश्यकता है। सरकार चुनाव सुधार के विकल्प तलाश रही है। हमारे पास कई रिपोर्टें हैं जो हमें बेहतर निर्णय लेने में मदद कर सकती हैं, इसलिए हमें उन्हें फिर से देखने की जरूरत है। हमें फंडिंग में पारदर्शिता पर जोर देकर चुनाव प्रणाली में सुधार के लिए बदलाव करने होंगे।

भारतीय चुनाव एक जटिल प्रक्रिया है जिसमें लाखों मतदाता और अनेक राजनीतिक दल शामिल होते हैं। ये पार्टियां अपने अभियानों के वित्तपोषण के लिए व्यक्तियों और निगमों के योगदान पर बहुत अधिक निर्भर करती हैं, क्योंकि फंडिंग महत्वपूर्ण है। चुनाव के दौरान बहुत सारा काला धन भी घूमता है।

2014 में जब नरेंद्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री बने, तो उन्होंने राजनीति में अवैध धन का उपयोग रोकने का वायदा किया था। तीन साल बाद, 2017 में उन्होंने चुनावी बांड योजना पेश की, जिसके बारे में उनका दावा था कि इससे राजनीतिक फंडिंग में पारदर्शिता बढ़ेगी। हालांकि, कुछ लोगों ने गोपनीयता खंड और मौलिक अधिकारों के उल्लंघन को अदालत में चुनौती दी। पिछले हफ़्ते सर्वोच्च न्यायालय ने गुमनाम राजनीतिक चंदे को अवैध घोषित कर दिया। इस फैसले को भाजपा के लिए पचाना मुश्किल हो सकता है क्योंकि 2018 से प्रभावी इस योजना से सत्तारूढ़ दल को सबसे अधिक फायदा हुआ है।

शीर्ष अदालत ने फैसला सुनाया कि %चुनावी बांड% नागरिकों के सरकारी जानकारी तक पहुंचने के अधिकार का उल्लंघन करते हैं और संविधान की धारा19(1)(ए) का उल्लंघन करते हैं। मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने खुले शासन के महत्व पर जोर दिया, %मतदान के विकल्प का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए राजनीतिक दलों की फंडिंग के बारे में जानकारी आवश्यक है।% सरकारी स्वामित्व वाले भारतीय स्टेट बैंक को इन बांडों को जारी करने से रोकने और भारत के चुनाव आयोग को विवरण प्रदान करने का आदेश दिया गया है। यह फैसला पांच जजों के समूह ने दिया।न्यायाधीशों ने जांच की कि क्या चुनावी बांड योजना ने संवैधानिक नियमों को तोड़ा है, मतदाताओं को महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करने से रोका है, दानदाताओं की गोपनीयता की रक्षा करते हुए गुप्त दान की अनुमति दी है, और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को खतरे में डाला है?

पहले, राजनीतिक दलों को 20,000 रुपये से अधिक का योगदान देने वाले दानदाताओं की पहचान का खुलासा करना आवश्यक था। हालांकि, चुनावी बांड राजनीतिक दलों को दानदाताओं की पहचान उजागर किये बिना प्राप्त धन की रिपोर्ट करने की अनुमति देते हैं। इन बॉन्ड्स की रेंज 1,000 से 10 करोड़ रुपये तक होती है।लोगों को जानना चाहिए कि राजनीतिक फंडिंग पारदर्शी है या नहीं। मुख्य आलोचनाओं में से एक यह है कि इन बांडों को खरीदते समय यह पता लगाना कठिन है कि पैसा कहां से आता है, जिससे धन के स्रोत की पहचान करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है।2017 से 2022 तक के एडीआर आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि के दौरान निगमों द्वारा दान की गई कुल राशि 3,299.85 करोड़ रुपये थी। इस रकम का सबसे बड़ा हिस्सा भाजपा को मिला। चुनावी बांड के माध्यम से कांग्रेस पार्टी को 406.45 करोड़ रुपये, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) को 109.5 करोड़ रुपये और अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (एआईटीसी) को 49.7 करोड़ रुपये मिले।एडीआर की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि राजनीतिक योगदान के बारे में जानकारी छिपाना अनुचित है। करदाताओं को पता होना चाहिए कि राजनीतिक दलों को धन कहां से मिलता है। पारदर्शिता की कमी जवाबदेही पर सवाल उठाती है। करदाताओं का पैसा बांड छापने में खर्च होता है और एसबीआई को उनकी बिक्री से मुनाफा होता है।इसमें दावा किया गया है कि करदाताओं को यह जानने का अधिकार है कि राजनीतिक दलों को धन कहां से मिलता है। अधिक पारदर्शिता की आवश्यकता जवाबदेही के बारे में संदेह पैदा करती है। करदाताओं के पैसे का उपयोग बांड मुद्रित करने के लिए किया जाता है, और उनकी बिक्री से एसबीआई के मुनाफे को अनुचित माना जाता है। जनता और विपक्षी दलों को इन दान के स्रोत के बारे में पता होना चाहिए, हालांकि सरकार एसबीआई से दाता विवरण प्राप्त कर सकती है।संसद में, सरकार ने प्रमुख केंद्रीय एजेंसियों और विपक्षी संसद सदस्यों की चेतावनियों की उपेक्षा की और चुनावी बांड योजना शुरू की। बांड विधेयक को धन विधेयक के रूप में पारित किया गया था।इससे पहले, कानून मंत्रालय ने इस बात पर जोर दिया था कि बांड योजना को जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 का पालन करना चाहिए। चुनाव आयोग और आरबीआई ने भी 2017 योजना के प्रावधानों का विरोध किया, लेकिन सरकार ने भाजपा के हितों को ध्यान में रखते हुए इसे लागू किया। चुनाव आयोग ने 2,858 राजनीतिक दलों को पंजीकृत किया है, लेकिन केवल एक छोटा प्रतिशत, केवल 2.17प्रतिशत, वर्तमान में मान्यता प्राप्त हैं। कुछ पार्टियां कभी भी चुनाव में भाग नहीं ले सकती हैं, जबकि अन्य मनी लॉन्ड्रिंग गतिविधियों में शामिल हो सकती हैं।2019 के चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों को रिकॉर्ड तोड़ रकम मिली। चुनावी बांड के माध्यम से 2,760.20 करोड़ का गुमनाम चंदा आया। यह 2017-18 और 2018-19 में मिली सबसे ज्यादा रकम थी। 2017-18 से 2020-21 तक, 19 राजनीतिक दलों ने लगभग 6.5 हजार करोड़ रुपये के चुनावी बांड भुनाये। पिछले छह लोकसभा चुनावों में खर्च लगभग छह गुना बढ़ गया है जो 9,000 रुपये से बढ़कर 2019 में 55,000 करोड़ रुपये हो गया था।2018 से मार्च 2022 तक भाजपा को 57 प्रतिशत चंदा मिला, जबकि कांग्रेस को सिर्फ 10 प्रतिशत ही प्राप्त हुआ।उम्मीद है कि सरकार पहले के अवसरों के विपरीत, सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का सम्मान करेगी। कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है और अब इसे अमल में लाना होगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को दानकर्ता की गोपनीयता और पूर्वव्यापी खुलासे पर आपत्ति है। उनका दावा है कि अदालत का आदेश आगामी अप्रैल-मई चुनावों में भाजपा की संभावनाओं को प्रभावित नहीं करेगा क्योंकि उनका लक्ष्य पीएम मोदी के लिए तीसरा कार्यकाल सुरक्षित करना है।

भविष्य में चुनावों में धन के प्रभाव को रोकने के लिए, हमें दान, खर्च सीमा, सार्वजनिक धन और प्रकटीकरण के लिए नियमों की आवश्यकता है। सरकार चुनाव सुधार के विकल्प तलाश रही है। हमारे पास कई रिपोर्टें हैं जो हमें बेहतर निर्णय लेने में मदद कर सकती हैं, इसलिए हमें उन्हें फिर से देखने की जरूरत है। हमें फंडिंग में पारदर्शिता पर जोर देकर चुनाव प्रणाली में सुधार के लिए बदलाव करने होंगे।

संपादकीय

लोकतंत्र की अग्निपरीक्षा में भारत पाक

यह गजब संयोग है कि भारत और पाकिस्तान दोनों इस वक्त लोकतंत्र की अग्निपरीक्षा से एक साथ गुजर रहे हैं। भारत में लोकतंत्र की सुदीर्घ परंपरा रही है और पाकिस्तान लोकतंत्र के लिए संघर्ष करता आया है, यह दोनों देशों के बीच का बुनियादी फर्क है। लेकिन दोनों देशों में एक बड़ी समानता ये है कि सत्ता पर काबिज होने के लिए पाकिस्तान में भी षड्यंत्र रचे जा रहे हैं और भारत में भी ऐसा ही हो रहा है। चंडीगढ़ का मेयर चुनाव इसका ताजा उदाहरण है। पहले इस चुनाव को केवल इस वजह से टाला गया कि पीठासीन अधिकारी बीमार थे। इसके बाद 30 जनवरी को जब चुनाव हुए तो आप और कांग्रेस का गठबंधन हार गया, जबकि भाजपा को आसान जीत मिल गई। इस चुनाव में आठ मतपत्रों को खारिज किया गया था और आप ने आरोप लगाए थे कि रिटर्निंग अधिकारी अनिल मसीह ने ही मतपत्रों पर निशान बनाए थे।उनका एक वीडियो फुटेज भी सामने आया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को लोकतंत्र की हत्या करार दिया था और सोमवार को हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट में अनिल मसीह ने स्वीकार भी किया कि उन्होंने आठ मतपत्रों पर निशान लगाए थे। इसके बाद मंगलवार को अदालत ने मतपत्रों की फिर से गिनती के आदेश दिए हैं, इसमें खारिज किए सभी आठ मतपत्र भी शामिल थे, जिससे आप के कुलदीप कुमार मेयर घोषित हो गए। चंडीगढ़ मेयर चुनाव देश में होने वाले विधानसभा और लोकसभा चुनावों से बहुत छोटा है। यहां पर विपक्ष ने हिम्मत नहीं हारी और इंसाफ के लिए लड़ाई जारी रखी, तो सच सामने आ गया। लेकिन इससे निष्पक्ष और पारदर्शी चुनावों पर प्रश्नचिह्न तो लग ही गए हैं। और सबसे बड़ा सवालिया निशान तो इस बात पर है कि क्या सत्ता के दबाव में स्वतंत्र संस्थाओं और अधिकारियों को बेईमानी करने दी जा रही है। हाल ही में पाकिस्तान में हुए चुनाव में भी ऐसी ही बेईमानी हुई, लेकिन वहां एक अधिकारी ने सामने आकर अपनी बेईमानी न केवल कबूल की है, बल्कि खुद के लिए सजा की मांग भी कर दी।पाकिस्तान में आम चुनाव हुए 10 से अधिक दिन हो गए हैं, लेकिन किसी भी दल को पूर्ण बहुमत न मिलने के कारण अब तक सरकार का गठन नहीं हुआ है। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई के लोगों ने इस बार निर्दलीय चुनाव लड़ा, लेकिन नवाज शरीफ की पार्टी पीएमएलएन और बिलावल भुट्टो की पार्टी पीपीपी से ज्यादा वोट हासिल किए। फिर भी पीटीआई सरकार नहीं बना सकी, न ही अब तक नवाज शरीफ और बिलावल भुट्टो कोई समझौता कर पाए हैं। इस बीच चुनाव में धांधली के आरोप भी लगे थे और कहा गया था कि जीते हुए कई निर्दलीय प्रत्याशियों को हारा हुआ घोषित किया गया है। इससे पहले कि इस मामले की कोई जांच होती और चुनाव आयोग को क्लीन चिट मिलती, रावलपिंडी के कमिश्नर लियाकत अली चट्ठा ने बड़ा खुलासा किया है।

उन्होंने कहा कि हमने 13 ऐसे निर्दलीय कैंडिडेट्स जो 70 से 80 हजार वोटों से आगे चल रहे थे, उन्हें धांधली कर हरवा दिया। रावलपिंडी के क्रिकेट स्टेडियम में मीडिया से बात करते हुए लियाकत अली चट्ठा ने कहा कि वो इस वजह से सो नहीं पा रहे हैं कि उन्होंने %देश की पीठ में छुरा घोंपा है'। मैंने जो अन्याय किया है उसके लिए मुझे दंडित किया जाना चाहिए और इस अन्याय में शामिल अन्य लोगों को भी सजा होनी चाहिए। कमिश्नर चट्ठा ने यह भी कहा कि वे 1971 वाला दौर फिर नहीं देखना चाहते हैं। गौरतलब है कि 1971 में ही बांग्लादेश पाकिस्तान से अलग हुआ था, क्योंकि तब भी शेख मुजीबुर्रहमान को चुनाव में जीत हासिल करने के बावजूद पाकिस्तान की सैन्य हुकूमत सत्ता सौंपना नहीं चाहती थी। इसके बाद जो कुछ हुआ, उस इतिहास से सब वाकिफ हैं।पाकिस्तान का न्यायतंत्र, सैन्य तंत्र और सत्ता पर काबिज होने की इच्छा लिए राजनेता भले इस खूनी इतिहास से कोई सबक न लेना चाहें, लेकिन कमिश्नर चट्ठा ने एक रास्ता उन लोगों को दिखा दिया है, जो ईमानदारी के साथ लोकतंत्र के रास्ते पर चलना चाहते हैं। यह याद रखना चाहिए कि आजादी के 75-76 बरसों में पाकिस्तान लोकतंत्र के लिए तरसता रहा है, सैन्य तानाशाही ने वहां लोकतंत्र की जड़ों को बार-बार कुचला और दूरी ओर धार्मिक कट्टरता से लोकतंत्र बेड़ियों में जकड़ा गया।

मोदी के रामराज्य में सुदामा के चावल पर पीआईएल

सरकार से कामों से न्याय-अन्याय होने की मुहर लगाने का काम कोर्ट का होता है। संविधान में यही व्यवस्था है। न्यायालयों के सामने जवाब देने का काम सरकार का होता है। उसे न्यायपालिका में अपनी बात रखनी होती है। फैसला नापसंद होने पर भी उसे सर माथे पर लेना पड़ता है और कोर्ट द्वारा बतलाई गई खामियों को दूर करना होता है।

भारत लोकतंत्र की जननी है- यह कहने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के संभल में मंगलवार को कल्कि धाम मंदिर का शिलान्यास करते हुए नये तरीके से न्यायपालिका पर हमला बोल दिया है, जो बतलाता है कि वे सरकार के खिलाफ आ रहे अदालती फैसलों से खासे परेशान चल रहे हैं। उनकी परेशानी स्वाभाविक तो है लेकिन किसी भी देश के कार्यपालिका प्रमुख द्वारा ऐसी टिप्पणी न तो वांछनीय है और न ही शोभनीय। उन्हें अगर न्यायपालिका से किसी तरह की शिकायत है तो उन्हें यह द्वंद्व कोर्ट के भीतर ही निपटाना चाहिये। उस लड़ाई को इस प्रकार से किसी सार्वजनिक सभा तक ले जाना उचित नहीं। वैसे मोदी का गुस्सा इस लिहाज़ से जायज है क्योंकि पिछले कुछ दिनों से कई फैसले केन्द्र सरकार के विरूद्ध तो आये ही हैं, निकट भविष्य में और भी सम्भावित हैं।

समारोह में मौजूद कुछ दिनों पूर्व कांग्रेस से निकाले गये प्रमोद कृष्णम को सम्बोधित करते हुए मोदी ने तंज कसा कि यह तो अच्छा हुआ जो आपने (कृष्णम) केवल अपनी भावनाएं ही व्यक्त कीं। भावनाओं के अलावा मुझे कुछ नहीं दिया वरना यह ऐसा समय चल रहा है कि अगर आज कृष्ण होते और सुदामा उन्हें चावल की पोटली भेंट करते तो कोई उसका वीडियो बनाता और पीआईएल (जनहित याचिका) दायर कर देता कि पोटली में क्या है।% मोदी के गुस्से का सबसे ताजा कारण निश्चित ही हाल का वह निर्णय होगा जिसमें मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच ने मोदी सरकार द्वारा 2017-18 में लाये गये इलेक्टोरल (चुनावी) बॉन्ड्स को असंवैधानिक, नागरिक अधिकारों का हनन और सूचना के अधिकार का उल्लंघन बतलाया है। मोदी इस बात से इत्तेफ़ाक नहीं रखते कि जनता को कुछ बताया जाये। वे ऐसे हर नियम से खुद व उनकी सरकार को दूर कर देते हैं जिसमें जनता को जवाब देना पड़े। इसलिये वे मीडिया से बात नहीं करते, खुली परिचर्चाओं में हिस्सा नहीं लेते, कोई सवाल नहीं लेते। पत्रकार हों भी तो उनके अपने गोद लिये हुए अथवा अक्षय कुमार या प्रसून जोशी जैसे सिनेमा कलाकार-गीतकार हों जो उनसे पहले से दिये गये प्रश्नों के आधार पर आम चूसने के तरीकों और 18-18 घंटे काम करने के बावजूद न थकने का कारण जानना चाहते हैं।ऐसे प्रायोजित सवालों के उत्तरों पर कुर्बान होने वाला उनके प्रशंसकों व समर्थकों का एक बड़ा वर्ग है, तो मोदी को अगर खुद को प्रधानमंत्री नहीं बल्कि सम्राट होने की गलतफहमी हो जाये, तो आश्चर्य नहीं होना चाहिये। यही कारण है कि देश में लोकतंत्र का आग्रह ही नहीं बल्कि शर्त मढ़ने वाला ऐतिहासिक संसद भवन उन्हें खाने को दौड़ता है। इसलिये वे उसे बन्द कर सेन्ट्रल विस्टा बनवाते हैं, नये-नये परिधान पहनकर उसमें होने वाली कथित चर्चाओं में गेस्ट एपीयेरेंस देते हैं, विपक्ष को अपमानित करते हैं, पहले भ्रष्टाचार के अलावा कोई काम न होने का दुखड़ा सुनाते हैं। मोदी का विश्वास लोकतंत्र में नहीं राजतंत्र में है इसलिये वे नये भवन में राजदण्ड का प्रतीक सेंगोल स्थापित करते हैं। लोकतांत्रिक शासन प्रणाली में धर्म के लिये कोई जगह नहीं है इसलिये वे इसे राजतंत्र में बदलना चाहते हैं। इससे धर्म की जगह बनती है। वैसे भी जनहित के काम करने के बनिस्बत धर्म के बल पर सरकार चलाना आसान होता है। जनता को राजतंत्र प्रणाली के पक्ष में सोचने व ढालने का एक और बड़ा फायदा मोदी जैसे राष्ट्राध्यक्षों को यह मिलता है कि विपक्ष जैसे तत्व से देश को मुक्त करने की अवधारणा बलवती होती है तथा (दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से) यह भी जनता द्वारा स्वीकार कर लिया जाता है कि राजा की आलोचना नहीं की जा सकती। इसीलिये जब मोदी कहते हैं कि उन्हें विपक्ष गालियां देता है, तो उनका इशारा सरकार की आलोचना करने या सवाल करने से होता है।

लोकतंत्र को छोड़कर राजतांत्रिक शासन प्रणाली में देश विश्वास करे या न करे, मोदी करते हैं, उनकी भारतीय जनता पार्टी करती है, मातृसंस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ करता है और उनके समर्थक तो करते ही हैं। इसलिये वे यह नहीं जानते; और जानते भी हैं तो मानते नहीं, कि लोकतांत्रिक प्रणाली में शासन का कामकाज शक्ति पृथक्करण के आधार पर चलता है। सरकार से कामों से न्याय-अन्याय होने की मुहर लगाने का काम कोर्ट का होता है। संविधान में यही व्यवस्था है। न्यायालयों के सामने जवाब देने का काम सरकार का होता है। उसे न्यायपालिका में अपनी बात रखनी होती है। फैसला नापसंद होने पर भी उसे सर माथे पर लेना पड़ता है और कोर्ट द्वारा बतलाई गई खामियों को दूर करना होता है। संभल में मोदी का जो गुस्सा न्यायपालिका पर उतरा है, वह इसलिये कि उनकी सरकार को कई मामलों में कोर्ट की फटकारें सुननी पड़ी हैं। बहुत पीछे न जायें तो अनेक हालिया मामलों में केन्द्र सरकार के खिलाफ आये कई निर्णय मोदी को व्यथित करने के लिये काफी हैं। मणिपुर के मामले ने तो मोदी को घुटनों पर ला दिया था। पिछले साल के मई महीने में एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें वहां की दो कुकी महिलाओं के साथ दो माह पहले हुए अमानवीय बर्ताव की ऐसी तस्वीरें थीं जिनसे देश ही नहीं पूरी दुनिया दहल गयी थी। सवाल खड़े होने लाजिमी थे। कई देशों की संसद में भी इस पर चर्चा हुई थी। यहां तक कि मोदी को इस मामले पर मुंह खोलना पड़ा था जिनकी सरकार ने (केन्द्र व राज्य की) इसे दबाये रखा था।

नये संसद भवन के पहले सत्र के दिन तथा उनकी अमेरिका यात्रा के दौरान संक्षिप्त ही सही, परन्तु मोदी को बयान देने पड़े थे। मोदी की परेशानियां यहीं तक नहीं रूकीं। जिन मोदी ने पहले गुजरात के मुख्यमंत्री तथा बाद में पीएम के रूप में अपने (व साथियों के भी) पक्ष में कई अदालती फैसले पाए थे, डीवाई चंद्रचूड़ के आने के बाद अड़चन में हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कई निर्णय सरकार के खिलाफ दिये हैं- वे भी तल्ख टिप्पणियों के साथ। मणिपुर में कहा कि यदि सरकार कुछ नहीं करती तो कोर्ट अपने तरीके से कुछ करेगी, तो वहीं चुनावी बॉन्ड्स को रिश्वतखोरी बतलाकर सुप्रीम कोर्ट ने मोदी के ईमानदारी के मुखौटे को उतार फेंका। ऐसे ही, चंडीगढ़ मेयर के चुनाव में हुई धांधली को उन्होंने लोकतंत्र की हत्या बतलाकर भाजपा को निर्वस्त्र कर दिया। अपने उत्पादों के लिये स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के अनुसार न्यूनतम समर्थन मूल्य की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे किसानों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष जब यह गुहार लगाने जाते हैं कि, सड़क यातायात जाम के कारण सुनवाई में विलम्ब से या न आने वाले वकीलों के मुवक्किलों के विरूद्ध निर्णय न दिये जायें, तो चन्द्रचूड़ यह कहकर उन्हें बैरंग लौटा देते हैं कि वे चिंता न करें, कोर्ट देख लेगी।

पूर्ववर्ती कई जज सरकार के पक्ष में फैसला देकर उपकृत हो चुके हैं। अनुकूल फैसला देने वाले कोई जज राज्यसभा में हैं तो कोई राज्यपाल बने बैठे हैं। मोदी को ऐसे ही न्यायाधीश और ऐसी ही न्यायपालिका चाहिये। उनके दुर्भाग्य से चंद्रचूड़ बाकियों से अलग हैं। वे बेखौफ सरकार के खिलाफ फैसले दे रहे हैं और कोर्टरूम के बाहर भी लोगों को संदेश दे रहे हैं कि वे निर्भीक होकर सरकार की आलोचना करें। उनकी सुरक्षा के लिये भारत की न्यायपालिका बैठी हुई है। साथ ही अपनी ही प्रणाली पर भी राय दे रहे हैं कि अपराधिक मामलों में जमानत देने में निचली अदालतें भयग्रस्त महसूस करती हैं। ऐसी न्यायपालिका से मोदी की भयजनित नाराजगी कोई बेजा नहीं है। उनका यह डर अच्छा है कि उनके बनाये रामराज्य में सुदामा के चावल पर भी पीआईएल हो सकती है।

वीडियो गेमिंग

'खेल' खिलाना हुआ अरबों का कारोबार

कम्प्यूटर के बाद अब स्मार्टफोन पर गेमिंग का क्रेज बढ़ रहा है। इस गेम के दीवाने बच्चे ही नहीं, युवा भी हैं। यही वजह है कि गेमिंग मार्केट तेजी से बढ़ रहा है। नए-नए वीडियो गेम्स के लिए ऑगमेंटेड रिएलिटी जैसी तकनीकें लोगों को खूब भा रही हैं, जिसमें अपनी सेल्फी के जरिये गेम के किसी कैरेक्टर का रूप धारण किया जा सकता है। वहीं, जॉब्स के लिहाज से भी गेमिंग सेक्टर काफी हॉट है। नैस्कॉम की एक हालिया शोध के अनुसार, भारत की मौजूदा गेम इंडस्ट्री लगभग 890 मिलियन डॉलर (करीब 5783 करोड़ रुपए) तक पहुंच चुकी है। स्मार्टफोन की बिक्री बढ़ने के साथ ही उद्योग में और विस्तार की उम्मीद जताई गई है।

कोर्स और क्वॉलिफिकेशन

कई संस्थान वीडियो गेमिंग में डिग्री, डिप्लोमा या एडवांस डिप्लोमा प्रोग्राम ऑफर कर रहे हैं। इस तरह के कोर्स में एडमिशन 12वीं और ग्रेजुएशन के बाद लिया जा सकता है। एनिमेशन और मल्टीमीडिया कोर्स के अंतर्गत ही गेमिंग की जानकारी दी जाती है। कोर्स में ड्रॉइंग, डिजाइनिंग, प्रोडक्शन, प्रोग्रामिंग, लाइटिंग, एनिमेशन और डिजिटल आर्ट्स की जानकारी दी जाती है। कम्प्यूटर साइंस, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर इंफॉर्मेशन सिस्टम्स या इससे जुड़े पाठ्यक्रम में बीटेक/बीएससी ग्रेजुएट के लिए ये प्रोग्राम खास तरह से डिजाइन किए गए हैं।

पर्सनल स्किल

वीडियो गेम इंडस्ट्री पूरी तरह से क्रिएटिव और टेक्निकल फील्ड है। यहां कलात्मक लोगों और आईटी ग्रेजुएट्स को तरजीह दी जाती है। इसलिए गेमिंग फील्ड में करियर बनाने वालों में कम्प्यूटर में अभिरुचि के साथ-साथ गेम खेलने का शौक भी होना चाहिए। गेम डेवलपमेंट के लिए इस्तेमाल हो रही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑगमेंटेड रिएलिटी जैसी नई-नई तकनीक से वाकिफ होना होगा। प्रोग्रामिंग लैंग्वेज सी, सी ++, विजुअल बेसिक, जावा, एमईएल, 2डी/3डी तथा गणित की अच्छी जानकारी रखनी होगी। इसी तरह अच्छी कम्युनिकेशन स्किल, विजुअलाइजेशन स्किल, ड्रॉइंग एप्टिट्यूड, कलर की समझ और टीमवर्क जैसी स्किल इस प्रोफेशन में आगे बढ़ने के लिए बहुत जरूरी है।

गेम डेवलपर्स की भूमिका

गेम डेवलपर को वीडियो गेम्स डेवलपर या वीडियो गेम डिजाइनर भी कहा जाता है। आम तौर पर वीडियो गेम बनाने वाले सॉफ्टवेयर डेवलपर या इंजीनियर ही होते हैं। इससे जुड़े प्रोफेशनल्स वीडियो या कम्प्यूटर गेम्स के विकास के हर पहलू पर काम करते हैं, जिसमें गेम की डिजाइनिंग के अलावा कॉन्सेप्ट, स्टोरी राइटिंग, कोडिंग, प्रोग्रामिंग जैसे कार्य शामिल हैं। गेम की पूरी निर्माण प्रक्रिया एक टीमवर्क है। इसमें डिजाइनर्स, ग्राफिक आर्टिस्ट, प्रोग्रामर, प्रोड्यूसर और मार्केटिंग स्टाफ जैसे प्रोफेशनल्स भी सहयोग करते हैं। गेम डेवलपर किसी खास गेम प्लेटफॉर्म के स्पेशलिस्ट होते हैं। यहां एसेट डेवलपमेंट और प्रोग्रामिंग डेवलपमेंट के अंतर्गत कई दूसरे डिपार्टमेंट भी होते हैं, जिनमें प्रोफेशनल्स अपनी सेवाएं देते हैं। इसी तरह वीडियो गेम के ऑपरेटिंग इंस्ट्रक्शन और कोर फीचर के निर्माण कार्य के लिए प्रोग्रामर या सॉफ्टवेयर डेवलपर के तौर पर कई एक्सपर्ट शामिल होते हैं।

जॉब के अवसर

दुनिया के साथ-साथ भारत में भी वीडियो गेमिंग का प्रसार दिनो-दिन बढ़ रहा है। मोबाइल के अलावा, ऑनलाइन गेम्स भी खूब पसंद किए जा रहे हैं। चूंकि भारत की आबादी में युवाओं का बहुत बड़ा हिस्सा है, सो इस संभावित बाजार को देखते हुए वीडियो गेम व सॉफ्टवेयर से जुड़ी बड़ी विदेशी कंपनियां यहां अपने बिजनेस का विस्तार कर रही हैं। इनमें जॉब के अच्छे अवसर हैं। जॉब के बजाय आप चाहें, तो फ्रीलांस भी कर सकते हैं। अनुभव हो जाने पर आपके पास खुद का बिजनेस शुरू करने का भी विकल्प खुला होता है। आप किसी संस्थान में गेम डिजाइन/ डेवलपमेंट के टीचर भी बन सकते हैं।

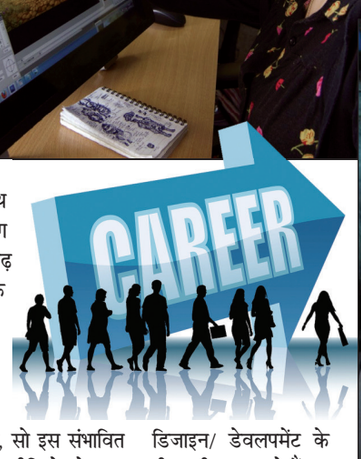

जॉब प्रोफाइल्स

गेमिंग इंडस्ट्री में स्पेशलाइजेशन का बड़ा महत्व है। यहां हर काम के लिए अलग-अलग एक्सपर्ट होते हैं। एक ही वीडियो गेम के ऑनलाइन, कंसोल, एंड्रॉयड और आईओएस जैसे अलग-अलग प्लेटफॉर्म के लिए अलगअलग गेम वर्जन तैयार होते हैं, जिन्हें बनाने में दर्जनों लोगों की टीम लगती है। ऐसे लोगों के पास गेम प्लेटफॉर्म, गेम प्ले, प्रोग्रामिंग या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी तकनीक में विशेषज्ञता होती है। वे एनवायर्नमेंट डेवलपर, लेवल डेवलपर, एसेट डेवलपर के तौर पर काम करते हैं। इस इंडस्ट्री की कुछ प्रमुख जॉब प्रोफाइल्स इस प्रकार हैं: एनिमेटर, डिजिटल वीडियो साउंड एडिटर, ग्राफिक प्रोग्रामर, प्रोड्यूसर/ डायरेक्टर, टेक्निकल आर्टिस्ट/ 3डी आर्टिस्ट, गेमिंग टेस्टर आदि।

सैलरी पैकेज

गेमिंग इंडस्ट्री में डेवलपर्स को आकर्षक सैलरी मिलती है। तीन से चार साल का अनुभव होने पर 40 से 80 हजार रुपए तक मासिक सैलरी आसानी से मिल जाती है। प्रोग्रामिंग के अनुभव और स्पेशलाइजेशन के आधार पर सैलरी कुछ वर्षों बाद लाख रुपए से भी ज्यादा हो सकती है। शुरूआत में ही वीडियो गेमिंग प्रोफेशनल्स को 20-25 हजार रुपए तक सैलरी आसानी से मिल जाती है।

गेम डिजाइनिंग के कोर्स

- एडवांस डिप्लोमा इन गेम डिजाइन/ डेवलपमेंट
- एडवांस सर्टिफिकेट इन गेम आर्ट एंड इंटीग्रेशन
- सर्टिफिकेट कोर्स इन गेम डिजाइन
- डिप्लोमा इन एनिमेशन, गेमिंग एंड स्पेशल इफेक्ट्स
- बीएससी इन गेमिंग
- एमएससी इन गेमिंग
- पीजी डिप्लोमा इन गेम डिजाइन/ डेवलपमेंट
- प्रोफेशनल डिप्लोमा इन गेम प्रोग्रामिंग

प्रमुख संस्थान

- भारतीय विद्यापीठ यूनिवर्सिटी, डीआईटीएम, पुणे (महाराष्ट्र)
- TGC एनिमेशन एंड मल्टीमीडिया, दिल्ली
- यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज, देहरादून
- एडिट वर्ल्ड स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन, नोएडा
- महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, लखनऊ

ज्वैलरी डिजाइनिंग का करियर चुने

भारत गोल्ड का सबसे बडा उपभोक्ता है और यहां जेम्स एंड ज्वैलरी के लिए बेहतर सुविधाएं भी मौजूद हैं। एक तथ्य यह भी है कि जयपुर को विश्व के सबसे बडे जेम्स कटिंग सेंटर के रूप में जाना जाता है। हालांकि, जयपुर के साथ-साथ सूरत, मुंबई, दिल्ली, अहमदाबाद आदि शहरों में जेम्स एंड ज्वैलरी के विशाल एक्सपोर्ट हाउसेज मौजूद हैं। यही कारण है कि देश के कुल निर्यात में जेम्स एंड ज्वैलरी सेक्टर का सबसे महत्वपूर्ण योगदान होने से आज भारतीय कारीगरों की बनाई ज्वैलरी को विदेशों में काफी पसंद किया जा रहा है।

समय ने बदली धारणा

वैश्वीकरण के इस दौर में युवतियों में जिस तरह फैशनेबल कपडों का क्रेज बढ रहा है। फैशन में हो रहे बदलावों ने ज्वैलरी का सारा आकर्षण तरह-तरह की डिजाइनों में केंद्रित कर दिया है। समय

की बयार के साथ समाज की यह पारंपरिक तस्वीर तेजी से बदल रही है।

क्वालिफिकेशन

जेमोलॉजी कोर्स के अंतर्गत जेम्स की पहचान, उसकी रंगत, धातु की पहचान, ड्राइंग टेक्निक्स, डिजाइन मेथोडोलॉजी, कम्प्यूटर ऐडेड डिजाइन आदि पहलुओं का अध्ययन किया जाता है. जेमोलॉजी में डिग्री (तीन-वर्षीय), डिप्लोमा (दो-वर्षीय) और सर्टिफिकेट कोर्सेज (एक साल) के साथ-साथ ट्रेंड प्रोफेशनल्स के लिए कुछ स्पेशलाइज्ड कोर्सेज भी उपलब्ध हैं। इन स्पेशलाइज्ड कोर्सेज की अवधि छह माह से छह हफ्ते तक की हो सकती है।

योग्यता

यदि आप जेम्स एंड ज्वैलरी डिजाइन के क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं, तो इसके लिए आपको कोई खास शैक्षिक योग्यता नहीं जुटानी पडेगी। यदि आप बारहवीं पास या ग्रेजुएट भी हैं, तो आपके लिए इस सेक्टर में बेहतर संभावनाएं मौजूद हैं। यदि आप बारहवीं पास हैं, तो डिग्री कोर्स में और यदि ग्रेजुएट हैं, तो डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स करने के बाद इस क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं। आपकी अंग्रेजी और कम्युनिकेशन स्किल्स बहुत अच्छी होनी चाहिए. यदि यह गुण आपमें हैं तो इससे बेहतर दूसरा क्षेत्र संभवतः आपके लिए बना नहीं है।

करियर संभावनाएं

उदारीकरण के बाद भारत के इस उभरते सेक्टर को एक नया आयाम मिला है। दरअसल, जमोलॉजी के क्षेत्र में दबदबा रखने वाली दुनिया की बडी-बडी कंपनियां भारत में तेजी से अपनी शाखाएं खोल रही हैं। कहते हैं, जिस सेक्टर में जितनी तेजी से विकास होता है, उसे और विकसित करने के लिए ट्रेंड प्रोफेशनल्स की जरूरत अनिवार्य रूप से होती है। इस लिहाज से देखें, तो जेम्स एंड ज्वैलरी सेक्टर भी अछूता नहीं रहा है, जहां आज भारी संख्या में ट्रेंड प्रोफेशनल्स की जरूरत महसूस की जा रही है। जहां तक इस क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं की बात है, जेमोलॉजी का कोर्स कर लेने के बाद आपको प्राइवेट एक्सपोर्ट हाउसेज, ज्वैलरी डिजाइनिंग एंड कटिंग फर्म्स और इससे जुडी कंपनियों में काफी आकर्षक जॉब मिल सकते हैं। इसके अलावा, यदि आप अपना बिजनेस शुरू करना चाहते हैं, तो संबंधित क्षेत्र में अनुभव और कौशल प्राप्त करने के बाद अपनी खुद की रिटेल, होलसेल या ज्वैलरी-शॉप्स खोल कर अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं।

जॉब ऑप्शंस

- ज्वैलरी-डिजाइनर, प्रोडक्ट डेवलपमेंट ऑफिसर, मर्केंडाइजर, सेल्स एंड मार्केटिंग प्रोफेशनल, कंसल्टेंट, कैड-डिजाइनर] रिसर्चर

मीडिया के करेंट ट्रेंड, नीड्स और अपॉर्च्युनिटीज को एनालाइज करने के लिए मीडिया मैनेजर्स को हायर किया जाता है। मीडिया मैनेजमेंट एक ग्रोइंग एरिया है और इसकी नॉलेज रखने वाले कैंडिडेट्स की डिमांड है। अगर आप भी मैनेजमेंट लेवल पर रिवॉर्डिंग करियर ढूंढ़ रहे हैं तो यह आपका ऑप्शन बन सकता है।

मीडिया में भी जरूरी है मैनेजमेंट, आप बनना चाहेंगे इसका हिस्सा?

वर्तमान समय में ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है जिसे मीडिया कंज्यूमर अवेयरनेस के लिए कवर न करती हो। मीडिया एक ब्रॉड टर्म है जिसमें रेडियो, टेलिविजन, फिल्म, मल्टीमीडिया, पबलिक रिलेशन, ई-कॉमर्स सब कवर होता है। मीडिया मैनेजमेंट में कैंडिडेट्स की मीडिया ट्रेंड, अपॉर्च्युनिटीज, नीड्स को एनालाइज करने की स्किल्स डेवलप की जाती हैं। यह मैनेजमेंट की स्पेशलाइज्ड फील्ड है जिसकी डिमांड बढ़ रही है। अगर आप भी खुद को इस फील्ड का पार्ट बनाना चाहते हैं तो जानिए इस कोर्स से संबंधित जरूरी जानकारियां।

कौन होते हैं मीडिया मैनेजर्स?

मीडिया मैनेजर को रेडियो, टेलिविजन से लेकर पब्लिक रिलेशन और म्यूजियम से लेकर डांस, थिएटर मीडिया की हर फील्ड की स्टडी करनी होती है। यह स्टडी इन इंडस्ट्री में चल रहे ट्रेंड्स, अपॉर्च्युनिटीज को एनालाइज करने के लिए की जाती है। मीडिया मैनेजर को मीडिया के स्ट्रक्चर की पूरी समझ होनी चाहिए कि इन सबका इम्पैक्ट ऑडियंस पर कैसे और कब पड़ेगा।

मीडिया मैनेजर की वर्क प्रोफाइल क्या होती है?

मीडिया मैनेजर बिजनेस और ब्रांड को बिल्ड करने के लिए कैंपेन की मार्केटिंग और प्लानिंग स्ट्रैटेजीस को हैंडल करते हैं। वह हर मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे डिजिटल, प्रिंट, ब्रॉडकास्ट, सिनेमा, डायरेक्ट मार्केटिंग के जरिए कैंपेन को मैनेज करते हैं। मैनेजमेंट प्रिंसिपल्स और ऑर्गनाइजेशनल थ्योरी की हेल्प से वह अपने सप्लायर्स, कॉम्पिटीटर्स, इंप्लॉइज और कंज्यूमर्स को हैंडल करते हैं।

मीडिया मैनेजमेंट कोर्स करने की एलिजिबिलिटी क्या होती है?

यह कोर्स उन कैंडिडेट्स के लिए आइडियल हो सकता है जिनके पास मास कम्यूनिकेशन का बैकग्राउंड हो। वैसा यह कोर्स हर डिसिप्लिन के कैंडिडेट के लिए ओपेन होता है लेकिन कैंडिडेट का इस फील्ड में इंटरेस्ट होना जरूरी है।

इस कोर्स को करने के बाद जॉब प्रॉस्पेक्ट्स कैसे होते हैं?

मीडिया मैनेजमेंट में ट्रेनिंग कंप्लीट करने के बाद कैंडिडेट्स टेलिविजन चैनल्स, रेडियो स्टेशन, न्यूजपेपर, पबलिशिंग कंपनीज, एंटरटेनमेंट कंपनीज, एडवरटाइजिंग फर्म्स, प्लानिंग ऑर्गनाइजेशन में काम कर सकते हैं। आजकल ट्विटर, फेसबुक जैसे मीडिया पोर्टल्स और सोशल मीडिया साइट्स में भी जॉब ओपनिंग अवेलेबल हैं।

मीडिया मैनेजर का स्टार्टिंग सैलेरी पैकेज क्या हो सकता है?

मीडिया मैनेजर का सैलेरी पैकेज उनकी कंपनी और शहर पर डिपेंड करता है। वैसे इस फील्ड में स्टार्टिंग सैलेरी पैकेज 2.5 से 3 लाख पर ईयर तक हो सकता है।

क्या आपको मीडिया में करियर बनाना है?

अगर आपको चुनौतियों से हर रोज खेलने का शौक है, तो मीडिया का क्षेत्र आपके लिए है। आज जिस कदर मीडिया का विस्तार हो रहा है, ऐसे में यहां खूब अवसर हैं। हां, आपको यह जरूर ध्यान रखना होगा कि इस फील्ड में बाहर से जितना ग्लैमर दिखता है, भीतर उससे कहीं ज्यादा परिश्रम की जरूरत होती है। आइए जानते हैं मीडिया में करियर बनाने के बारे में कुछ प्रमुख बातें।

क्या हैं ऑप्शंस?

- अखबार
- न्यूज टीवी चैनल
- न्यूज वेबसाइट
- रेडियो
- मैगजीन।

कौन-कौन-सी भूमिकाएं?

- रिपोर्टर
- कॉपीराइटर
- एंकर
- बुलेटिन प्रोड्यूसर
- कैमरामैन
- लाइट्समैन
- स्क्रिप्ट एडिटर
- वीडियो एडिटर
- ग्राफिक्स डिजाइनर
- कॉर्टूनिस्ट।

स्किल्स

- बिना थके लगातार काम करने की क्षमता
- ऑब्जर्वेशन तथा एनालिसिस पावर
- पब्लिक रिलेशंस और कम्युनिकेशन स्किल
- हर रोज सीखने की चाहत
- टाइमिंग तथा एक्यूरेसी।

एक्सपर्ट अनुभव

बारहवीं के बाद ही मैंने तय कर लिया था कि मुझे जर्नलिस्ट बनना है। शुरूआत में थोड़ी अलग राह पर जरूर गया। सिविल सर्विसेज की तैयारी करने लगा, लेकिन फिर गोल क्लियर था। भले ही मुझे आर्थिक जरूरतों के लिए ट्यूशन पढ़ाकर गुजारा करना पड़ा, लेकिन उसी वक्त मैंने चुनौतियों से लड़ना और उन्हें हराना सीखा। इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन के बाद आईआईएमसी से जर्नलिज्म की पढ़ाई की और आज दूरदर्शन में बिजनेस एंकर हूं तथा सीनियर कॉरेस्पॉन्डेंट भी।

स्वाइन फ्लू से शिशु को बचाएँ - स्तनपान कराएँ

स्तनपान शिशु की रोगप्रतिरोधक क्षमता को बढाता है

क्या स्वाइन फ्लू से ग्रस्त माता को अपने शिशु को स्तनपान कराना चाहिए? जवाब है हाँ। और इसके पीछे की मूल वजह यह है कि यदि माता को स्वाइन फ्लू है तो बहुत सम्भव है कि उसके शिशु को भी यह बिमारी लग चुकी होगी चाहे वह उसे स्तनपान कराए या नहीं।

ब्रैस्टफीडिंग प्रोमोशन नेटवर्क ऑफ इंडिया और वर्ल्ड एलायंस फोर ब्रैस्टफीडिंग एक्शन ने स्वाइन फ्लू से ग्रस्त माता द्वारा स्तनपान कराए जाने का समर्थन किया है।

स्तनपान शिशु की रोगप्रतिरोधक क्षमता को बढाता है। माता के दूध की वजह से शिशु का शरीर इस तरह के इंफैक्शन से लड़ने के लिए ताकत हासिल करता है। इसलिए इंफ्लूएंजा जैसी बिमारियों से बचाव के लिए स्तनपान कराना अतिआवश्यक है।

यदि माँ के शरीर में किसी खास बिमारी से लड़ने की प्रतिरोधक क्षमता ना हो तो भी उसके दूध से शिशु वह क्षमता प्राप्त कर सकता है।

चिकित्सकों का तो यहाँ तक कहना है कि स्वाइन फ्लू के फैलाव के दौरान माता को स्तनपान कराने की मात्रा बढा देनी चाहिए।

स्वाइन फ्लू से बचाव के लिए शिशु के आसपास का वातावरण स्वच्छ रखना चाहिए और अपने हाथों को लगातार धोते रहना चाहिए। यह ध्यान रहे कि कम से कम लोग शिशु के पास जाए और जो भी उसे हाथ लगाए उसके हाथ धुले हुए हों।

हेल्थ प्लस

कसरत के दौरान

- पहले यह तय कर लें कि केवल वजन घटाने के लिए व्यायाम कर रहे हैं या सामान्य फिटनेस के लिए।
- ऐसी कसरत का चयन करें, जो आप के आफिस के काम से अलग हो।
- शरीर के किसी एक भाग के बजाय पूरे शरीर के व्यायाम पर ध्यान दें वरना कमजोर मांसपेशियों में चोट लग सकती है।
- ज्यादा खाना खाने के बाद कभी कसरत न करें।
- जिम के उपकरणों का इस्तेमाल शारीरिक बनावट व उपकरणों के वजन को ध्यान में रख कर करें वह इंस्ट्रक्टर से सलाह लें।
- हमेशा सही मुद्रा में ही कसरत करें।

हँसना दमे के लिए खतरनाक

दमे से पिड़ित मरीजों के लिए अधिक हँसना नुकसानदेय साबित हो सकता है

यूँ तो ऐसा माना जाता है कि हँसना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है। इसमें सच्चाई भी है, लेकिन यह बात उन लोगों पर लागू नहीं होती जिनको दमे की शिकायत है।

दमे से पिड़ित मरीजों के लिए अधिक हँसना नुकसानदेय साबित हो सकता है। ऑस्ट्रेलिया में किए गए एक सर्वे के नतीजे बताते हैं कि दमे के शिकार 40% लोगों ने माना कि वे दैनिक जीवन में अधिक हँसने से बचते हैं क्योंकि इससे उन्हें सांस लेने में तकलीफ होती है।

अधिक और देर तक हँसने से फेफड़ों में हवा की मात्रा कम हो जाती है और दमे के मरीजों की सांसे फूलने लगती है। उनकी सांसें तेज हो जाती है और सांस लेने में कठिनाई भी आती है।

इसलिए दमे के रोगियों के लिए अधिक हँसना अनुकुल नहीं है। कई चिकित्सक दमे के रोगियों को गुब्बारे फूलाने का कार्य करने को कहते हैं। गुब्बारे फूलाने से फेफड़ों पर दबाव पड़ता है और वे मजबूत बनते हैं।

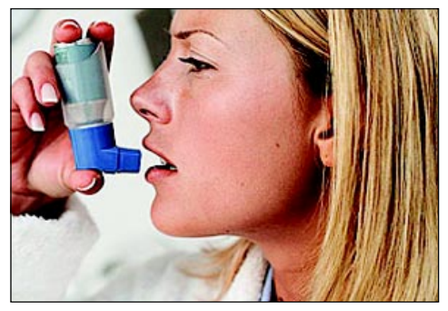

बहरहाल दमे के रोगी हँसने की बजाय मुस्कुरा कर ही काम चला सकते हैं।

सौंफ आपकी किचन का जानदार साथी

भारतीय अपने हर भोजन के बाद सौंफ से मुँह का स्वाद ठीक करना चाहते हैं। उन्हें इस बात का पता नहीं होता कि सौंफ में चमत्कारिक गुण हैं। हर भोजन के बाद इसे पाचक माना जाता है, लेकिन बहुत कम लोगों को पता है कि यह रक्तशोधक भी है।

विटामिन 'सी' से युक्त सौंफ में कैल्शियम, सोडियम, फॉस्फोरस, आयरन और पोटेशियम जैसे अहम तत्व होते हैं और यूनानी दवाओं में सौंफ की बेहद सिफारिश की जाती है। पेट के कई विकारों जैसे मरोड़, दर्द और गैस्ट्रो विकार के उपचार में यह बहुत लाभकारी है। सौंफ स्मृति और नेत्र ज्योति बढ़ाती है। इससे कफ का इलाज हो सकता है और इससे कॉलेस्ट्रोल भी काबू में रहता है।

चमत्कारी सौंफ के सेहत के लिए फायदे कुछ इस प्रकार हैं-

- भोजन के बाद रोजाना 30 मिनट बाद सौंफ लेने से कॉलेस्ट्रोल काबू में रहता है।
- 5-6 ग्राम सौंफ लेने से लीवर और आँखों की ज्योति ठीक रहती है।
- अपच संबंधी विकारों में सौंफ बेहद उपयोगी है। बिना तेल के तवे पर तली हुई सौंफ और बिना तली सौंफ के मिक्चर से अपच के मामले में बहुत लाभ होता है। दो कप पानी में उबली हुई एक चम्मच सौंफ को दो या तीन बार लेने से अपच और कफ की समस्या समाप्त होती है।
- अस्थमा और खाँसी के उपचार में सौंफ सहायक है। कफ और खाँसी के इलाज के लिए सौंफ खाना उपयोगी है।
- गुड़ के साथ सौंफ खाने से मासिक धर्म नियमित होता है।
- यह शिशुओं के पेट और उनके पेट के अफारे को दूर करने में बहुत उपयोगी है। एक चम्मच सौंफ को एक कप पानी में उबलने दें और 20 मिनट तक इसे ठंडा होने दें। इससे शिशु के कॉलिक का उपचार होने में मदद मिलती है। शिशु को एक या दो चम्मच से ज्यादा यह घोल नहीं देना चाहिए।
- सौंफ के पावडर को शकर के साथ बराबर मिलाकर लेने से हाथों और पैरों की जलन दूर होती है। भोजन के बाद 10 ग्राम सौंफ लेनी चाहिए।
- भोजन के बाद सौंफ चबाने से साँस तरोताजा रहती है, अपच दूर होती है और कब्ज भी खत्म होती है। मितली का अहसास भी इससे दूर होता है।

तंबाकू व कैंसर

भारत में हर साल तकरीबन 2,50,000 लोग तंबाकू सेवन से होने वाले कैंसर का शिकार होते हैं। तंबाकू सेवन से होने वाली बीमारियों से भारत में प्रतिदिन 2200 लोगों की मौत होती है। अगर आप तंबाकू / बीड़ी का इस्तेमाल नहीं भी करते फिर भी स्वयं मुख अवलोकन आवश्यक है। मुँह, दाँत, जबान एवं तालू का स्वयं द्वारा अवलोकन बहुत जरूरी है जिसमें, बिना विशेषज्ञ के, इंसान स्वयं अपना ध्यान रख सकता है। अगर आपको कुछ शंका है तो कैंसर विशेषज्ञ से मिलें। मुँह के कैंसर के जल्द निदान के लिए डॉक्टर से मुँह की सालाना जाँच कराएँ। लॅरिगोस्कोपी से डॉक्टर दूरबीन के द्वारा स्वरयंत्र की जाँच करते हैं। बायोप्सी संदेहास्पद जगह / घाव का एक छोटा सा टुकड़ा लेकर डॉक्टर सूक्ष्मदर्शी यंत्र से जाँच करते हैं। इसके बिना कैंसर का निदान संभव नहीं है।

कुछ तथ्य

40 प्रतिशत कैंसर तंबाकू सेवन की वजह से होते हैं।

- तंबाकू सेवन से मुँह, नाक, स्वरयंत्र, अन्ना नलिका का कैंसर हो सकता है।
- पेट, मूत्रालय, गुर्दा (किडनी) और गर्भाशय मुख के कैंसर भी तंबाकू सेवन से हो सकते हैं।
- सिगरेट और बीड़ी दोनों बराबर हानिकारक हैं।
- कोई भी सिगरेट सुरक्षित या कम हानिकारक नहीं होती। फिल्टर्ड, मैंथॉल, इम्पोर्टेड, कम टार या कम निकोटिन, हर तरह की सिगरेट स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाती है।
- पान, सुँघनी/ नसवार या दंतमंजन किसी भी रूप में तंबाकू के सेवन हानिकारक होता है।

मुँह के कैंसर के प्रारंभिक लक्षण

मुँह का कैंसर होने से पहले मुँह में कुछ लक्षण दिखाई देते हैं जिन्हें कैंसर के पूर्व लक्षण या पूर्वावस्था कहते हैं। यही लक्षण आगे चलकर कैंसर पैदा करते हैं।

■ ल्यूकोप्लेकिया (मुँह में सफेद छाले)

यह सामान्यत: मुँह में तंबाकू रखे जाने वाली जगहों पर होते हैं।

■ एरिथ्रोप्लेकिया (मुँह में लाल छाले)

यह मखमली लाल छाले मुँह में कहीं भी हो सकते हैं।

■ सबम्यूकस फाईब्रोसिस

(1) मुँह पूरा खोलने में कठिनाई होती है।

(2) तीखा, मसालेदार खाने पर मुँह में जलन होती है।

■ ठीक न होने वाले जख्म-

यह जख्म अक्सर दर्दरहित होते हैं और लगातार बढ़ते जाते हैं। कैंसर के इन प्रारंभिक लक्षणों की पहचान कर समय पर उपचार एवं सावधानियाँ रख कैंसर को बढ़ने से रोका जा सकता है।

बारिश में होने वाला फंगल इंफेक्शन (दाद)

वर्षा ऋतु में चर्म रोग अनेक प्रकार के होते हैं जैसे दाद, खाज, खुजली, फोड़े-फुंसियाँ व बरसाती कीड़ों से होने वाली एलर्जी। इनमें बहुतया होने वाला फंगल इंफेक्शन है। इसे सामान्य भाषा में दाद या फफूँद भी कहते हैं। यह शरीर के किसी भी स्थान पर हो सकता है। जहाँ की त्वचा नम होती है उन स्थानों पर ज्यादातर होता है, जैसे जाँघ, बगल, स्तनों व नीचे जननांगों पर आदि। ये स्थान ज्यादातर ढँके रहने वाले अंग हैं।

नमी की वजह से फंगल विकसित हो जाता है। इसमें त्वचा पर सफेद पपड़ी-सी जम जाती है जिसमें काफी खुजली भी होती है। ध्यान न देने पर इसमें कभी-कभी बैक्टीरिया का संक्रमण भी हो जाता है। शरीर के अलग-अलग भागों में होने की वजह से यह अलग-अलग प्रकार का होता है, जैसे-

- **भभूति :** इसे सामान्य भाषा में भभूति कहते हैं। इसमें त्वचा पर सफेद भूरे-से चकते बन जाते हैं।
- **खुरान :** यह संक्रमण पैरों की उँगलियों के बीच में होता है। इसमें पहले खुजली होती है बाद में छोटे-छोटे छाले बन जाते हैं और वहाँ की चमड़ी निकलने लगती है। इससे बैक्टीरिया संक्रमण भी हो जाता है।
- शरीर के किसी भाग पर होने पर गले, पेट, पीठ आदि पर इसे टिनिया कोरपोरिस कहते हैं।
- जननांगों पर संक्रमण हो तो उसे टिनिया कोरपोरिस कहते हैं।
- दाढ़ी वाले स्थान पर होता है तो उसे टिनिया बार्बू कहते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरंजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-1-3-5

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। उतावलेपन से बचें। प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-3-6-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-5-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। प्रेमभाव बढ़ेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। दुर्लभ स्वप्न साकार होंग। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। स्त्री पक्ष का सहयोग मिलेगा शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से कोशिश सफल होगी। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-3-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। इच्छित कार्य सफल होंगें। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 1996

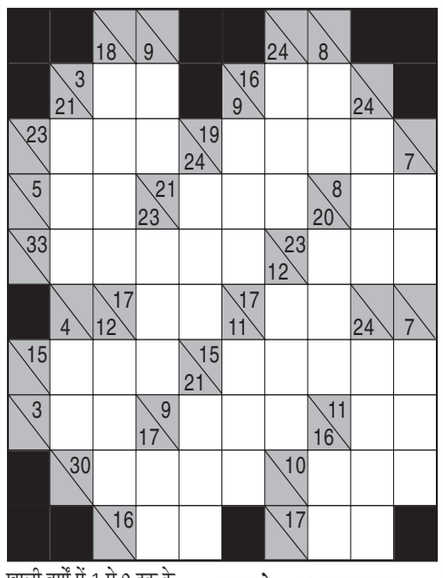

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

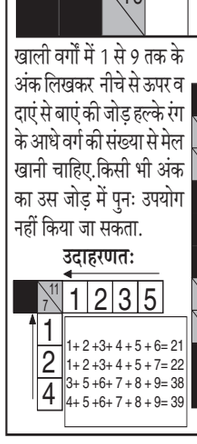

काकुरो - 1995 का हल

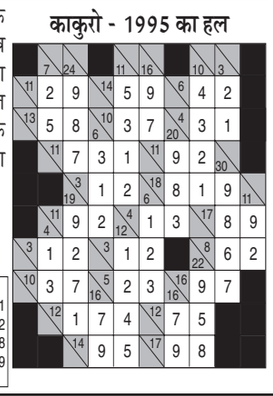

हंसी के फव्वारें

कठघरे में खडे चोर से जज ने कहा, 'अजीब बात है, जब मैं वकील था तो तुमने मुर्गी चुरायी, जब मैं सरकारी वकील बना तो तुमने एक बकरी चुरायी और आज जब मैं जज बन गया हूं तो तुमने एक भैंस चुरायी आखिर ऐसा क्यों?'

चोर - हुजूर, वजह बहुत साफ है, आपके साथ-साथ मैने भी तरक्की की है.

□ □ □

मीना (रीना से) - बिना बांहों का स्वेटर तुम कितने दिनों में बना सकती हो.

रीना (मीना से)- यह तो रिश्ते पर निर्भर करता है. यदि स्वेटर प्रेमी का है तो दो दिन में, जीजा का है तो सात दिन में और यदि पति का है तो दो महीने भी लग सकते हैं.

□ □ □

एक भिखारी को बैंक में घुसते देख चौकीदार बोला, 'अरे-अरे बाबा आगे जाओ यहां कुछ नहीं मिलेगा.'

भिखारी (चौकीदार से)- अरे भैया, मै यहां कुछ लेने नहीं अपना पैसा जमा कराने आया हूं.

□ □ □

पत्नी (पति से)- कितनी बार कहा है कि अपने बालों में खिजाब लगाओ, बुड्ढे नजर आते हो.

पति (पत्नी से)- अरे भाग्यवान! अगर मैंने बालों में खिजाब लगा लिया तो लड़कियों से बेधड़क बात नहीं कर पाऊंगा.

फिल्म वर्ग पहेली- 1996

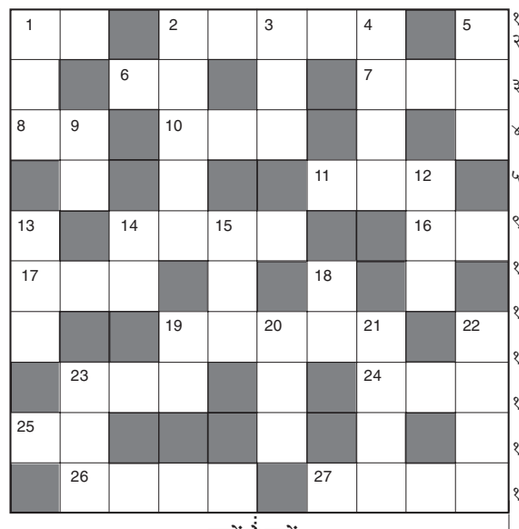

बायें से दायें:-

१. फरदीन, करीना की अमिताभ बच्चन की शीर्षक भूमिका वाली फिल्म-२
२. 'चल दरिया में डूब' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा, मुमताज की फिल्म-२,३
६. करणनाथ, मनीषा, नताऱ्या की 'दिल तो उड़ने लगा' गीत वाली फिल्म-२
७. 'बाहर है प्रॉबलम' गीत वाली अमृता सिंह, अमिताभ, मीनाक्षी की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'सुनता है मेरा खुदा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-३
११. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'गोरी तेरे अंग अंग में' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'बोल बेबी बोल' गीत वाली अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१६. बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'कोई माने या ना माने' गीत वाली फिरोजखान, रेखा की फिल्म-३
१९. देवआनंद, वहीदा की 'है अपना दिल तो आवारा' गीत वाली फिल्म-३,२
२३. 'गिर गया झुमका' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
२४. फिल्म 'तीसरी कसम' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी?-३
२५. प्राण, नवीन निश्चल, रेखा की 'ना सतरा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२७. अजय देवगन, रानी मुखर्जी की 'ना ना मेहंदी ना मुझको लगाना' गीत वाली फिल्म-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, शबाना आजमी की फिल्म-३
२. देवआनंद, वहीदा रहमान की 'रंगीला रे तेरे रंग में' गीत वाली फिल्म-२,३
३. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफ ताब, लिसा रे की फिल्म-३
४. फिल्म 'रफूचक्कर' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी?-२,२
५. फिल्म 'छैला बाबू' में राजेश खन्ना के साथ नायिका कौन थी?-३
९. अमिताभ, रितिक, प्रीती जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'तुम रूठ के मत जाना' गीत वाली भारतभूषण, मधुबाला की फिल्म-३
१३. किशोर कुमार, चाँद उस्मानी की 'छोटा सा घर होगा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, टिवंकल की फिल्म-२
१५. फरदीनखान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तेरे प्यार का छाया नशा' गीत वाली आफताब, युक्ता मुखी की फिल्म-२
१९. फिल्म 'काश आप हमारे होते' का नायक कौन है?-२
२०. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की 'तुम सा नहीं देखा' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'ये लड़की जरा सी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२२. मिथुन चक्रवर्ती, ऋतुपर्णा की 'गोरे रंग का जमाना' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 1995

आ	ई	मि	ल	न	की	बे	ला		श
गा		ल		गिं		ना		मि	ली
ज	मी	न		स	न	म			मा
	ना		सु		गी		पिं	ज	र
ज		प	र	वा	न			ल्ला	
ग	द	र		स्त		दो	ब	द	न
ल		ख		व	ध		ल		व
	क		ना		न	ग	मा		रं
श	ह	जा	दा		वा			रं	ग
	र		न	या	न	शा		भा	

सूडोकु -1996

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1995 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

शब्द पहेली - 1996

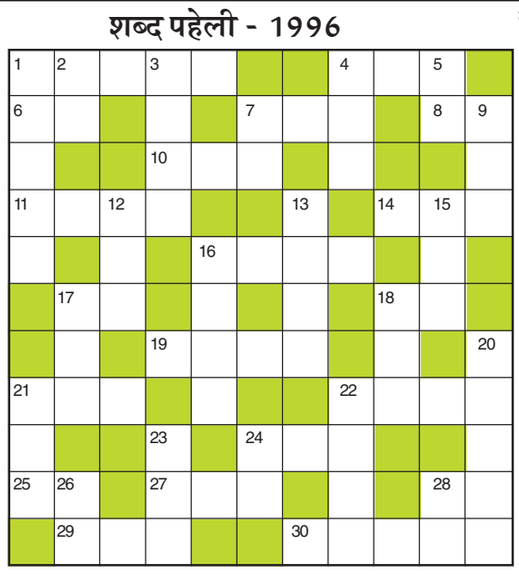

बाएँ से दाएँ

1. हाईकमान-5
4. बुशर्ट,शर्ट-3
6. लाख,गोंद-2
7. प्रतिज्ञा-3
8. मां का भाई-2
10. धनवान,रईस-3
11. मरने के बाद शरीर को परीक्षण के लिये दान करना-4
14. जिज्ञासा,उत्साह-3
16. अनगिनत-4
17. वर्ष,बरस-2
18. लय,स्वर-2
19. गदर,बलवा-4
21. ईर्ष्या-3
22. गरुर,घमंड-4
24. राजा,सम्राट-3
25. पानी से सराबोर-2
27. व्यर्थ,फिजूल-3
28. चतुर्थ,चौथा-2
29. बहने का भाव-3
30. मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1. आरामदायी-5
2. एक अनमोल रत्न, दुलारा-2
3. सेवा शुल्क-4
4. अभिव्यक्ति-3
5. बचत,जोड़-2
7. वहम-2
9. स्वामी-3
12. प्रवेश-3
13. धरोहर,थाती-4
15. तरंग,हिलोर-3
16. निरंकुश,मुंहजोर-4
17. किनारा,तट
18. कामधेनू, सुगंध-3
20. नुकसानदेह-5
21. दुनिया,जग-3
22. कहासुनी-4
23. चयन-3
24. चट्टान,शिला (अंग्रेजी-2)
26. ईश्वर,भगवान-2
28. प्रेम,लगन-2

शब्द पहेली - 1995 का हल

	बं	दा	न	बा	ज		आ	स	मा	न
न	दी		र		ल	बा	दा		र	जा
व		ज	म	ज	म		ध	री		क
जी	म	ना			ह	ठ		ता	क	त
व		चा		जे	ल		पे		ता	
न	ग	र	से	ठ		फ	ट	का	र	ना
	री		ना		स	ना		रो		म
सु	ब	ह		दा	म			बा	री	क
र		क	श		झ	न	का	र		र
ता	प		प	र	दा		म		क	ण
ल	ध	प	ध		र	च	ना	का	र	

अयोध्या में थार जीप व ट्रक की टक्कर में दो युवकों की मौत, परिवार में मचा कोहराम

अयोध्या. अयोध्या जिले में सड़क हादसा हो गया। अयोध्या- प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग पर परोमा गांव के निकट ट्रक और थार जीप दोनों गाड़ियों में आमने-सामने जबरदस्त टक्कर हो जाने से घटनास्थल पर ही दो लोगों की मौत हो गई। इस दौरान घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाल लालचंद सरोज एवं चौकी इंचार्ज अपनी पुलिस टीम के साथ स्थल पर पहुंचकर लाश को कब्जे में ले लिया।

कोतवाल लालचंद सरोज ने गुरुवार को बताया कि जनपद वाराणसी से अयोध्या शहर थार चालक जनपद कानपुर नगर, नगर निगम निवासी 36 वर्षीय प्रदीप कुमार पुत्र मनोज कुमार व 28 वर्षीय अग्निवेश सिंह पुत्र तेज बहादुर सिंह निवासी रमाकांतनगर पिशाच मोचन वाराणसी से अयोध्या लक्ष्मण पुरी कॉलोनी अमानीगंज अपने निज आवास पर चालक के साथ वापस घर आ रहे थे कि रात 12:15 बजे परोमा गांव के निकट हाइवे पर अयोध्या से सुल्तानपुर की तरफ जा रही तेज रफ्तार ट्रक यूपी 43 एटी 4548 सामने से थार जीप यूपी 42 बीक्यू 0707 से जा टकराई।

इस दौरान थार जीप चकनाचूर हो गई और ट्रक ड्राइवर खलासी सहित गाड़ी छोड़कर फरार हो गए। टक्कर के बाद दोनों गाड़ियां गड्ढे में चली गई। इस बड़ी घटना से परिजनों और रिश्तेदारों में कोहराम मच गया है। पुलिस ने दोनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भिजवाए।

हल्द्वानी में नोट बांटने वाला सलमान खान कौन, किसी को 4 तो किसी को 5 गड्डियां थमा दीं

हल्द्वानी. हल्द्वानी में नोटों से भरा बैग लेकर कैश बांटते हुए एक शख्स को पुलिस ने हिरासत में लिया है। अब तक की पूछताछ में वह पैसों का हिसाब किताब नहीं दे पाया है। आरोपी का नाम सलमान खान है, जो हैदराबाद से आया था। हल्द्वानी के हिंसा प्रभावित क्षेत्र वनभूलपुरा में नोटों की गड्डियां बांटते हुए उसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इंस्टाग्राम पर अपलोड कई वीडियो में वह भड़काऊ बातें भी करता दिख रहा है। पुलिस अब उसकी पूरी कुंडली खंगालने में जुटी है।

आरोपी सलमान खान के इंस्टाग्राम अकाउंट से पता चलता है कि वह हैदराबाद यूथ करेज (एचवाईसी) नाम का एनजीओ चलाता है। 12 लाख से अधिक फॉलोअर्स वाले सलमान ने इंस्टाग्राम पर कई वीडियो डाले हैं जिसमें वह लोगों को पैसे बांटता नजर आ रहा है। हल्द्वानी हिंसा को लेकर उसने कई भ्रामक और भड़काऊ पोस्ट किए हैं। लाइव हिन्दुस्तान ने और पड़ताल की तो पता चला कि हैदराबाद साइबर पुलिस भी उसे गिरफ्तार कर चुकी है।

हैदराबाद साइबर पुलिस की ओर से 26 मार्च 2021 को एक फेसबुक पोस्ट में कहा गया था कि हैदराबाद के हुमायूं नगर में रहने वाला सलमान खान बीमार लोगों की मदद के नाम पर लोगों से अवैध तरीके से पैसे हासिल कर रहा था। उस पर लोगों में भय पैदा करने का भी आरोप लगाया गया था। उसे आईपीसी की धारा 406, 420 और 34 के तहत 29 जुलाई 2020 को गिरफ्तार किया गया था। 19 मार्च 2021 को भी उसे एहतियात के तौर पर हिरासत में रखा गया था।

हल्द्वानी पुलिस अब उससे पूछताछ करके यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि उसके पास यह रकम कहां से और कैसे आई। सवाल यह भी उठता है कि वह हैदराबाद से दिल्ली फ्लाइट से आया तो इतना कैश कैसे लेकर आया। वह कैश हैदराबाद से लेकर आया था या हल्द्वानी में ही इसकी व्यवस्था की थी इसकी भी पड़ताल की जा रही है।

मिर्जापुर में दिखेगी सांसद और विधायक सगी बहनों के बीच चुनावी जंग! आमने-सामने होंगी अनुप्रिया-पल्लवी

उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर लोकसभा सीट पर सांसद और विधायक सगी बहनों के बीच चुनावी जंग देखने को मिल सकती है। अधिक संभावना बन गई है कि इस सीट से दोनों सगी बहने आमने-सामने चुनाव मैदान में नजर आ सकती हैं।

मिर्जापुर. लोकसभा चुनाव की तिथियां करीब आते ही दो धड़ों में बंटे स्व. सोनेलाल पटेल के परिवार में राजनीतिक वर्चस्व की जंग दिखने के आसार बनते नजर आ रहे हैं।

सपा ने मिर्जापुर संसदीय क्षेत्र से चुनावी तैयारी के लिए अपना दल (कमेरावादी) को हरी झंडी दे दी है। सूत्र बताते हैं कि इस सीट से अपना दल (कमेरावादी) की नेता व सपा से सिराथू की विधायक पल्लवी पटेल विपक्ष का चेहरा होंगी।

जो राजनीतिक दांव पेंच इस सीट को लेकर चले जा रहे हैं, उसमें अधिक संभावना बन गई है कि इस सीट से दोनों सगी बहने आमने-सामने चुनाव मैदान में नजर आ सकती हैं।

अनुप्रिया को घेरने के लिए सपा ने चला यह दांव

पल्लवी पटेल के प्रत्याशी के रूप में उतरने पर इस सीट का चुनाव रोचक हो जाएगा क्योंकि ऐसी स्थिति में उनका मुकाबला इस सीट से उनकी सगी बहन मौजूदा सांसद व केंद्र सरकार में राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल से होगा। एनडीए सहयोगी अपना दल (सोनेलाल) की अध्यक्ष केंद्रीय राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल को घेरने के लिए विपक्ष ने इसी रणनीति के तहत यह फैसला करने पर विचार हो रहा है। अद (कमेरावादी) के सूत्रों के

मुताबिक सपा ने मिर्जापुर सीट गठबंधन के तहत पार्टी को दे दी है। इसके अलावा पार्टी की दावेदारी दो अन्य सीटों पर भी है, जिस पर जल्द ही फैसला हो जाएगा। दो अन्य सीटों में पार्टी की दावेदारी फूलपुर, मछलीशहर सीट पर अधिक है।

एनडीए की निगाहें भी लगी हैं पल्लवी पर

चर्चा तो यह भी है कि भाजपा नहीं चाहती है कि इस तरह की कोई स्थिति बने। सूत्र बताते हैं कि भाजपा केंद्रीय नेतृत्व अद (कमेरावादी) के नेताओं के संपर्क में है।

संभव है कि जल्द ही भाजपा इन्हें भी एनडीए में समायोजित करने का कोई फार्मूला ले आए।

ऐसा होने पर परिवार के बीच चल रही राजनीतिक वर्चस्व की लड़ाई पर विराम लग जाएगा।

शादी के 48 घंटे बाद मां बनी दुल्हन ने बेटे को दिया जन्म, पति और ससुराल वालों ने किया ये काम

यूपी के मैनपुरी में एक महिला शादी के 48 घंटे बाद मां बन गई। महिला ने शादी के अगले ही दिन एक बेटे को जन्म दिया। पति और ससुराल वाले पहले तो महिला को अस्पताल ले गए उसके बाद उन्होंने ये काम किया।

मैनपुरी. मैनपुरी में शादी के 48 घंटे बाद ही दुल्हन ने बेटे को जन्म दे दिया। दुल्हन ने बेटे को जन्म दिया तो दूल्हा और उसके परिवार के लोगों के होश उड़ गए। दूल्हे और उसके परिजनों ने बेटे को अपनाने से इनकार किया तो हड़कंप मच गया। अस्पताल प्रबंधन को बताए बिना दूल्हा पक्ष दुल्हन को छोड़कर भाग निकला। सूचना पर पहुंचे मायके पक्ष के लोग प्रसूता और बेटे को लेकर चले गए। बच्चा बेचने की अफवाह फैली तो अस्पताल प्रशासन ने फोन कर दोनों पक्षों को बुला लिया। बाद में मामला निपटा दिया गया।मामला से जुड़ी कहानी कुसमरा क्षेत्र के एक गांव की है। यहां के निवासी युवक की शादी अपने बड़े भाई की साली के साथ दो दिन पहले हुई थी। बारात और दुल्हन लेकर युवक घर आ गया। घर में रिश्तेदार भी थे। मंगलवार की रात नाच-गाने के दौरान दुल्हन के पेट में दर्द शुरू हो गया। दूल्हा पक्ष के लोग उसे आनन फानन में सौ शैया अस्पताल ले आए। रात 2:20 बजे उसे भर्ती किया गया और 2:22 बजे दुल्हन ने सामान्य डिलीवरी के तहत एक पुत्र को जन्म दे दिया।

बच्चा पैदा हुआ तो दूल्हा और उसके घरवाले हैरान रह गए और दुल्हन, बच्चे को छोड़कर भाग निकले। इसी बीच खबर मिली तो दुल्हन के घरवाले अस्पताल पहुंच गए और वे भी अस्पताल प्रबंधन को जानकारी दिए। बिना दुल्हन व नवजात को अपने साथ ले गए।

समाजसेविका ने समझाया तो मान गया दुल्हा पक्ष

बुधवार की सुबह अफवाह फैल गई कि अस्पताल से बच्चे को बेच दिया गया है। इस सूचना पर सीएमएस डा. एसके उपाध्याय ने फोन करके दोनों पक्षों को अस्पताल बुला लिया। सूचना पाकर वरिष्ठ समाजसेविका आराधना गुप्ता भी पहुंच गई। उन्होंने दोनों पक्षों को समझाया। जिसके बाद दूल्हा पक्ष दुल्हन और बच्चे को अपने साथ ले जाने के लिए राजी हो गया।

दोपहर डेढ़ बजे अस्पताल से प्रसूता और नवजात को छुट्टी दे दी गई। उधर शादी के दो दिन बाद ही बच्चे को जन्म देने की चर्चाएं दिनभर अस्पताल में बनी रही। युवक के गांव में भी ये मामला चर्चा का विषय बना। हुआ है।

खनन विभाग का होगा अपना फोर्स- खुलेगा कंट्रोल रूम, मंत्री विजय सिन्हा ने किया ऐलान; नीतीश भी सख्त

पटना. बिहार में खनन माफिया की अब खैर नहीं। खान एवं भू तत्व विभाग के समीक्षा बैठक के बाद डिप्टी सीएम सह खनन विभाग के मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा है कि खनन माफिया को लेकर सरकार काफी गंभीर है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं कि बिहार से माफिया गिरी खत्म की जाएगी। उधर डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा है कि बिहार में तीन प्रकार के माफिया सक्रिय हैं जिनमें शराब माफिया, जमीन माफिया और खनन माफिया शामिल हैं। इनकी समाप्ति के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। नीतीश कुमार भी इस मुद्दे पर काफी सख्त और प्रतिबद्ध हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आदेश के बाद खनन विभाग के पिछले 1 साल के कार्यों की समीक्षा की जा रही है। महागठबंधन सरकार में यह विभाग राजद के कोटे में था विजय सिन्हा ने कहा कि माफिया तत्वों का जिस तरह से वर्चस्व बढ़ता जा रहा है उस पर रोक लगाना मुख्यमंत्री का मकसद है। उन्होंने इसे लेकर स्पष्ट निर्देश दिया है कि खनन माफिया में वे लोग शामिल हैं जो बिहार में अराजकता फैला रहे हैं। इन पर कमान कसने के लिए विभाग में कंट्रोल रूम बनाने का निर्देश दिया गया है। यहीं से बालू घाटों पर खनन की गतिविधियों के मॉनिटरिंग की जाएगी। सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे और खनन विभाग का अपना फोर्स होगा।

पिछले दिनों माफिया तत्वों ने खनन विभाग के पदाधिकारी पर हमला किया। मंत्री ने कहा कि इस पर रोक लगाने के लिए खनन विभाग अपना फोर्स विकसित करेगा। जिस थाना क्षेत्र में यह घटनाएं हुई हैं वहां के पदाधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। अन्य दिनों में अवैध खनन को लेकर भी थाना अध्यक्ष जिम्मेदार होंगे। उन्हें इससे संबंधित पत्र जल्द भेजा जाएगा।

इधर डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने डीजीपी को निर्देश दिया है कि शराब, जमीन या बालू माफिया को खत्म करने के लिए किसी की पैरवी नहीं सुनें। हर हाल में राज्य को इनसे मुक्ति दिलाना है। राज्य में 80 प्रतिशत अपराध की जड़ ये तीन ताकतें हैं। इसकी चिंता सरकार को है। उन्होंने साफ संदेश दिया है कि ये लोग या तो काम छोड़ दें या राज्य छोड़ दें।

बिहार के इस ऐतिहासिक स्थल पर मिलेगी रोपवे की सुविधा, वादियों का दीदार करेंगे पर्यटक

बिहार के जहानाबाद में स्थित बराबर की वादियों का अब पर्यटक रोपवे के जरिए दीदार कर सकेंगे। अगले तीन महीने में यहां रोपवे सुविधा शुरू होने की संभावना है।

जहानाबाद. बिहार के जहानाबाद जिले में स्थित ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थल बराबर में आने वाले सैलानियों को रोपवे की सुविधा मिलेगी। लोग पहाड़ के ऊपर से बराबर की वादियों और फल्गु नदी का मनोरम दृश्य देख सकेंगे। यहां रोपवे निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। इसके जून तक पूरा होने की उम्मीद है। इसके निर्माण से जिले में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। वैसे लोग जो पैदल पहाड़ पर चढ़ नहीं सकते हैं, वे भी अब बराबर की वादियों को देख सकेंगे। साथ सिद्धेश्वर नाथ का दर्शन और पूजन कर सकेंगे। वर्तमान में श्रद्धालु सीढ़ी के

रास्ते या पहाड़ के रास्ते किसी तरह से जाते हैं। वहीं, रोपवे का निर्माण होने से ट्रॉली में बैठकर एक साथ आराम से 8-10 लोग जा सकेंगे।

22 करोड़ की लागत से रोपवे का निर्माण दो एलाइनमेंट में हो रहा है। पहला पातालगंगा से बन रहा है जिसकी लंबाई 986.21 मीटर होगी। दूसरा हथियाबोर से होगा, जिसकी लंबाई 1196.624 मीटर है। दोनों एलाइनमेंट बाबा सिद्धेश्वर नाथ मंदिर के ठीक पहले वाली पहाड़ी पर एक जगह मिल जाएगा। रोपवे के निर्माण से बाबा सिद्धेश्वर नाथ के मंदिर तक पहुंचना श्रद्धालुओं के लिए आसान हो जाएगा।

बराबर महोत्सव में प्रभारी मंत्री ने बराबर की प्राचीन गुफाओं को वर्ल्ड हेरिटेज में शामिल करने के लिए प्रस्ताव भेजने का आश्वासन दिया था, ताकि इसका विकास तेजी से हो सके। मगर अब तक इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं हुई है। अगर यह वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल हो जाता है तो धार्मिक एवं ऐतिहासिक धरोहर बराबर जिले के लोगों के लिए गौरव की बात होगी। यहां आने वाले सैलानियों की संख्या भी बढ़ेगी। इसके हिसाब से सड़कों और अन्य सुविधाएं बहाल होंगी।

उत्तराखंड के टिहरी-गढ़वाल में खाई में गिरी कार, 6 लोगों की मौत; 1 दिन बाद सड़क हादसे का यूं हुआ खुलासा

हैरानी की बात यह भी है कि यह घटना मंगलवार की रात में हुई थी लेकिन बुधवार की शाम को सड़क हादसे की जानकारी उस वक्त हुई जब यहां से गुजर रहे एक यात्री ने कार को गहरी खाई में गिरा हुआ देखा।

टिहरी गढ़वाल. उत्तराखंड में बड़ा हादसा हुआ है। यहां एक कार 500 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई है। टिहरी गढ़वाल जिले में यमुना ब्रिज के पास यह कार खाई में गिरी है। उत्तरकाशी से देहरादून जाते वक्त यह कार हादसे का शिकार हुई है। हादसा केम्टी थाना अंतर्गत क्षेत्र में हुआ है। एक हैरानी की बात यह भी है कि यह घटना मंगलवार की रात हुई थी लेकिन बुधवार की शाम को सड़क हादसे की जानकारी उस वक्त हुई जब यहां से गुजर रहे एक यात्री ने कार को गहरी खाई में गिरा हुआ देखा।

मृतकों की हुई पहचान

हादसे में मरने वालों की पहचान 30 साल के प्रताप, उसके 28 साल के छोटे भाई राजपाल, राजपाल की 25 साल की पत्नी जशीला, 38 साल के मुन्ना, 35 साल के विनोद और 28 साल के वीरेंद्र के तौर पर हुई है। यह सभी उत्तरकाशी जिले के मोरी के रहने वाले थे। SDRF के प्रवक्ता ने कहा, हमारी टीम को केम्टी पुलिस थाने से जानकारी मिली थी कि एक आल्टो कार यमुना ब्रिज के नजदीक खाई में गिर गई है। हेड कॉन्स्टेबल मनोज जोशी के नेतृत्व में हमारी टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। हमारी टीम ने बपताया कि गाड़ी पर रजिस्ट्रेशन नंबर - UK07 9607 है। यह लोग उत्तरकाशी से आ रहे थे और देहरादून की तरफ जा रहे थे और अचानक ड्राइवर ने कार पर संतुलन खो दिया और गाड़ी 500 मीटर गहरी खाई में जा गिरी।

एसडीआरएफ की तरफ से बताया गया है कि हमारी टीम को सभी यात्री मृत मिले। स्थानीय पुलिस और रेवेन्यू विभाग की टीम ने मृतकों को बाहर निकाला और मृतकों की डेड बॉडी उनके परिजनों के हवाले कर दिया गया है।

दो साल से ताले में बंद हैं मजदूरों की 500 साइकिल, कब बंटेंगी? BJP विधायक ने दिया जवाब

देहरादून. कर्मकार बोर्ड से श्रमिकों के लिए दी गई 500 साइकिलें दो साल से तालों में बंद रखी हैं। इन साइकिलों को देहरादून के हिंदू नेशनल स्कूल के तीन कमरों में कबाड़ की तरह भरा गया है। आरोप है कि इन साइकिलों को राजपुर रोड विधानसभा के विधायक खजानदास ने रखवाया है। उत्तराखंड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार बोर्ड ने पूरे राज्य में श्रमिकों को साइकिल, सिलाई मशीन और कंबल बांटने के लिए सरकार के पिछले कार्यकाल में योजना बनाई थी। इसके लिए बड़े पैमाने पर खरीद की गई और घपले के आरोप तक लगे। जिसकी जांच भी बैठा दी गई। ऐसे में साइकिलें और दूसरा सामान जगह-जगह डंप हो गया। इसी सामान में से 500 साइकिलें, इतनी ही सिलाई मशीन और करीब तीन सौ कंबल लक्ष्मणचौक स्थित हिंदू नेशनल इंटर कॉलेज के तीन कमरों में रखा गया है। इन कमरों पर पिछले दो साल से ताला लगा है। इंटर कॉलेज के प्रबंधक प्रवीन कुमार जैन के मुताबिक साइकिलें श्रमिकों को बांटी जानी थीं, विधायक खजानदास ने इन्हें स्कूल में रखवाया है।

यह दारोगा नकली है असली? वसूली करते फिल्मी अंदाज में धराया; DSP बोले फुल ट्रेंड है

दरभंगा. बिहार के दरभंगा का एक युवक असली दारोगा बनने में असफल रहा तो नकली दारोगा बनकर वसूली करने लगा। यातायात थाना की पुलिस ने मिर्जापुर चौक के पास एक नकली दारोगा को वाहन चेकिंग करते रंगे हाथ दबोच लिया। यातायात थानाध्यक्ष कुमार गौरव ने नकली दारोगा को नगर थाना को सुपुर्द कर दिया। जिसको लेकर यातायात थानाध्यक्ष ने नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज करवाई है।

प्राथमिकी में उन्होंने बताया कि मिर्जापुर चौक के पास पुलिस की वर्दी में एक नकली दारोगा अशोक साह वाहन चेकिंग कर रहा था। जैसे ही यातायात थाना की पुलिस मिर्जापुर चौक पर पहुंची तो पुलिस बल को देखकर नकली दारोगा घबराने लगा। पुलिस के द्वारा नकली दारोगा को कब्जा में लेकर नाम पता पूछा गया। उन्होंने बताया कि वह मनीगाछी थाना क्षेत्र के जगदीशपुर का रहने वाला अशोक कुमार साह है। जब यातायात थानाध्यक्ष द्वारा नकली दारोगा से सख्ती से पूछताछ किया गया तो उसने बताया कि वह पुलिस अवर निरीक्षक नहीं है। बल्कि नकली पुलिस बनकर लोगों से भयादोहन कर पैसे की अवैध वसूली कर रहे हैं। नकली दारोगा ने बताया कि पिछले कुछ महीने से वह अवैध वसूली का काम कर रहा है।

पकड़े गए अशोक साह ने बताया कि दारोगा भर्ती में उसने कई बार प्रयास किया। मेंस में तीन बार छंट गया। उसके उपर दारोगा बनने का नशा सवार था। उसके बाद नकली वर्दी का जुगाड़ करके अपना रौब चलाने लगा। कुछ दिनों बाद कॉन्फिडेंस बढ़ा तो उसने वसूली भी शुरु कर दिया। बताया कि शहर के बाहरी इलाकों में नो एंट्री, गलत पार्किंग ओवर लोड या अन्य गलतियां पकड़कर उनसे वसूली करता था। चालान दिखाकर डराता और मैनेज करने नाम पर उगाही कर लेता ।

एसडीपीओ अमित कुमार ने बताया कि मिर्जापुर चौक पर वसूली की खबर पर पुलिस पहुंची। वर्दी और काम करने के तरीके से उसे पहचानना मुश्किल था। जाल बिछाकर उसे दबोचा गया। कई बाद दारोगा

भर्ती की तैयारी करने की वजह से वह विभाग के तौर तरीके से अवगत है। साधारण आदमी उसे नहीं पकड़ सकता। पता लगाया जा रहा है कि वह अकेले है या कोई गिरोह काम कर रहा है।

नगर थानाध्यक्ष अरविंद कुमार ने बताया कि यातायात थानाध्यक्ष के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। नकली दारोगा को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। पूछताछ में उसने कई अहम खुलासा भी किया है। उसके आधार पर पुलिस कार्रवाई कर रही है।

ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कॅरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें।

कॅरियर के लिए अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है ड्राइविंग

ड्राइविंग एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें कॅरियर बनाने के बारे में शायद ही कोई युवा सोचता हो। यकीनन यह कोई फुल टाइम प्रोफेशन नहीं है लेकिन फिर भी अगर आप इसे एक कॅरियर या व्यवसाय के रूप में देखते हैं तो इसमें भी आपके विकास की अपार संभावनाएं मौजूद है। यह उन लोगों के लिए एक अच्छा कॅरियर ऑप्शन साबित हो सकता है, जो बहुत अधिक पढ़े-लिखे नहीं है, लेकिन फिर भी अच्छी आमदनी करके एक बेहतर जिन्दगी जीना चाहते हैं। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि ड्राइविंग के क्षेत्र में कॅरियर बनाकर आप किस तरह अपने सपनों को पूरा कर सकते हैं-

ऐसे बनाएं कॅरियर

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कॅरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें। इसके अलावा अगर आपके पास पर्याप्त पैसा नहीं है तो इस स्थिति में आप कुछ ओला व उबर आदि में बतौर कार चालक अपने कॅरियर की शुरूआत कर सकते हैं।

योग्यता

यह एक ऐसा क्षेत्र नहीं है, जिसके लिए किसी खास प्रोफेशनल डिग्री की आवश्यकता हो। आपको बस एक वाणिज्यिक ड्राइविंग लाइसेंस की आवश्यकता है और फिर कई ड्राइविंग स्कूल हैं जो आपको अपने आसपास के क्षेत्र में मिलेंगे। आप वहां से ड्राइविंग का प्रशिक्षण ले सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

अगर आप सच में अपने कॅरियर को ग्रोथ देना चाहते हैं तो इसके लिए आपमें कुछ स्किल्स का होना बेहद आवश्यक है। सबसे पहले तो आपको बेहद अच्छी तरह से कार ड्राइव करनी आनी चाहिए। यह आपके कॅरियर के लिए सबसे पहली और जरूरी शर्त है। इसके अलावा आप जिस शहर में हैं, वहां की सड़कों की आपको अच्छी जानकारी होनी चाहिए। वैसे इन दिनों जीपीएस के जरिए भी रास्तों के बारे में पता लगाया जा सकता है। वहीं आपमें बेहतर कम्युनिकेशन स्किल होना भी बेहद आवश्यक है। सारा दिन आपकी गाड़ी में कई कस्टमर आएंगे, आपका उनके प्रति व्यवहार कैसा होगा, इस पर काफी कुछ निर्भर करता है।

संभावनाएं

इस क्षेत्र में कॅरियर ग्रोथ काफी अच्छी है। सबसे पहले तो आप ओला व उबर के अलावा कई ड्राइविंग कंपनियों में बतौर ड्राइवर काम कर सकते हैं। इसके अलावा अगर आप चाहें तो ड्राइविंग इंस्टीट्यूट में बतौर टेनर भी काम कर सकते हैं और दूसरे लोगों को कार चलाना सिखा सकते हैं। इसके अलावा कुछ लोगों को पर्सनल कार ड्राइवर की जरूरत होती है, आप उनके लिए भी काम कर सकते हैं। वहीं खुद भी कार या टैक्सी लेकर उसे ड्राइव कर सकते हैं। इस तरह आप खुद ही मालिक बन सकते हैं।

लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो मिक्सोलॉजी में देख सकते हैं अपना कॅरियर

एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व फ्रेंडली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गेनाइजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फलेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

अगर आप उनमें से हैं, जिन्हें नौ से पांच की जॉब करना अच्छा नहीं लगता। आप अपनी लाइफ में लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो ऐसे में मिक्सोलॉजी के क्षेत्र में अपना कॅरियर देख सकते हैं। यह एक बेहद ही डिफरेंट कॅरियर ऑप्शन है। एक मिक्सोलॉजिस्ट एक व्यक्ति है जो कॉकटेल और मिश्रित पेय बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के मादक पेय और अन्य सामग्री को मिलाता है। आमतौर पर लोग मिक्सोलॉजिस्ट को बारटेंडर ही समझते हैं, लेकिन इनमें अंतर है। बारटेंडर केवल बार में होते हैं और केवल पहले से मौजूद डिंक्स को ही बनाते हैं। जबकि मिक्सोलॉजिस्ट कई नए तरह के कॉकटेल बनाता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको इस कॅरियर के बारे में बता रहे हैं-

क्या होता है काम

एक मिक्सोलॉजिस्ट का काम बारटेंडर की तुलना में अधिक विस्तृत होता है। वे कई तरह की डिंक्स को मिक्स करके एक नया पेय पदार्थ बनाने के अलावा, बार को आर्गेनाइज करना, कस्टमर्स को नए डिंक्स के बारे में बताना और उन्हें एंटरटेन करना, नए पेय पदार्थों का सुझाव देना और मेन्यू में कुछ नए पेय पदार्थों को शामिल करना होता है। यह एक ऐसी जॉब है, जिसमें आप हर दिन कुछ नए एक्सपेरिमेंट करते हैं और खुद को एक्सप्लोर करते हैं। हालांकि यहां पर काम के कोई निश्चित घंटे नहीं होते।

स्किल्स

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व फ्रेंडली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गेनाइजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फलेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए किसी निश्चित डिग्री का होना आवश्यक नहीं है। आपके स्वाद की समझ ही आपको आगे लेकर जाती है। हालांकि, ज्यादातर कंपनियां ऐसे मिक्सोलॉजिस्ट को पसंद करती हैं जिनके पास बारटेंडिंग लाइसेंस होता है। उम्मीदवार किसी भी कंपनी में अल्पकालिक भुगतान प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लेकर प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

संभावनाएं

यकीनन यह एक अलग कॅरियर क्षेत्र है, लेकिन फिर भी अगर आप अपने काम में अच्छे हैं तो आपके पास काम की कोई कमी नहीं होने वाली है। आप बार या रेस्टोरेंट के अलावा, क्लब, पब, होटल, टैवर्न आदि में बेहद आसानी से काम कर सकते हैं। इसके अलावा कुछ कंपनियां फूड एंड बेवरेज शो या फिर कई मार्केटिंग इवेंट्स में अपनी सर्विसेज देने के लिए भी मिक्सोलॉजिस्ट को हायर करती हैं। इस तरह के इवेंट्स में आप अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं।

आमदनी

एक मिक्सोलॉजिस्ट की सालाना पूरी तरह से उस क्लब / रेस्तरां / बार पर निर्भर करेगा जिस पर वह काम कर रहा है। फिर भी शुरूआती दौर में आप दो से तीन लाख रूपए सालाना आसानी से कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, लखनऊ
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कोलकाता
- इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, अहमदाबाद
- नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, नोएडा
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, मुंबई
- इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमैंट कैटरिंग टैक्नोलॉजी- एप्लाईड नुट्रीसन, कोलकाता
- सेंटमेरी कॉलेज, बैंगलोर
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, शिमला

कैसे बनें लेखपाल? जानें योग्यता, एग्जाम पैटर्न, सैलरी व सभी जानकारी

लेखपाल राजस्व विभाग यानी रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अंतर्गत काम करते हैं। लेखपाल को कुछ राज्यों में पटवारी, पटेल, कारनाम अधिकारी, शानबोगरु आदि नाम से जाना जाता है। यह एक सरकारी नौकरी है और इसमें जॉब सिक्योरिटी, पेंशन, पीएफ जैसे लाभ मिलते हैं।
आजकल अधिकतर युवा सरकारी नौकरी करना चाहते हैं। लेकिन सरकारी नौकरी पाना इतना आसान नहीं हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसी सरकारी नौकरी के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके लिए आपको ज्यादा मेहनत करने की जरुरी नहीं है।
आज हम आपको बताएंगे कि आप लेखपाल कैसे बन सकते हैं -
लेखपाल राजस्व विभाग यानी रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अंतर्गत काम करते हैं। लेखपाल को कुछ राज्यों में पटवारी, पटेल, कारनाम अधिकारी, शानबोगरु आदि नाम से जाना जाता है। यह एक सरकारी नौकरी है और इसमें जॉब सिक्योरिटी, पेंशन, पीएफ जैसे लाभ मिलते हैं। आजकल युवाओं में इस पद की डिमांड बहुत ज्यादा है। लेखपाल बनने के लिए अभ्यर्थी को लिखित परीक्षा के साथ-साथ इंटरव्यू देना होता है।
लेखपाल दो तरह के होते हैं - राजस्व लेखपाल और चकबंदी लेखपाल। राजस्व लेखपाल आवासीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं और राजस्व लेखपाल आवासीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं।

योग्यता

- आपको किसी भी स्ट्रीम से बारहवीं पास होना चाहिए।
मिनिमम परसेंटेज की कोई शर्त नहीं होती।
- उम्मीदवार के पास कम्प्यूटर कोर्स का सर्टिफिकेट होना जरूरी है।

आयु सीमा

लेखपाल बनने के लिए अभ्यर्थी की आयु 18 वर्ष और 40 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को नियमानुसार आयु में छूट प्रदान की जाती है।

लेखपाल बनने की परीक्षा

लेखपाल बनने के लिए लिखित परीक्षा और इंटरव्यू ये दो चरण होते हैं। लिखित परीक्षा 100 नंबर की होती है। इसके लिए 90 मिनट दिए जाते हैं। इसमें माइनस मार्किंग नहीं होती। परीक्षा में हिन्दी, सामान्य ज्ञान, गणित और ग्राम समाज और विकास के प्रश्न पूछे जाते हैं। हर सेक्शन में 25-25 प्रश्न होते हैं। लेखपाल की परीक्षा के लिए सामान्य ज्ञान, हिंदी सामान्य गणित और सामाजिक जीवन से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं। लिखित परीक्षा में पास होने वाले अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है। लिखित परीक्षा और इंटरव्यू दोनों को मिलाकर जो भी मार्क्स मिलते हैं उसी के आधार पर लेखपाल को चुना जाता है।

सैलरी

एक लेखपाल की सैलरी 5200-20200 रूपए प्रतिमाह पे-ग्रेड के अनुसार होती है। लेखपाल एक क्लेरिकल पोस्ट है जो ग्रुप सी के अंतर्गत आती है।

टिफिन सर्विस का बिजनेस शुरू कर कमा सकते हैं लाखों

साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और क्लीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि थाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।

कोरोनावायरस अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है और इस दौर में कई जमे जमाए बिजनेस और दूसरे प्रोफेशनों की कमर टूट चुकी है। कई लोगों की इस आपदा में नौकरी गई है तो कई लोगों का बिजनेस चौपट हुआ है। सबसे अधिक असर पड़ने वाली इंडस्ट्रीज में, फूड इंडस्ट्री पर निश्चित रूप से बड़ा असर पड़ा है। होटल, ढाबे जहां पर लोग इकट्ठे होकर खाना खाते थे, वहां बिजनेस जबरदस्त ढंग से प्रभावित हुआ है। पर लोगों की खाना खाने की जरूरतें तो कम नहीं हुई हैं, ऐसे में कई जगहों पर सुरक्षित टिफिन सर्विस एक बेहतर विकल्प के रूप में सामने आ सकता है। आइए देखते हैं इसकी कहां कहां और किस प्रकार उपयोगिता है और आप इसके जरिए किस प्रकार शुरुआत कर सकते हैं और किस प्रकार कमाई कर सकते हैं।

कारोबार को समझना जरूरी

ध्यान रखने वाली बात यह है कि बिजनेस चाहे कोई भी हो, किंतु उसे समझना एवं प्रबंधित करने का ढंग आपको वास्तविक रुप से उसका फायदा दिलाता है। अगर आप किसी बिजनेस को ठीक ढंग से मैनेज कर पाते हैं तो भारी मुनाफा और अच्छी क्रेडिबिलिटी हासिल कर सकते हैं। आखिर यूं ही तो आईआईएम से बड़े संस्थानों से निकले लोग सब्जी बेचकर या कोई छोटा मोटा रोजगार करके, या फिर खेती करके लाखों नहीं कमाते हैं? उनके कमाने के उदाहरणों से प्रबंधन के गुणों को सीखना जरूरी है।
कारोबार को प्रबंधित करने से पहले कारोबार को समझना और ग्राउंड वर्क करना जरूरी है। आप जिस भी क्षेत्र में रहते हों, आस पास अगर कोई टिफिन सर्विस चलती है तो उसके पास खुद एक ग्राहक बनकर जाएँ और देखें कि वहां पर किस प्रकार से आपको टिफिन दी जाती है, उसके रेट क्या है, सब्जी इत्यादि की वैरायटी क्या है, अलग-अलग दिनों में वेज और नॉनवेज का कॉम्बिनेशन क्या है? इतना ही नहीं, खाने की क्वालिटी कैसी है, डिलीवरी की टाइमिंग इत्यादि किस प्रकार से मैनेज किया जाता है, इन सब बातों को जब एक ग्राहक के तौर पर समझने की कोशिश करेंगे, तो आपको इसकी बारीकियां समझ आ जायेंगी।

कस्टमर मैनेजमेंट और मार्केटिंग

यह एक बेहद महत्वपूर्ण फैक्टर है। जब आप एक कारोबार को समझ लेते हैं और ग्राउंड वर्क कर लेते हैं तो आपके सामने बड़ी चुनौती आती है कि कस्टमर आप किस प्रकार से ढूँढें? तो इसके लिए आपको एडवर्टाइजमेंट करना पड़ेगा। इसके लिए आप खुद कैनवा जैसी ऑनलाइन सर्विस का प्रयोग करके अपनी टिफिन सर्विस का बैनर बना लें और व्हाट्सएप पर शेयर करें, खासकर उन कांटेक्ट में, जिस एरिया में आप बिजनेस करना चाहते हैं। शुरुआत में अगर आप के जानकार और आपके परिचित पहले ग्राहक बनते हैं, तो यह सबसे उत्तम होगा। एक तो ऑलरेडी वह आपको जानते हैं और दूसरे शुरू में विश्वास बनाने में आपको आसानी हो जाएगी। यह कार्य व्हाट्सएप पर आप आसानी से कर लेंगे, किंतु सिर्फ जानकारों में आप यह कार्य बढ़ा नहीं पाएंगे।
कारोबार बढाने के लिए आपको पंपलेट छपवाने पड़ेंगे और आसपास के एरिया में डिस्ट्रीब्यूटर करना पड़ेगा। वह हॉस्टल हो सकता है, कंपनी हो सकती है, या कोई लोकलिटी हो सकती है। कस्टमर जब आपके बनने लगेंगे, तो उसको प्रबंधित करने में और क्वालिटी देने में आप चूक ना करें। ध्यान रखें, यह 21वीं सदी है और यहां पर जितनी बेहतरीन क्वालिटी और सर्विस आप देंगे, आपके ग्रो करने की संभावना उतनी ही अधिक होगी। कम लागत के लिए पहले एकाध कस्टमर से ही शुरू करें, और अनुभव के साथ महीने बाद कारोबार को गति दें।
ध्यान रहे कि यह बिजनेस ना केवल शहर में, बल्कि छोटे-छोटे कस्बों और यहां तक कि गांव तक में चलने लगा है। गांव में कई घरों में बुजुर्ग व्यक्ति होते हैं, जो अकेले होते हैं। उनके बच्चे दूर शहरों में रोजी रोटी के लिए गए होते हैं, तो उनके लिए भी यह बेहद उपयोगी सर्विस है। ऐसे में निश्चित रूप से आपको इससे पुण्य और पैसा दोनों मिल सकता है।

कुछ महत्वपूर्ण बातें

- साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और क्लीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि थाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।
- मेन्यू अपडेट करते रहें। साथ ही ध्यान रखें कि स्वाद के चक्कर में ऐसा नहीं होना चाहिए कि कस्टमर के हेल्थ से समझौता हो जाए। कल्पना करें कि अगर कोई खाना खाने के बाद कस्टमर का पेट खराब हो जाता है या उसे अन हेल्दी फील होता है तो आप अपने ग्राहक खो देंगे। हां! स्वाद के लिए अपने मैन्यू में आप कोई मिठाई या दूसरी चीजें अपडेट करते रह सकते हैं।
- कस्टमर के फीडबैक के आधार पर किसी दिन उसकी पसंद का मैन्यू जरूर बना सकते हैं। त्यौहार इत्यादि के दिन पूरी या ऐसी दूसरी लोकल डिश कस्टमर को टेस्ट करा सकते हैं, पर यह कस्टमर के फीडबैक के आधार पर ही होना चाहिए।
- समय का पालन बहुत जरूरी है। अगर सुबह ब्रेकफास्ट 8:00 बजे पहुंचाते हैं, तो यह किसी हालत में 8 से लेट नहीं होना चाहिए, बहुत पहले भी नहीं होना चाहिए। समय पर डिलीवरी आपके बारे में एक बेहतरीन राय कायम करेगी। अगर किसी कारण वश देरी होने की सम्भावना है तो व्हाट्सअप या कॉल पर कस्टमर को अपडेट जरूर कर दें।

नो बॉल को लेकर अंपायर पर भड़के वानिंदु हसरंगा, कहा- आप ये नहीं देख सकते तो दूसरी जॉब देखो

नई दिल्ली. श्रीलंका और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज का आखिरी मुकाबला उस समय विवादों में आ गया, जब स्क्वॉयर लेग अंपायर ने श्रीलंका की पारी के आखिरी ओवर में एक नो बॉल को लीगल डिलीवरी करार दिया। गेंद को देखकर आसानी से कहा जा सकता था कि ये हाइट की नो बॉल थी, लेकिन अंपायर ने इसे लीगल करार दिया और खामियाजा श्रीलंका ने भुगता, क्योंकि टीम को तीन रनों से हार मिली। वहीं, मैच के बाद श्रीलंका की टी20 टीम के कप्तान वानिंदु हसरंगा ने अंपायर पर निशाना साधा और उनको नई जॉब तलाशने के लिए कहा। वानिंदु हसरंगा ने स्पष्ट रूप से कहा है कि अंपायर लिंडन हैनिबल को दूसरी नौकरी ढूंढनी चाहिए, क्योंकि दांबुला में अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे टी20 में रोमांचक मोड़ पर खड़े मैच के आखिरी ओवर के दौरान हैनिबल ने हाई फुलटॉस को लीगल डिलीवरी माना था। अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज वफादार मोमंद की गेंद कामिंदु मेंडिस की कमर के ऊपर से गई थी। बल्लेबाज ने थोड़ा सा आगे निकलकर खेलने की कोशिश जरूर की, लेकिन आईसीसी की प्लेइंग कंडीशन्स के मुताबिक, अगर वे पोपिंग क्रीज में सीधे भी खड़े होते तो भी गेंद नो बॉल ही दी जानी थी। हसंरगा ने मैच के बाद कहा, इंटरनेशनल मैच में इस तरह की बात नहीं होनी चाहिए। यदि यह (कमर की ऊंचाई के करीब) होता, तो कोई समस्या नहीं हो, लेकिन जो गेंद इतनी ऊपर जा रही है... अगर वह थोड़ी ऊपर जाती तो बल्लेबाज के सिर पर लगती। यदि आप यह नहीं देख सकते हैं, तो वह अंपायर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए उपयुक्त नहीं है। अगर वह कोई दूसरा काम करता तो ज्यादा अच्छा होता। जब ऐसा हुआ तब श्रीलंका को आखिरी तीन गेंदों पर 11 रनों की जरूरत थी। चूंकि डिलीवरी को वैध माना गया तो उन्हें अंतिम दो में 11 रनों की आवश्यकता थी।अगली गेंद वाइड रही, जबकि पांचवीं गेंद पर कोई रन नहीं बना। आखिरी गेंद पर छक्का लगा, लेकिन श्रीलंका को तीन रनों से हार मिली। अगर वह गेंद नो बॉल होती तो शायद मैच का नतीजा कुछ और हो सकता था, क्योंकि उस गेंद पर टीम को एक रन मिलता और अगली गेंद फ्री हिट होती तो वहां बल्लेबाज के आउट होने के चांस ना के बराबर होते।

विराट कोहली या बाबर आजम किसकी कप्तानी में खेलना चाहेंगे मोहम्मद आमिर? जवाब जीत लेगा दिल

नई दिल्ली.एजेंसी

पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर को भारतीय क्रिकेटरों से कुछ ज्यादा ही लगाव है, खासकर विराट कोहली और रोहित शर्मा से। वाइपर्स स्ट्रेंट अप विद मलिक शो में मोहम्मद आमिर और शाहीन अफरीदी एक एपिसोड में साथ आए और शोएब मलिक के सवालों के जवाब दिए। इस दौरान एक सवाल ऐसा था, जिस पर मोहम्मद आमिर का जवाब इंडियन क्रिकेट फैन्स को काफी ज्यादा पसंद आ रहा है। मोहम्मद आमिर से जब पूछा गया कि किसकी

कप्तानी में खेलना बेहतर है विराट कोहली या बाबर आजम? तो इस पर उन्होंने विराट का नाम लिया, हालांकि आमिर कभी भी विराट की कप्तानी में खेले नहीं हैं। इसके अलावा कवर ड्राइव को लेकर जब पूछा गया कि दोनों में से बेहतर कवर ड्राइव कौन खेलता है, तो इस पर भी आमिर का जवाब विराट कोहली ही था, हालांकि शाहीन ने बाबर का नाम लिया और इस पर आमिर का रिऐक्शन भी खूब वायरल हुआ था।

मोहम्मद आमिर ने अपनी पसंदीदा फ्रेंचाइजी टीम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) को बताया। इसके अलावा शोएब मलिक ने जब पूछा कि रोहित शर्मा का पुल शॉट या मोहम्मद रिजवान का फ्लिक शॉट? इस पर जैसे ही शाहीन अफरीदी ने जवाब देना शुरू किया कि दोनों शॉट अलग हैं, तो तुरंत आमिर ने उन्हें बीच में ही रोक दिया और कहा कि सच बोलो। रोहित शर्मा पुल शॉट इतने प्यार से मारते हैं। वो तेज गेंदबाज को भी पुल ऐसे मारते हैं, जैसे उनके पास कितना टाइम हो।

क्या विराट कोहली पांचवें टेस्ट के लिए करेंगे भारतीय स्क्वॉड में वापसी? अकाय कोहली के जन्म के बाद क्यों आ रही हैं ऐसी खबरें

नई दिल्ली.एजेंसी

विराट कोहली इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय स्क्वॉड का हिस्सा नहीं हैं। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के पहले दो टेस्ट मैचों के लिए जब स्क्वॉड का ऐलान किया गया था, तब विराट कोहली इसका हिस्सा थे। इसके बाद उन्होंने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से पर्सनल लीव मांगी और पहले दो टेस्ट से बाहर हो गए। आखिरी तीन टेस्ट मैचों के लिए स्क्वॉड के ऐलान से पहले लगातार चर्चा हो

रही थी कि क्या विराट की वापसी होगी? विराट ने अपनी छुट्टी बढ़ाई और वह बचे हुए तीन टेस्ट मैचों से भी बाहर हो गए। विराट कोहली दूसरी बार पिता बने हैं, 15 फरवरी को अनुष्का शर्मा ने बेटे को जन्म दिया, जिसका नाम अकाय कोहली रखा गया है। सीरीज का चौथा टेस्ट मैच 23 फरवरी से रांची में खेला जाना है और इसमें विराट की वापसी मुश्किल है, लेकिन अब खबर ये आ रही है कि वह पांचवें टेस्ट में स्क्वॉड में वापसी कर सकते हैं। सीरीज का आखिरी टेस्ट मैच 7 मार्च से धर्मशाला में खेला जाना है। क्या विराट कोहली धर्मशाला टेस्ट मैच खेलने के लिए टीम में वापसी करेंगे?

बेन स्टोक्स रांची की पिच को देखकर हैरान, बोले- मैंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा

नई दिल्ली.एजेंसी

इंग्लैंड की टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स रांची में भारत के खिलाफ आगामी चौथे टेस्ट की पिच से हैरान दिखे। उन्होंने दावा किया कि उन्हें समझ नहीं आ रहा कि यह कैसा बर्ताव करेगी। 32 वर्षीय ऑलराउंडर ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि ट्रैक पर बहुत सारी घास है। हालांकि, जब करीब से देखा तो वहां काफी दरारें थीं। हैदराबाद में सीरीज के पहले टेस्ट की पिच में काफी टर्न था। हालांकि, विशाखापट्टनम और राजकोट में अगले दो मैचों के लिए पिच काफी हद तक सही थी। इन दोनों मैचों में काफी रन बने, लेकिन बैजबॉल यहां फेल रही। पिछले टेस्ट मैच में इंग्लैंड ने सीरीज में पहली बार दो तेज गेंदबाजों को मौका दिया, लेकिन यह देखना दिलचस्प होगा कि वे रांची में किस संयोजन के साथ जाते हैं। चौथे टेस्ट से पहले

बीबीसी स्पोर्ट से बात करते हुए स्टोक्स ने पिच के बारे में ये दावा किया, मैंने पहले कभी ऐसा कुछ नहीं देखा। मुझे कोई अंदाजा नहीं है, इसलिए मुझे नहीं पता कि क्या हो सकता है। यदि आप विपरीत छोरों के एक तरफ नीचे देखते हैं तो यह उससे बिल्कुल अलग दिखता है, जिसे मैं देखने का आदी हूं, खासकर भारत में।

उन्होंने आगे बताया, ÷चेंजिंग रूम से यह हरा और घास वाला दिखता था, लेकिन फिर आप वहां जाते हैं तो यह अलग दिखता है। बहुत डार्क और टेढ़ा-मेढ़ा और इसमें काफी दरारें थीं।

इंग्लैंड की टीम ने हैदराबाद में पांच मैचों की सीरीज का पहला टेस्ट 28 रन से जीता, लेकिन इसके बाद वाइजैग और राजकोट में इंग्लैंड को करारी हार का सामना करना पड़ा। इस तरह अब भारतीय टीम सीरीज में 2-1 से आगे चल रही है और सीरीज के अभी भी दो मुकाबले बाकी हैं। भारतीय टीम रांची में ही सीरीज पर कब्जा करने के प्रयास से उतरेगी, जबकि इंग्लैंड की टीम वापसी करना चाहेगी।

कश्मीर में क्रिकेट खेलते नजर आए सचिन तेंदुलकर, सड़क को बना दिया मैदान

नई दिल्ली.एजेंसी महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर का एक और वीडियो उनकी कश्मीर विजिट का सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सचिन तेंदुलकर कश्मीर में क्रिकेट खेलते नजर आए। उन्होंने सड़क को ही क्रिकेट का मैदान बना दिया। उनके साथ दर्जनों बच्चे थे, जो वहां क्रिकेट खेल रहे थे। सचिन तेंदुलकर से भी रुका नहीं गया और वे सड़क पर ही क्रिकेट खेलते हुए दिखाई दिए। अक्सर सचिन तेंदुलकर ऐसा करते रहते हैं।सचिन तेंदुलकर हाल ही में एक कश्मीर में एक बैट फैक्ट्री में भी बल्ले देखते हुए नजर आए थे। उनकी बेटी सारी भी उनके साथ थी। सचिन तेंदुलकर ने इसके बाद गुलमर्ग में बच्चों के साथ क्रिकेट खेली। इसी दौरान का एक और वीडियो सामने आया था, जिसमें सचिन तेंदुलकर एक इंडिगो की फ्लाइट में एंट्री करते हैं तो लोग उनके लिए तालियां बजाते हुए नजर आते हैं और सचिन...सचिन...करते सुनाई पड़ते हैं। फिलहाल, आप यहां क्रिकेट खेलने का वीडियो देखिए।बता दें कि सचिन तेंदुलकर को क्रिकेट छोड़े एक दशक से भी ज्यादा समय हो गया है। सचिन तेंदुलकर अब लीजेंड्स लीग में खेलते हुए नजर आते हैं। आज भी क्रिकेट के मैदान पर सचिन उतरते हैं तो लोग सचिन...सचिन पुकारते नजर आते हैं।

सचिन का क्रेज आज भी इस खेल के दिवानों में कम नहीं है। सचिन भी इस खेल को प्यार करते हैं। यही कारण है कि सचिन तेंदुलकर को वही प्यार फैंस से भी मिलता है।सचिन अक्सर अलग-अलग वीडियो अपने सोशल मीडिया हैंडल्स पर भी शेयर करते रहते हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट में 100 शतक जड़ने वाले सचिन तेंदुलकर ने हाल ही में एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें एक फैन उनके नाम की जर्सी पहने नजर आया था।

यशस्वी जायसवाल ने 5.4 करोड़ में मुंबई में खरीदा सपनों का घर

कभी टेंट में गुजारते थे रात

नई दिल्ली. भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सितारे यशस्वी जायसवाल ने क्रिकेट के मैदान पर आग लगाई हुई है। महज 22 साल की उम्र में उन्होंने 22 साल के अनुभव वाले जेम्स एंडरसन की धुलाई की। वे इंग्लैंड के खिलाफ जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में लगातार दो दोहरे शतक जड़ने में सफल हुए हैं। इस बीच उनसे जुड़ी एक और खबर सामने आई है कि यशस्वी जायसवाल ने मुंबई में करीब साढ़े 5 करोड़ रुपये का एक फ्लैट खरीदा है।

यशस्वी जायसवाल ने एक्स बीकेसी में 5.4 करोड़ रुपये में एक अपार्टमेंट खरीदा है। टीओआई की मानें तो लियासेस फोरास को प्राप्त रजिस्ट्रेशन डॉक्यूमेंट्स के अनुसार, बांद्रा (ईस्ट) भवन के विंग 3 में 1,100 वर्ग फुट का फ्लैट 7 जनवरी को पंजीकृत किया गया था। यह सौदा 48,499 रुपये प्रति वर्ग फुट पर हुआ। इस फ्लैट को खरीदने की बात काफी समय से चल रही थी। टेस्ट डेब्यू के समय ही वे इसमें शिफ्ट को लेकर उत्साहित थे। आपको बता दें, एक समय ऐसा भी था जब वे मुंबई में एक

छोटे बच्चे की तरह आए थे और आजाद मैदान में एक टेंट में रहते थे। वे यूपी के बदोही जिले के एक गांव के रहने वाले हैं। अपने क्रिकेट के सपनों को पंख देने के लिए वे मुंबई आए और उनको वहां एक कोच मिला। इतना ही नहीं, एक समय पर वे एक पानी पूरी बेचने वाले हॉकर की मदद भी करते थे। अक्सर उनकी वह तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होती रहती हैं।

पिछले रविवार को बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज ने राजकोट में तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ भारत को 434 रनों से मिली जीत में दोहरा शतक जड़ा। इस दौरान उन्होंने कई रिकॉर्ड तोड़े। वे एक पारी में 12 छक्के जड़ने वाले दुनिया के दूसरे और भारत के पहले क्रिकेटर बने। जायसवाल ने 2020 अंडर 19 विश्व कप से ही अपना दबदबा बनाया हुआ। वे राजस्थान रॉयल्स के लिए आईपीएल खेल चुके हैं। उनको 2.4 करोड़ में टीम ने खरीदा था।

रांची टेस्ट मैच के लिए इंग्लैंड की प्लेइंग 11 का ऐलान, टीम में किए ये 2 अहम बदलाव

नई दिल्ली.एजेंसी

इंग्लैंड की टीम में दो बदलाव देखने को मिले हैं। गुरुवार 22 फरवरी की दोपहर को इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड यानी ईसीबी ने रांची में खेले जाने वाले पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के चौथे मुकाबले के लिए टीम का ऐलान कर दिया है। 2-1 से सीरीज में पिछड़ चुकी इंग्लैंड की टीम में दो बदलाव हुए हैं। मार्क वुड और रेहान अहमद को ड्रॉप किया गया है, जबकि उनकी जगह ओली रॉबिन्सन और शोएब बशीर खेलने वाले हैं। माना जा रहा था कि लगातार तीन मैचों में फ्लॉप रहने वाले जॉनी बेयरेस्टो को ड्रॉप किया जा सकता है और उनकी जगह एक अतिरिक्त स्पिनर या फिर डैन लॉरेंस को खिलाया जा सकता है। हालांकि, टीम मैनेजमेंट, कप्तान और कोच ने अपने अनुभवी बल्लेबाज पर भरोसा जताया है। ऐसे में जॉनी बेयरेस्टो को भी अपना योगदान चौथे मुकाबले में देना होगा, क्योंकि टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड की टीम पहले ही पिछड़ चुकी है और एक और हार टीम को सीरीज हरा देगी।

इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन

जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, जॉनी बेयरस्टो, बेन स्टोक्स (कप्तान), बेन फोक्स (विकेटकीपर), टॉम हार्टली, ओली रॉबिन्सन, जेम्स एंडरसन और शोएब बशीर।

क्या श्रेयस अय्यर कर रहे बहानेबाजी? NCA ने बताया फिट, फिर भी नहीं खेल रहे रणजी ट्रॉफी

क्या श्रेयस अय्यर आईपीएल 2024 से पहले बहानेबाजी कर रहे हैं। उनको **NCA** ने फिट बताया है, लेकिन फिर भी वे रणजी ट्रॉफी का क्वॉर्टर फाइनल मैच मुंबई के लिए नहीं खेलेंगे। उनको बैक पेन कारण बताया है।

नई दिल्ली.एजेंसी

भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने एक दिन पहले मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन को यह सूचना दी है कि वह रणजी ट्रॉफी 2024 के क्वॉर्टर फाइनल्स के लिए उपलब्ध नहीं हैं, क्योंकि उनको पीठ दर्द है। वहीं, नेशनल क्रिकेट एकेडमी यानी एनसीए के हेड ऑफ स्पोर्ट्स साइंस एंड मेडिकल नितिन पटेल ने चयनकर्ताओं को भेजे एक ईमेल में बताया था कि श्रेयस अय्यर फिट हैं और उनको कोई नई चोट नहीं है। ऐसे में उनको खेलने के लिए तैयार रहना चाहिए था। मुंबई क्रिकेट संघ के सूत्रों के मुताबिक, श्रेयस अय्यर ने शुक्रवार से शुरू होने वाले बड़ौदा के खिलाफ रणजी ट्रॉफी क्वॉर्टर फाइनल मैच से बाहर होने का कारण पीठ दर्द बताया था, लेकिन द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, नितिन पटेल ने अपने ईमेल में लिखा,इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के बाद भारतीय टीम की हैंडओवर रिपोर्ट के अनुसार श्रेयस अय्यर फिट थे और चयन के लिए उपलब्ध थे। टीम इंडिया से उनके जाने के बाद फिलहाल किसी ताजा चोट की खबर नहीं है।पिछले सप्ताह बीसीसीआई सचिव जय शाह ने केंद्रीय अनुबंधित और भारत ए क्रिकेटरों को चेतावनी दी थी कि घरेलू क्रिकेट में भाग ना लेने पर इसके गंभीर प्रभाव होंगे। राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने बीसीसीआई की मेडिकल टीम से इनपुट लेने के बाद श्रेयस अय्यर को रणजी ट्रॉफी खेलने के लिए कहा ताकि उनकी पीठ को बल्लेबाजी और लंबे समय तक मैदान पर रहने के तनाव की आदत हो जाए। हालांकि, श्रेयस ने रणजी ट्रॉफी नहीं खेलने के पीछे बैक पेन कारण बताया है।अगले महीने से आईपीएल 2024 की शुरुआत हो रही है। ऐसे में श्रेयस अय्यर शायद उस टूर्नामेंट के लिए फिट रहना चाहते हैं। शायद यही वजह है कि वह पूरी तरह फिट होकर भी रणजी ट्रॉफी में उतरने के लिए तैयार नहीं है। श्रेयस अय्यर चोट के कारण पिछला सीजन कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए नहीं खेल पाए थे। ऐसे में वह चाहेंगे कि इस बार पूरी तरह फिट होकर वह टीम में लौटें और टीम की कप्तानी करें।

बाबर आजम के जबरा फैन ने तोड़ीं सारी सीमाएं, मैदान पर जाकर अपने चहेते बल्लेबाज को किया हग

पाकिस्तानी बल्लेबाज बाबर आजम के एक जबरा फैन ने पीएसएल 2024 के दौरान सारी सीमाएं तोड़ दी। उसने मैदान पर जाकर बल्लेबाज को हग किया। इसके बाद उसे बाबर आजम ने मैदान से बाहर भेज दिया।

नई दिल्ली.एजेंसी

पाकिस्तान के धाकड़ बल्लेबाज बाबर आजम की फैन फॉलोइंग काफी है। जिस तरह विराट कोहली और रोहित शर्मा से मिलने के लिए फैंस मैदान पर पहुंच जाते हैं। उसी तरह बाबर आजम के साथ भी ऐसा होता आ रहा है। पाकिस्तान के इस बल्लेबाज का एक जबरा फैन पाकिस्तान सुपर लीग यानी पीएसएल के दौरान नजर आया।

उस फैन ने सारी सीमाएं तोड़ दीं और वह मैदान पर अपने चहेते क्रिकेटर से मिलने पहुंच गया। दरअसल, पीएसएल के कराची किंग्स बनाम पेशावर जाल्मी मैच के दौरान बाबर आजम जब फील्डिंग कर रहे थे तो एक फैन स्टेडियम से निकला। पहले उसने स्टेडियम और मैदान के बीच में लगीं रैलिंग को क्रॉस किया और फिर एडवरटाइजिंग बोर्ड्स को पार करते हुए मैदान की तरफ दौड़ा। ये शख्स सीधा बाबर आजम की तरफ दौड़ा और बाबर भी रुक गए और उन्होंने अपने इस फैन से मुलाकात की ओर उसे वापस भेजा।

हैरान करने वाली बात ये रही कि इस फैन को रोकने के लिए कोई भी सुरक्षाकर्मी मैदान की ओर नहीं दौड़ा। इस फैन को उन्होंने वापस आते हुए पकड़ा। भारत में भी कई बार ऐसा हो चुका है, जब कोई फैन जबरदस्ती मैदान में घुस जाता है। हालांकि, अब भारत में नियम इसको लेकर बना दिए हैं और इस तरह की हरकत करने वालों के खिलाफ कार्रवाई होती हैं और उन्हें कुछ दिन हवालात में बंद रखा जाता है।

बाबर आजम की बात करें तो वे पेशावर जाल्मी के कप्तान हैं। दोनों मैचों में एक बल्लेबाज के तौर पर बाबर आजम सफल रहे हैं, लेकिन दोनों मैचों में उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा है।

पहले मैच में क्वेटा ग्लैडिएटर्स से टीम को हार मिली थी, जबकि दूसरे मैच में कराची किंग्स ने बाबर आजम की कप्तानी वाली पेशावर जाल्मी टीम को रौंद दिया। दोनों मैचों में बाबर आजम ने ओपनर के तौर पर अर्धशतक जड़ा।

मन्नारा चोपड़ा

बहन Priyanka Chopra की शादी में जीजू से मिला था स्पेशल गिफ्ट, अब किया खुलासा

बिग बॉस 17 में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस मन्नारा चोपड़ा (Mannara Chopra) इन दिनों हर तरफ छाई हुई हैं। बिग बॉस के घर से बाहर आने के बाद एक्ट्रेस लगातार अपने प्रोजेक्ट्स प काम कर रही हैं और लगातार इंटरव्यूज भी दे रही हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी बड़ी बहन प्रियंका चोपड़ा (Priyanka Chopra) और जीजू निक जोनस (Nick Jonas) की शादी का एक किस्सा शेयर किया है। उन्होंने बताया है कि निक जोनस ने अपनी शादी में क्या गिफ्ट दिया था।

मन्नारा को निक से मिला था खास तोहफा

मन्नारा चोपड़ा (Mannara Chopra) हाल ही में कॉमेडियन भारती सिंह (Bharti Singh) और हर्ष लिंबाचिया (Haarsh Limbachiyaa) के पॉडकास्ट शो की गेस्ट बनी थी। इस दौरान मन्नारा ने प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस की शादी को लेकर बात की।मन्नारा ने बताया कि प्रियंका चोपड़ा की शादी में उन्हें जूता छुपाई की रस्म में जीजू निक से स्पेशल गिफ्ट मिला था। भारती और हर्ष ने जब गिफ्ट के बारे में पूछा तो मन्नारा ने बताया– मुझे मेरी बहन और हम सब कजिन्स को क्यूट रिंग्स मिली थी। पैसों का मुझे नहीं पता होता, क्योंकि मुझे कोई पैसे देता है। तो मैं अपनी मम्मी को दे देती हूं।

अभिषेक संग किया म्यूजिक वीडियो

हाल ही में एक्ट्रेस का बिग बॉस में नजर आए टीवी एक्टर अभिषेक कुमार के साथ एक म्यूजिक वीडियो में नजर आई है। इस गाने का नाम है सांवरे, जिसे ऑडियंस की पसंद कर रही हैं।

मन्नारा चोपड़ा वर्कफ्रंट

एक्ट्रेस के वर्कफ्रंट की बात करें तो खबर है कि वह रोहित शेट्टी के शो खतरों के खिलाड़ी 14 में भी नजर आ सकती हैं। हालांकि, अभी तक इस पर कोई कंफर्मेशन नहीं आई है। इसके अलावा मन्नारा ने बॉलीवुड फिल्मों के अलावा साउथ इंडस्ट्री में भी काम किया है।

Jeh भैया की बर्थडे पार्टी में पहुंची Raha Kapoor, पापा Ranbir की गोद में आईं नजर

करीना कपूर खान और सैफ अली खान आज अपने छोटे बेटे जेह अली खान (Jeh Ali Khan) का तीसरा जन्मदिन सेलिब्रेट कर रहे हैं। बॉलीवुड के कई सेलेब्स जेह को सुबह से जन्मदिन की बधाई दे रहे हैं।वहीं इस खास मौके पर करीना और सैफ ने लाडले के लिए खास बर्थडे पार्टी का आयोजन किया है, जिसमें पूरा कपूर और पटौदी परिवार शामिल होता नजर आ रहा है। जेह के मामा रणबीर कपूर भी बेटी राहा कपूर और अपनी भांजी समारा के साथ इस पार्टी में पहुंचे।

भाई जेह की बर्थडे पार्टी में पहुंची राहा

कपूर परिवार में छोटे से छोटा फंक्शन बड़ी धूमधाम से सेलिब्रेट किया जाता है और हर सेलिब्रेशन में पूरा परिवार एक साथ नजर आता है। अब जेह अली खान (Jeh Ali Khan) के जन्मदिन पर भी कुछ ऐसा ही हुआ। इस खास मौके पर मामा रणबीर कपूर भी शामिल हुए। इस दौरान रणबीर अकेले नहीं बल्कि अपनी लाडली बेटी राहा और भांजी समारा के साथ नजर आए।

क्यूट अंदाज में नजर आई राहा

हालांकि, रणबीर ने भांजी समारा के साथ पैपराजी को पोज दिए। उन्होंने राहा को मीडिया से दूर रखा। पैपराजी को पोज देने के बाद रणबीर बेटी राहा को गोद में लिए पार्टी के अंदर जाते नजर आए। इस दौरान राहा की एक झलक पैपराजी के कैमरे में कैद हुई। जेह भैया की पार्टी में राहा ब्लू कलर की ड्रेस में नजर आई।

जेह और राहा की पहली मीटिंग

जेह और राहा में महज दो साल का अंतर हैं। ऐसे में बीते दिनों करण जौहर के शो में आलिया भट्ट ने खुलासा किया की कैसे राहा की पहली मुलाकात जेह अली खान से हुई थी। बीते दिनों आलिया बेटी राहा को करीना कपूर के घर लेकर गई थी।

वामिका के लिए सालभर में एक फिल्म करने के लिए तैयार थीं अनुष्का, अब बेटे अकाय के बाद लेंगी बड़ा फैसला?

विराट कोहली और अनुष्का शर्मा हाल ही में दोबारा पैरेंट्स बने हैं। एक्ट्रेस ने बेटे को जन्म दिया है। फैंस से लेकर सेलेब्स तक सभी दोनों को बधाई दे रहे हैं। अब क्योंकि एक्ट्रेस काफी समय से फिल्मों से दूर हैं तो सबका यही सवाल है क्या बेटे होने के बाद एक्ट्रेस का ब्रेक जारी रहेगा। दरअसल एक्ट्रेस का एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वह पैरेंटिंग के बारे में डिस्कस कर रही थीं।

क्या काम करेंगी कम

अनुष्का ने वीडियो में कहा था कि वामिका को उनका समय ज्यादा चाहिए। विराट अच्छे पिता हैं और अपने पिता होने की जिम्मेदारी पूरी निभाते हैं, लेकिन वामिका को उनकी जरूरत ज्यादा होती है। यही वजह है कि उन्होंने साल में 1 फिल्म करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि वह एक्टिंग से प्यार करती हैं, लेकिन साथ ही लाइफ में बैलेंस बना रही हैं ताकि उन्हें फैमिली टाइम मिले। अनुष्का ने बताया कि वह अब वैलिडेशन नहीं लेती हैं और वही करेंगी जो करना है।ऐसा कहा जा रहा है कि हो सकता है कि अकाय के लिए भी वह ऐसा करें। वह बेटे के लिए भी साल में एक फिल्म करें या फिर अभी लंबा ब्रेक लें फिल्मों में काम करने के लिए।

अनाउंसमेंट कर चौंकाया

अनुष्का और विराट ने बेटे के जन्म की अनाउंसमेंट करते हुए लिखा, बहुत खुशी और प्यार के साथ हम आपको बता रहे हैं कि 15 फरवरी को हमारा बेटा अकाय और वामिका का छोटा भाई इस दुनिया में आया है। हमें आपके आशीर्वाद, प्रार्थनाएं की इस खूबसूरत समय में जरूरत है। इसके साथ ही आपसे रिक्वेस्ट करते हैं कि ऐसे समय में हमारी प्राइवेसी का ध्यान रखें। बता दें कि काफी समय से अनुष्का की प्रेग्नेंसी की खबर आ रही थी हालांकि एक्ट्रेस ने बेबी की अनाउंसमेंट से पहले तक कभी इस बारे में कमेंट नहीं किया।

मृणाल ठाकुर

ने मुंबई में खरीदे करोड़ों के 2 फ्लैट, Kangana Ranaut से रहा इस प्रॉपर्टी का खास कनेक्शन

साउथ और बॉलीवुड अभिनेत्री मृणाल ठाकुर (Mrunal Thakur) एक्टर नानी के साथ फिल्म हाय नन्ना (Hi Nanna) में नजर आई थी। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने अच्छी कमाई भी की थी।वहीं अब अभिनेत्री

अपने आने वाले प्रोजेक्ट में बिजी चल रही है। इसी एक्ट्रेस को लेकर एक खबर सामने आ रही है कि उन्होंने मुंबई अपना नया घर खरीदा है।

मृणाल ठाकुर ने खरीदे दो फ्लैट

टाइम्स नाउ की एक रिपोर्ट के मुताबिक, मृणाल ठाकुर (Mrunal Thakur) ने अपने पिता के साथ मिलकर मुंबई के अंधेरी वेस्ट इलाके में दो 10 करोड़ फ्लैट खरीदे हैं। इन घर की रजिस्ट्री भी हो चुकी है। कहा जा राह है कि एक्ट्रेस ने स्टांप ड्यूटी के लिए 60 लाख रुपये दिए है।

मृणाल के नए घर का है कंगना से कनेक्शन

मृणाल ठाकुर (Mrunal Thakur) के इस घर का कनेक्शन बॉलीवुड की क्वीन कंगना रनोट के परिवार से है। रिपोर्ट में बताया गया है कि, ये फ्लैट कंगना रनोट के परिवार के थे।

मृणाल के ये दोनों फ्लैट पहले कंगना के भाई और पिता के थे।हालांकि, अब ये मृणाल के नाम हो चुके हैं। अब इस घर में एक्ट्रेस की पसंद के मुताबिक रिनोवेशन का काम किया जा रहा है, जो जल्द पूरा होगा। एक्ट्रेस का एक अपार्टमेंट 94.46 वर्ग मीटर में फैला हुआ है। वहीं, दूसरा अपार्टमेंट 92.66 वर्ग मीटर में फैला है।